

सम-सामयिक **घटना चक्र**

अतिरिक्तांक



**G S**

**प्वाइन्टर**

(पूर्वावलोकन सार)

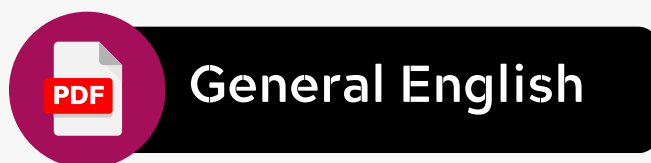
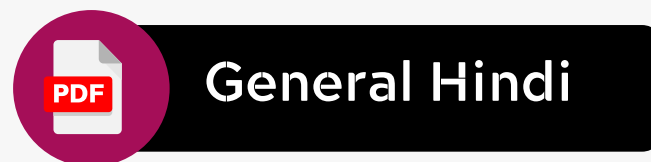
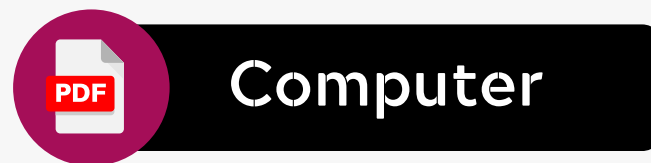
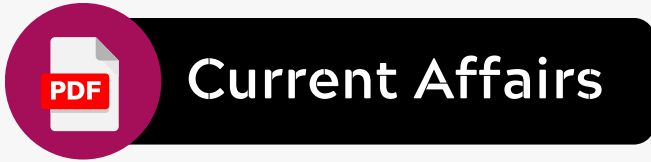
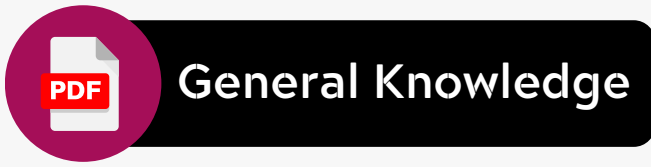
निःशुल्क  
सितम्बर, 2018  
अंक के साथ

**आर्थिक एवं**

**सामाजिक विकास**

शृंखला का अगला अंक - **राज्य आधारित**

# Download All Subject Free PDF

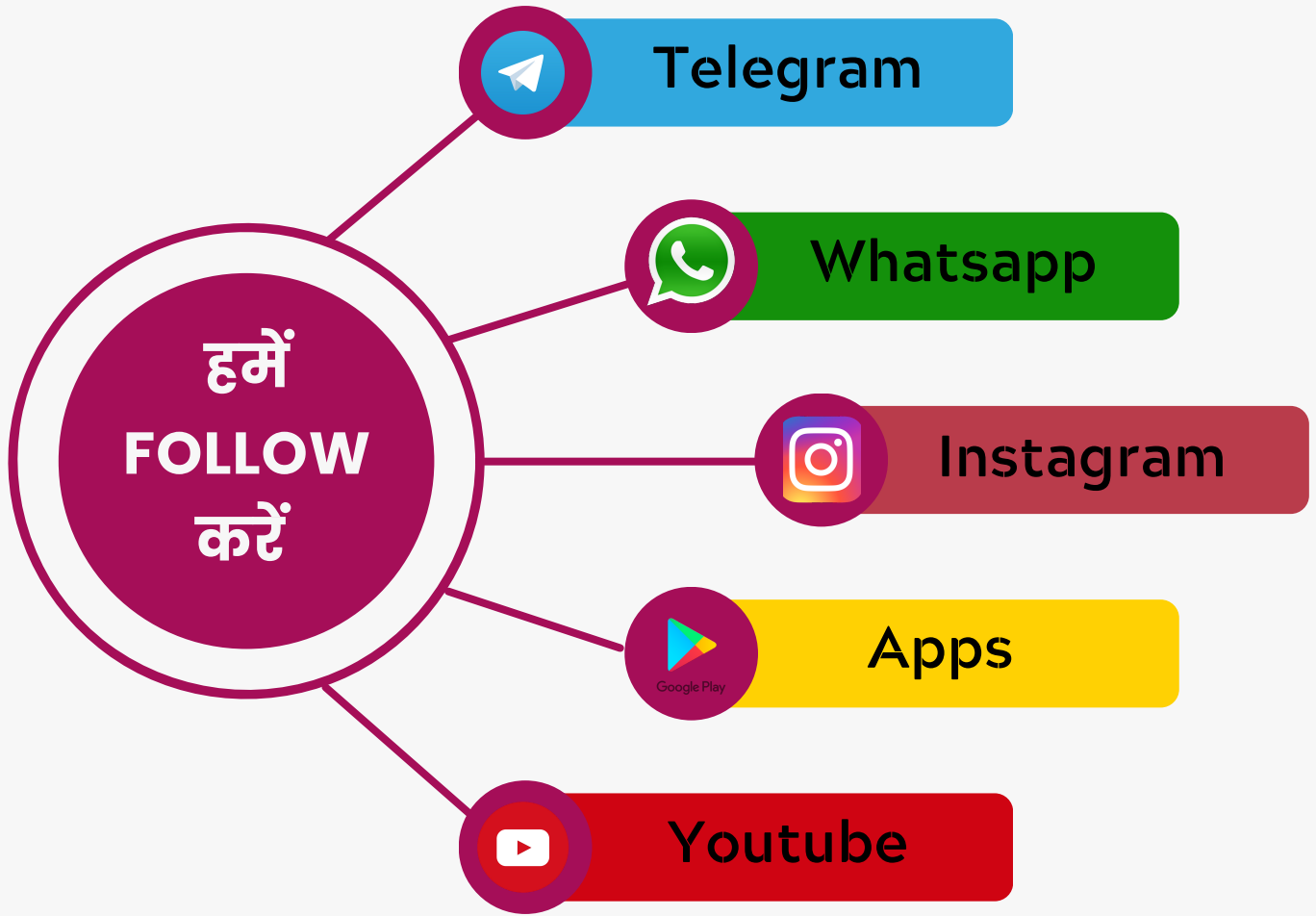


## Join Our Best Course

GK Trick By  
Nitin Gupta

Current Affairs

**Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें**



 GK Trick By Nitin Gupta  
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

# **GK TRICK BY NITIN GUPTA APP**

**यहाँ पर आपको मिलेगा**

- ✓ Best PDF Notes For All Exams
- ✓ Best Test Series For All Exams
- ✓ Daily Current Affairs PDF
- ✓ सभी Course बहुत ही कम Price पर
- ✓ सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा



# GS प्वाइंटर

## सामान्य अध्ययन

2017, अगस्त माह से सम-सामयिक घटना चक्र मुख्य पत्रिका के साथ निःशुल्क अतिरिक्तांक की शृंखला प्रारंभ की गई है। शृंखला में सामान्य अध्ययन के विभिन्न विषयों पर GS 'प्वाइंटर' क्रमशः प्रस्तुत किया जाएगा।

## आर्थिक एवं सामाजिक विकास

### A. आर्थिक विकास

#### राष्ट्रीय आय एवं आर्थिक विकास

- \* किसी देश की आर्थिक संवृद्धि का सबसे उपयुक्त मापदंड है  
—प्रति व्यक्ति वास्तविक आय
- \* किसी देश में जीवन स्तर प्रतिबिंबित होता है —प्रति व्यक्ति आय से
- \* सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) है —राष्ट्रीय उत्पाद का मूल्य मापन
- \* किसी दी गई अवधि के लिए एक देश की राष्ट्रीय आय  
—किसी अर्थव्यवस्था में एक विशेष समय अवधि में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य के बराबर होगी
- \* कथन (A) : आर्थिक विकास के लिए एक बहुआयामी उपागम की आवश्यकता होती है।  
कारण (R) : वर्तमान भारत सरकार मुख्यतः सूक्ष्म आर्थिक विषयों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।  
—(A) सही है, किंतु (R) गलत है।
- \* मिश्रित अर्थव्यवस्था का अर्थ है— जहां राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र भी विद्यमान हो
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रमुख लक्षण है —मिश्रित अर्थव्यवस्था

- \* भारत में नियोजित अर्थव्यवस्था आधारित है  
—मिश्रित अर्थव्यवस्था पर
- \* यह सत्य होगा कि भारत को परिभाषित किया जाए  
—एक श्रम-आधिक्य वाली अर्थव्यवस्था के रूप में
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता है —कृषि की प्रधानता, न्यून प्रति व्यक्ति आय तथा वृहद बेरोजगारी
- \* देश की वृद्धि में अनार्थिक तत्व है —सामाजिक घटक, धार्मिक घटक, राजनीतिक घटक, अंतरराष्ट्रीय घटक तथा वैज्ञानिक घटक आदि।
- \* 1951-52 से 2015-16 की अवधि में स्थिर कीमतों पर भारत की प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर सर्वाधिक रही —वर्ष 2007-08 में
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था ने सर्वाधिक संवृद्धि दर प्राप्त की है  
—वर्ष 2006-07 में (9.6%)
- \* वर्ष 2015-16 में प्रति व्यक्ति आय के आधार पर राज्यों का अवरोही क्रम है  
—महाराष्ट्र > गुजरात > पंजाब > उत्तर प्रदेश
- \* वर्ष 2015-16 में गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र तथा तमिलनाडु राज्यों का उनके प्रति व्यक्ति निवल राज्य घरेलू उत्पाद (Per Capita Net State Domestic Product) के संदर्भ में अवरोही क्रम (Descending Order) है —महाराष्ट्र > कर्नाटक > गुजरात > तमिलनाडु

- \* वर्तमान में भारत के राज्यों में प्रति व्यक्ति आय सबसे कम है  
—बिहार की
- \* वर्तमान में भारतीय राज्यों में औसत प्रति व्यक्ति आय सर्वाधिक है  
—गोवा की
- \* वर्तमान में कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, गुजरात तथा हरियाणा में से औसत प्रति व्यक्ति आय सर्वाधिक है  
—हरियाणा की
- \* कथन (A): यद्यपि 1947 के बाद की अवधि में भारत की राष्ट्रीय आय कई गुना बढ़ गई है, परंतु प्रति व्यक्ति आय स्तर में कोई सुदृष्ट सुधार नहीं हुआ है।  
कारण (R): भारत की जनता का काफी बड़ा भाग अब भी गरीबी की रेखा के नीचे रह रहा है। —(A) गलत है, परंतु (R) सही है।
- \* भारत में ग्रामीण आय प्रायः नगरीय आय से कम है। इसके लिए कारण जिम्मेदार हैं  
—किसानों की निरक्षरता, वैज्ञानिक कृषि का नगण्य ज्ञान, विनिर्मित उत्पादों की तुलना में प्राथमिक उत्पादों का कम मूल्य तथा उद्योगों की तुलना में कृषि में कम निवेश
- \* भारत में प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि की दर धीमी है। इसका मुख्य कारण है  
—उच्च पूंजी-उत्पाद अनुपात, जनसंख्या वृद्धि की ऊंची दर आदि
- \* उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय की निम्नता के कारणों में शामिल हैं—  
—तेजी से बढ़ती जनसंख्या, साहसीपन का अभाव तथा अपर्याप्त अधो: संरचनात्मक सुविधाएं आदि
- \* किसी देश में आर्थिक संवृद्धि अनिवार्य रूप से होगी, यदि उस देश में होता है  
—पूँजी निर्माण
- \* भारत में बचत और पूँजी निर्माण की ऊंची दर होते हुए भी संवृद्धि दर कम होने का कारण है  
—पूँजी-उत्पाद अनुपात का अधिक होना
- \* श्रम की न्यून कार्यक्षमता, प्रति व्यक्ति कम आय, पूँजी निर्माण की न्यून दर और प्राकृतिक संसाधनों की कमी में से एक लक्षण भारतीय अर्थव्यवस्था का नहीं है  
—प्राकृतिक संसाधनों की कमी
- \* वित्तीय वर्ष 2017-18 में भारतीय आर्थिक संवृद्धि दर है, लगभग  
—6.5 प्रतिशत
- \* अगस्त, 2018 तक उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2018-2019 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर है  
—7.4 प्रतिशत
- \* भारत के प्रति व्यक्ति वास्तविक आय (Per Capita Income) में धीमी वृद्धि के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी रहे —जनसंख्या में तेज वृद्धि, मूल्यों में भारी वृद्धि के साथ ही कृषि तथा औद्योगिक क्षेत्रों के विकास में धीमी गति
- \* एक खुली अर्थव्यवस्था में अर्थव्यवस्था की राष्ट्रीय आय (Y) है  
—C+I+G+(X-M)
- \* रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अगस्त, 2018 की मौद्रिक नीति के अनुसार, 2018-19 में विकास दर संभावित है  
—7.4 प्रतिशत
- \* एशियाई विकास रिपोर्ट-2018 के अनुसार, वर्ष 2017 में भारत की संवृद्धि दर थी  
—6.6 प्रतिशत
- \* यदि एक दी हुई समयावधि में कीमतें तथा मौद्रिक आय दोनों दुगुनी हो जाएं, तो वास्तविक आय  
—अपरिवर्तित रहेगी
- \* वर्तमान मूल्यों (Current Prices) पर प्रति व्यक्ति आय (Per Capita Income) की वृद्धि दर (Growth Rate) स्थिर मूल्यों (Constant Prices) पर प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर से अपेक्षाकृत अधिक है, क्योंकि स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर में ध्यान रखा जाता है  
—मुद्रास्फीति की वृद्धि दर का
- \* 1867-68 ई. में भारत में प्रति व्यक्ति आय 20 रुपये थी, यह सर्वप्रथम अभिनिश्चित किया-  
—दादाभाई नौरोजी ने
- \* भारत की राष्ट्रीय आय का प्रथम मापन किया गया  
—दादाभाई नौरोजी द्वारा
- \* वर्ष 1949 में भारत सरकार द्वारा नियुक्त राष्ट्रीय आय समिति के अध्यक्ष थे  
—पी.सी. महालनोबिस
- \* भारत में राष्ट्रीय आय समकों का आकलन किया जाता है  
—केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन (CSO) द्वारा
- \* भारत में पूँजी निर्माण के आंकड़े एकत्रित करने का काम करता है  
—भारतीय रिजर्व बैंक और केंद्रीय सांख्यिकीय संगठन
- \* नई जी.डी.पी. आंकड़ों में आधार वर्ष 2004-05 के स्थान पर बदलकर कर दिया गया है  
—वर्ष 2011-2012
- \* इस समय (2015 से) भारत की राष्ट्रीय आय के अनुमान हेतु आधार वर्ष के रूप में प्रयुक्त हो रहा है  
—वर्ष 2011 - 12
- \* भारत का आर्थिक सर्वेक्षण, प्रत्येक वर्ष सरकारी तौर पर प्रकाशित किया जाता है-  
—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा
- \* सैद्धांतिक रूप से यदि आर्थिक विकास की कल्पना की जाती है, तो ध्यान में रखा जाता है  
—सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, सकल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि तथा प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू बचत (सकल) की औसत दर वर्तमान में आकलित की गई है  
—30 से 40 प्रतिशत के पास
- \* वर्ष 2015-16 में भारत की सकल घरेलू बचत दर  
—32.3 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद का
- \* भारत में बचत में सर्वाधिक योगदान करता है  
—घरेलू क्षेत्र
- \* भारत में घरेलू बचतों में सर्वाधिक हिस्सा है—भौतिक परिसंपत्तियों का

- \* भारत में निम्नलिखित चार प्रमुख क्षेत्रों से बचत का उदय होता है  
भारत में सकल घरेलू बचत में 1. गृहस्थ, 2. निजी निगम क्षेत्र, 3. सार्वजनिक निगम एवं अन्य लोक उपक्रम तथा 4. सरकार क्षेत्रों के योगदान का अवरोही क्रम है —**गृहस्थ क्षेत्र, निजी निगम क्षेत्र तथा सार्वजनिक निगम/लोक उपक्रम एवं सरकारी क्षेत्र**
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था के बारे में अमर्त्य सेन के सुझावों से संबंधित निम्नांकित कथन है —**इसे जन-उन्मुख होना चाहिए, सबसे अधिक निर्धन व्यक्ति की आर्थिक सुरक्षा होनी चाहिए, विश्व अर्थव्यवस्था में इनके एकीकरण के साथ राष्ट्रीय बचाव होना चाहिए।**
- \* यह विचार कि " भविष्य में भारतीय नियोजन में वस्तुओं से अधिक ध्यान व्यक्तियों पर देना चाहिए " व्यक्त किया गया था —**अमर्त्य सेन द्वारा**
- \* हिंदू वृद्धि दर संबंधित है —**राष्ट्रीय आय से**
- \* अवस्फीति के साथ, स्फीति के साथ, स्टैगप्लेशन के साथ तथा अतिस्फीति के साथ में से आर्थिक विकास सामान्यतया युग्मित होता है —**स्फीति के साथ**
- \* GNP (सकल राष्ट्रीय उत्पाद) में श्रम की भागीदारी कम होने का कारण है —**कीमतों की तुलना में मजदूरी का कम होना**
- \* सही सुमेलित हैं-  

<b>आर्थिक विकास</b>	-	<b>संरचनात्मक परिवर्तन</b>
<b>आर्थिक वृद्धि</b>	-	<b>सकल घरेलू उत्पाद</b>
<b>संपोषित विकास</b>	-	<b>पर्यावरण</b>
<b>जीवन की गुणवत्ता</b>	-	<b>स्वास्थ्य</b>
- \* भारत की अर्थव्यवस्था है —**विकासशील**
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था वर्णित की जा सकती है —**एक विकासशील अर्थव्यवस्था**
- \* सत्य कथन है —**सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में सार्वजनिक क्षेत्र के प्रतिशत अंश में विगत एक दशक में कमी आई है।**
- \* तेल क्षेत्र सार्वजनिक क्षेत्र न्यायिक प्रणाली का तथा शासकीय एवं सार्वजनिक संस्थाओं आदि के सुधारों में से आर्थिक सुधारों के द्वितीय प्रजनन (जेनरेशन) में सरकार द्वारा चिह्नित किए गए सुधारों का भाग नहीं है —**न्यायिक प्रणाली में सुधार**
- \* वर्ष 1991 की नई आर्थिक नीति में अपनाई गई मुख्य रणनीति थी —**उदारीकरण, निजीकरण तथा वैश्वीकरण**
- \* भारत में आर्थिक उदारीकरण (Economic Liberalisation) शुरू हुआ —**औद्योगिक लाइसेंस नीति में वास्तविक बदलाव के साथ**

- \* भारत की व्यावसायिक संरचना के वर्षों बाद भी लगभग वैसा ही बने रहने का एक कारण है —**आर्थिक विकास के लिए कृषि से उद्योग की दिशा में अंतरण के महत्व की जनता को अधिकतर जानकारी नहीं है।**
- \* भारत में अपनाई गई नई आर्थिक नीति के दो घटकों-स्थिरीकरण और संरचनात्मक समायोजन के विषय में सही कथन हैं —**संरचनात्मक समायोजन क्रमिक, बहुपद प्रक्रम है, जबकि स्थिरीकरण त्वरित अनुकूलन प्रक्रम है**
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण का अग्रदूत (पायनियर) कहा जाता है —**डॉ. मनमोहन सिंह को**

## सतत आर्थिक विकास

- \* धारणीय विकास, भावी पीढ़ियों के अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के सामर्थ्य से समझौता किए बगैर, वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करता है। इस परिप्रेक्ष्य में धारणीय विकास का सिद्धांत स्वाभाविक रूप से जुड़ा हुआ है —**धारण क्षमता के साथ**
- \* सतत विकास का आधार है —**पर्यावरणीय दृष्टिकोण**
- \* सतत आर्थिक विकास का अभिप्राय है —**वर्तमान पीढ़ी के विकास के साथ-साथ भविष्य का आर्थिक विकास**
- \* स्थायी विकास अंतर-पीढ़ीगत संवेदनशीलता की घटना है —**प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के संदर्भ में**
- \* मानव पूंजी में बढ़ता हुआ विनियोग अग्रसारित करता है —**कुशलता में विकास**
- \* समावेशी संवृद्धि के लिए आवश्यक हैं —**अधो-संरचनात्मक सुविधाओं का विकास, कृषि का पुनरुद्धार तथा शिक्षा एवं स्वास्थ्य जैसी सामाजिक सेवाओं की अधिकाधिक उपलब्धता**
- \* राष्ट्रीय आय की ऊंची वृद्धि दर, ग्रामीण विकास, कृषि विकास तथा कृषकों को पर्याप्त साख में से समावेशित विकास को बढ़ाने की आशा नहीं की जाती है —**राष्ट्रीय आय की ऊंची वृद्धि दर से**
- \* आर्थिक सर्वेक्षण में पहली बार 'धारणीय विकास और जलवायु-परिवर्तन' का नवीन अध्याय जोड़ा गया था —**वर्ष 2011-12 में**
- \* मूलतः 'समावेशी शासन' के अंग कहे जा सकते हैं —**सभी जिलों में प्रभावी जिला योजना समितियां संगठित करना, जन-स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय में बढ़ोत्तरी करना तथा 'दोपहर का भोजन' योजना का सशक्तीकरण करना**
- \* समावेशी शासन से तात्पर्य है कि —**समाज के सभी वर्गों को समान रूप से शासन के द्वारा प्रदत्त सुविधाएं प्रदान की जाएं।**



- \* आर्थिक विकास से संबद्ध जनांकिकीय संक्रमण की विशिष्ट अवस्थाओं का सही क्रम है  
—उच्च मृत्यु-दर के साथ उच्च जन्म-दर,  
निम्न मृत्यु-दर के साथ उच्च जन्म-दर  
तथा निम्न मृत्यु-दर के साथ निम्न जन्म-दर

## कृषि एवं संबद्ध क्षेत्र

- \* भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि एवं उससे संबंधित प्रक्षेत्र का अंश है  
—17.4 प्रतिशत (2016-17 में)
- \* राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय के 2014 के अनुमानानुसार, ग्रामीण परिवारों में कृषि में विनियोजित ग्रामीण परिवारों का प्रतिशत है  
57.8%
- \* भारत में कृषि क्षेत्र श्रम शक्ति को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करता है  
—लगभग 60 प्रतिशत
- \* विशेष कृषि एवं ग्राम उद्योग योजना का मुख्य उद्देश्य है  
—कृषि निर्यात का संवर्धन
- \* उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक प्रतिशत कर्मचारी नियोजित हैं  
—कृषि क्षेत्र में
- \* भारत के श्रमिक बल में प्रायः अपने जीवनयापन के लिए वर्तमान में कृषि पर निर्भर हैं  
—लगभग 60 प्रतिशत
- \* विकास का भारतीय मॉडल सुरक्षा करता है  
—व्यक्ति और राज्य दोनों के हितों का
- \* आर्थिक नियोजन के युग के आरंभ से भारत की सकल राष्ट्रीय आय में कृषि का हिस्सा  
—निरंतर कम होता रहा है
- \* जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, चरण सिंह तथा अबुल कलाम आजाद में से भारत में सहकारी कृषि के विचार का समर्थक नहीं था  
—चरण सिंह
- \* जमींदारी प्रथा का उन्मूलन, भूमि जोतों की अधिकतम सीमा का निर्धारण, काश्तकारी सुधार तथा बहुफसलीय योजना में से भारत में भूमि सुधार का हिस्सा नहीं है  
—बहुफसलीय योजना
- \* 'सोयाबीन' खेती के अंतर्गत क्षेत्र सर्वाधिक है  
—मध्य प्रदेश में
- \* तंबाकू, कपास, सोयाबीन तथा रबर में से एक नकदी फसल नहीं है  
—सोयाबीन
- \* कपास का प्रति हेक्टेयर उत्पादन (2017) विश्व में सर्वाधिक है  
—ऑस्ट्रेलिया में
- \* गेहूं की सिंचाई हेतु अति क्रांतिक अवस्था है  
—ताज निकलने की अवस्था

- \* देश में गेहूं उत्पादन की दृष्टि से राज्यों का अवरोही क्रम है  
—उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा पंजाब
- \* भारत में फसल बीमा योजना का शुभारंभ हुआ  
—1985 में
- \* व्यापक फसल बीमा योजना के स्थान पर राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना लागू की गई-  
—वर्ष 1999 में
- \* राष्ट्रीय कृषि बीमा योजना को खरीफ फसल पर भी लागू किया गया  
—बजट 2004-05 में
- \* उत्तर प्रदेश में किसान बही योजना लागू की गई थी  
—वर्ष 1992 में
- \* कमांड क्षेत्र विकास कार्यक्रम 1974-75 में शुरू किया गया था  
—जल उपयोग दक्षता विकास के लिए
- \* हैंड बुक ऑफ एग्रीकल्चर प्रकाशित होती है  
—भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से
- \* उ.प्र. कृषि अनुसंधान परिषद स्थित है  
—लखनऊ में
- \* आठवीं योजना के अंतर्गत योजना आयोग ने भारत को कृषि जलवायु प्रदेशों में विभक्त किया था, वह संख्या है  
—15
- \* राष्ट्रीय हॉर्टीकल्चर मिशन आरंभ किया गया था  
—5 मई, 2005 से (दसवीं पंचवर्षीय योजना में)
- \* राष्ट्रीय बागवानी मिशन (एन.एच.एम.) से आच्छादित है  
—पूर्वोत्तर व हिमालयी राज्यों (हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर तथा उत्तराखंड) सहित देशभर के 18 राज्य और 4 केंद्रशासित प्रदेश (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह, लक्षद्वीप, पुडुचेरी तथा दादरा और नगर हवेली)
- \* 'राष्ट्रीय बागवानी मिशन' का उद्देश्य है  
—बागवानी क्षेत्र में ऊंची संवृद्धि प्राप्त करना, शस्योत्तर व्यवस्था करना तथा मानव संसाधन विकास करना
- \* 1 जुलाई, 2001 से प्रारंभ कृषि श्रमिक सामाजिक सुरक्षा योजना उपलब्ध कराती है  
—पेंशन तथा बीमा लाभ
- \* 'लघु कृषक-विकास योजना' आरंभ की गई  
—वर्ष 1971 से
- \* गन्ने की उचित एवं लाभप्रद कीमत (FRP) को अनुमोदित करता/करती है  
—आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति
- \* वर्ष 1997-98 के बाद से न्यूनतम समर्थन मूल्य के संदर्भ में सत्य है  
—न्यूनतम समर्थन मूल्य > C2 लागतें
- \* 'कृषि लागत और कीमत आयोग' (CACP) वर्तमान में MSP के अंतर्गत घोषणा करता है  
—कुल 23 फसलों के मूल्यों की
- \* 'राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन' प्रारंभ हुआ था  
—वर्ष 2007-08
- \* अक्टूबर, 2007 में प्रारंभ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एन.एफ.एस.एम.) का उद्देश्य है  
—धान, गेहूं और दलहन के उत्पादन में बढ़ोत्तरी, मृदा उत्पादकता और उर्वरता का संरक्षण तथा खेत के स्तर पर आर्थिक लाभ को बढ़ाना, ताकि किसानों में आत्मविश्वास पैदा हो सके

- \* राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत फसलें सम्मिलित हैं  
—चावल,गेहूँ, दलहन, मोटे अनाज व वाणिज्यिक फसलें
- \* भारत में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन प्रभावी हुआ  
—वर्ष 2007-08 की रबी फसल से
- \* भारत में फसलों की बुआई के अंतर्गत शुद्ध क्षेत्रफल है, लगभग  
—14.01 करोड़ हेक्टेयर
- \* भारतीय कृषि उत्पादन ने ऋणात्मक वृद्धि दर्शाई है  
—वर्ष 2004-05 (-1.6%), 2009-10 (-4.0%),  
2012-13 (-2.0%) तथा वर्ष 2014-15 (-0.2%) में
- \* वह पंचवर्षीय योजना जिसमें कृषि ने ऋणात्मक विकास प्रदर्शित किया  
—तीसरी पंचवर्षीय योजना में
- \* भारत की औसत फसल गहनता है, लगभग —139%
- \* 'नीली क्रांति' संबंधित है —मत्स्य उत्पादन से
- \* पीत क्रांति या 'पीली क्रांति' संबंधित है  
—तोरिया-सरसों उत्पादन से (तिलहन)
- \* विश्व में 'हरित क्रांति के जनक' हैं —नॉर्मन ई. बोरलॉग
- \* भारतीय 'हरित क्रांति' की जन्मस्थली है —पंतनगर
- \* सार्वजनिक वितरण प्रणाली से वितरित अनाज पर कीमत बढ़ाने का उद्देश्य है —इस योजना में निहित उपादान का भार कम हो सके
- \* ऑपरेशन फ्लड का संबंध है —दुग्ध उत्पादन से
- \* ऑपरेशन फ्लड-II का संबंध है —दुग्ध आपूर्ति से
- \* 1950-90 की अवधि में भारत में खाद्यान्नों का उत्पादन बढ़कर तीन गुने से अधिक हो गया है, फिर भी सही अर्थ में आत्मनिर्भरता, जिसका तात्पर्य है भूख से मुक्ति, नहीं प्राप्त की जा सकी है। इसके कारण हैं  
—हरित क्रांति का देश के छोटे-छोटे खंडों तक ही सीमित रहना, गरीबों की कमाई की तुलना में खाद्य के भाव का बहुत अधिक होना तथा मोटे अनाजों की तुलना में गेहूँ और धान पर अत्यधिक बल देना
- \* हरित क्रांति से भारत के सर्वाधिक लाभांशित राज्य हैं  
—पंजाब, हरियाणा तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश
- \* प्रधानमंत्री जी द्वारा प्रस्तावित द्वितीय हरित क्रांति में सम्मिलित हैं  
—भारतीय कृषकों को सार्वभौमिक (ग्लोबल) कृषि व्यापार में सहभागिता, फसल पश्चात खाद्यान्न में क्षति को कम से कम करना तथा फसलों के भंडारण में सुधार
- \* कृषि करने की वह प्रक्रिया जो पर्यावरण संरक्षण में सहायक है  
—जैविक खेती
- \* कथन (A) : भारत में खाद्यान्न उत्पादन में लगभग आत्मनिर्भरता प्राप्त हो गई है।  
कारण (R) : अब भारत थोक मात्रा में खाद्यान्न का आयात नहीं करता है।  
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
- \* भारत में मुख्य कृषि पदार्थ आयात मद है —खाने योग्य तेल
- \* निर्यात हेतु आम की पसंदीदा प्रजाति है —अलफांजो
- \* भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (एनएएफईडी) संबंधित है—  
—कृषि विपणन से
- \* राष्ट्रीय स्तर पर कृषि विपणन सहकारिताओं का शीर्ष संगठन है  
—नेफेड (NAFED)
- \* 'गहन कदन्न संवर्धन के माध्यम से पोषण सुरक्षा हेतु पहल' (Initiative for Nutritional Security Through Intensive Millets Promotion) का उद्देश्य है —उन्नत उत्पादन और कटाई-उपरांत प्रौद्योगिकियों को निदर्शित करना एवं समूह उपागम (कलस्टर अप्रोच) के साथ एकीकृत रीति से मूल्यवर्धन तकनीकों को निदर्शित करना
- \* भारत में कृषि उत्पादों के बाजार को विनियमित किया जाता है  
—राज्यों द्वारा अधिनियमित कृषि उत्पाद विपणन समिति अधिनियम से
- \* संघ सरकार के 2011-12 के बजट में किसानों के लिए बैंक ऋण के समयानुसार भुगतान पर प्रभावी ब्याज दर है —4 प्रतिशत
- \* किसी फार्म के चल लागत पूंजी में बीज, उर्वरक, सिंचाई जल तथा भूमि-राजस्व में से एक शामिल नहीं है —भूमि राजस्व
- \* कृषि वित्त के प्रमुख सिद्धांत हैं —उद्देश्य, व्यक्ति, उत्पादकता नियोजन तथा संगठन आदि।
- \* भारत में कृषि वित्त के स्रोतों को बांटा जाता है —दो वर्गों में  
(A) संस्थागत स्रोत- (i) सहकारी समितियां एवं बैंक, (ii) व्यापारिक बैंक, (iii) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, (iv) सरकार  
(B) गैर-संस्थागत स्रोत —महाजन तथा साहूकार, संबंधी और रिश्तेदार, व्यापारी, जमींदार, आढ़तिए आदि।
- \* किसानों को उनकी अल्पावधि और दीर्घावधि आवश्यकताओं के लिए अनेक स्रोतों से ऋण प्रदान किया जाता है। किसानों को मिलने वाले ऋण के मुख्य स्रोतों में सम्मिलित हैं  
—प्राथमिक कृषि सहकारी समितियां, व्यावसायिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और गैर-सरकारी उधारदाता
- \* दीर्घकालीन कृषि ऋण प्रदान किया जाता है—भूमि विकास बैंक द्वारा
- \* हाल के वर्षों में भारत में कृषि वित्त का सबसे बड़ा स्रोत रहा  
—वाणिज्यिक बैंक



- \* भारत में कृषि-साख के संस्थागत स्रोत का घटता हुआ क्रम है
  - वाणिज्यिक बैंक, सहकारी बैंक तथा क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक
- \* कृषि तथा संबंधित क्रियाओं हेतु सबसे कम संस्थागत साख प्रदान कर रहा है
  - विदेशी निजी बैंक
- \* "...लाखों करोड़ों पुरुष एवं स्त्री श्रमिकों में, जो वास्तव में काम करते हैं, परस्पर हिस्सेदारी एवं सहयोगपूर्ण निष्पादन की भावना भर देना" उपर्युक्त अंश संबंधित है
  - सामुदायिक विकास से
- \* "भारत ने राष्ट्रीय खाद्यान्न सुरक्षा प्राप्त कर ली है, परंतु पारिवारिक सुरक्षा नहीं प्राप्त की है" कथन का तात्पर्य है
  - खाद्यान्न स्टॉक पर्याप्त है, परंतु सभी परिवारों को उसे प्राप्त करने का सामर्थ्य नहीं है।
- \* भारत में धीमी कृषि विकास गति के लिए प्रभावी कारण है
  - ग्रामीण निर्धनता
- \* सुमेलित हैं-
 

<ul style="list-style-type: none"> <li>बड़े सामंतों को आवंटित भूमि</li> <li>मालगुजारी के इजारेदारों अथवा तहसीलदारों को आवंटित भूमि</li> <li>उप-किराएदारी पर देने,</li> <li>गिरवी रखने, हस्तांतरण करने, उपहार देने या विक्रय करने के अधिकार सहित प्रत्येक किसान को आवंटित भूमि</li> <li>ग्राम्य स्तर पर की गई भू-राजस्व</li> </ul>	-	<ul style="list-style-type: none"> <li>जागीरदारी प्रणाली</li> <li>जमींदारी प्रणाली</li> <li>रैख्यतवाड़ी प्रणाली</li> <li>महलवाड़ी प्रणाली</li> </ul>
---	---	--
- \* बजट 2018-19 के अनुसार, खाद्यान्न पर दिया जाने वाला अनुदान है
  - 292824.89 करोड़ रुपये (GDP का 9%)
- \* कृषि लागत और मूल्य आयोग (CACP) के उद्देश्य हैं
  - कृषि मूल्यों का स्थिरीकरण, कृषकों के लिए सार्थक वास्तविक आय स्तरों का सुनिश्चय तथा लोक वितरण पद्धति के माध्यम से उपभोक्ताओं को आवश्यक कृषि पण्य उचित दरों पर उपलब्ध करवा कर उनके हितों की रक्षा करना।
- \* समर्थित मूल्यों पर खाद्यान्नों की सार्वजनिक खरीद नीति सुनिश्चित करती है
  - कृषि मूल्यों में स्थिरता, कृषकों को प्रेरणादायक मूल्य तथा सार्वजनिक वितरण के लिए खाद्यान्नों का भंडारण
- \* न्यूनतम समर्थन मूल्य के संदर्भ में सही कथन है-
  - यह किसानों की पैदावार के लिए न्यूनतम मूल्य सुनिश्चित करते हुए खाद्य सुरक्षा मिशन में सहायता प्रदान करती है।
- \* कृषि मूल्य आयोग की स्थापना की गई, वर्ष
  - 1965 में
- \* गेहूं के समर्थन मूल्य की अनुशंसा करता है
  - कृषि लागत एवं मूल्य आयोग
- \* खाद्यान्नों के समर्थन मूल्य की संस्तुति देता है
  - कृषि लागत एवं मूल्य आयोग
- \* मूल्य जिस पर सरकार खाद्यान्न का क्रय करती है
  - अधिप्राप्ति मूल्य (Procurement Prices)
- \* सार्वजनिक वितरण प्रणाली को बनाए रखने और सुरक्षित भंडार के निर्माण के लिए जिन कीमतों पर सरकार खाद्यान्न खरीदती है, वे जानी जाती हैं
  - वसूली कीमतों के नाम से
- \* विश्व में सब्जियों का सर्वाधिक उत्पादन करने वाला देश है
  - चीन
- \* भारतीय सब्जी शोध संस्थान स्थित है-
  - वाराणसी में
- \* वर्ष 2016-17 में भारत में निर्यातित प्याज की मात्रा थी, लगभग
  - 24.16 लाख टन
- \* भारत में सबसे अधिक कॉफी उत्पादन करने वाला राज्य है-
  - कर्नाटक
- \* मूंग, मसूर, उड़द, मटर तथा अरहर दलहनों में से वर्ष 2016-17 में सर्वाधिक आयात किया गया था
  - मटर (49.02%)
- \* वर्तमान में देश के लिए सर्वाधिक विदेशी मुद्रा प्राप्त करने वाला कृषि उत्पाद है
  - कच्ची कपास
- \* खली, कच्ची कपास, चावल तथा मसाले में से भारत के कृषि निर्यात की सर्वाधिक मूल्यवान वस्तु है
  - कच्ची कपास
- \* सुनहले चावल में प्रचुरता सृजित की गई है
  - विटामिन 'ए' की
- \* राष्ट्रीय कृषि तकनीक परियोजना (NATP) का पोषण, भारत में जिस अंतरराष्ट्रीय वित्तप्रदायी अभिकरण द्वारा होता है, वह है
  - विश्व बैंक
- \* 13 जनवरी, 2016 को घोषित 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' बीमाकृत करती है
  - चक्रवात एवं गैर-मौसमी वर्षा से होने वाले कटाई-उपरांत घाटे को
- \* खरीफ 2007 मौसम-आधारित फसल बीमा योजना सर्वप्रथम लागू की गई थी
  - कर्नाटक में
- \* विश्व में एकमात्र देश जो रेशम के ज्ञात सभी पांच व्यापारिक प्रकार उत्पादन करता है
  - भारत
- \* भारत विश्व में चीनी का उत्पादक है
  - दूसरा सबसे बड़ा
- \* भारतीय कृषि की निम्न उत्पादकता के कारण हैं
  - जनसंख्या का दबाव, प्रछन्न बेरोजगारी तथा भू-जोत का छोटा आकार
- \* भारत की काली मिट्टी बहुत उपयुक्त होती है
  - कपास की फसल उत्पादन के लिए

## उद्योग क्षेत्र

- \* भारत की सरकार ने कीमत स्थिरीकरण कोष की स्थापना का निर्णय लिया है —चाय, कॉफी, रबर और तंबाकू की कीमतों को स्थिर रखने हेतु
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का महत्व है —राष्ट्रीय आय तथा रोजगार, औद्योगिक विकास तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार तथा खाद्यान्न आपूर्ति के लिए
  - 1- भारतवर्ष में फसल बीमा योजना 1985 में प्रारंभ की गई,
  - 2- उत्तर प्रदेश में शस्य-जलवायु क्षेत्रों की कुल संख्या 9 है,
  - 3- काम के बदले अनाज कार्यक्रम 1977 में प्रारंभ किया गया,
  - 4- तथा नीली क्रांति का संबंध मत्स्य उत्पादन से है।
- उपर्युक्त कथनों में सभी सत्य हैं।
- \* 'हरियाली योजना' संबंधित है —जल प्रबंधन से
- \* 'विशेष कृषि उपज योजना' का संबंध है —कृषि पदार्थों के निर्यात के उछाल (थ्रस्ट) से
- \* 'राष्ट्रीय विशेष कृषि उपज योजना' मुख्य रूप से संबंधित है —निर्यात योग्य कृषि उत्पाद से
- \* 'राष्ट्रीय भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम' प्रारंभ किया गया था —वर्ष 2008 में
- \* भारत सरकार के कृषि एवं सहकारिता विभाग द्वारा रेनफेड एरिया डेवलपमेंट कार्यक्रम आरंभ किया गया था —वर्ष 2011-12 में
- \* भारत में कृषि आय कर लगाया जा सकता है—राज्य सरकारों द्वारा
- \* कृषि उत्पादों की मांग पाई जाती है —स्थायकत्वहीन (लोचहीन)
- \* किसान क्रेडिट कार्ड योजना का प्रारंभ किया गया था —वर्ष-1998-99 में
- \* किसान क्रेडिट कार्ड योजना —किसानों को उनकी खेती की आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त और समयानुकूल साख समर्थन प्रदान करती है।
- \* भारत में प्रथम कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना हुई थी —पंतनगर में
- \* केंद्रीय खाद्य तकनीकी अनुसंधान संस्थान स्थित है —मैसूर में
- \* नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (NAARM) स्थित है —हैदराबाद में
- \* भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान स्थित है —झांसी में
- \* वर्ष 2000 में 'नीरू-मीरू' जल संग्रहण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया था —आंध्र प्रदेश में
- \* कृषि उत्पादन में काष्ठ के हलों के स्थान पर इस्पात के हलों का उपयोग उदाहरण है —पूँजी बढ़ाने वाली प्रौद्योगिकीय प्रगति का
- \* वर्ष 2017-18 में भारत की जी.वी.ए. में उद्योग का अंश —25 से 30 प्रतिशत के मध्य था
- \* सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 के अनुसार, मध्यम उद्यम के रूप में उसे परिभाषित किया जाता है, जिसकी निवेश राशि होती है —रु. 5 करोड़ से रु. 10 करोड़ तक
- \* 1991 की औद्योगिक नीति की अनेक बिंदुओं पर आलोचना हुई थी। ये आलोचनाएं हैं —अनिश्चित औद्योगिक विकास, विदेशी प्रतियोगिता से खतरा तथा विदेशी निवेश में गलत विश्वास
- \* वर्ष 2006 में पारित अधिनियम के अनुसार, विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्र में सूक्ष्म उपक्रमों के लिए निवेश की सीमा है —क्रमशः 25 लाख एवं 10 लाख रुपये
- \* सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास अधिनियम (एमएसएमईडी) पारित हुआ —वर्ष 2006 में
- \* जोखिम पूंजी से तात्पर्य है —नए उद्यमियों को उपलब्ध कराई गई दीर्घकालीन प्रारंभिक पूंजी
- \* कथन (A) : अद्यतन अनेक भारतीय उद्योगों ने ISO-9001 तथा ISO-9002 प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लिए हैं। कारण (R) : भारत सरकार की लाइसेंसिंग प्रणाली में काफी उदारता आई है। —(A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
- \* स्वतंत्र भारत की प्रथम औद्योगिक नीति की घोषणा की गई थी —वर्ष 1948 में
- \* भारत में औद्योगिक विकास हेतु 'संयुक्त क्षेत्र' का विचार रखा गया —1956 की औद्योगिक नीति में
- \* वर्ष 1991 की औद्योगिक नीति के अनुसार, लाइसेंसिंग के अंतर्गत रखा गया था —18 उद्योगों को
- \* अब उन उद्योगों की संख्या, जिनके लिए औद्योगिक लाइसेंस की आवश्यकता होती है, घट कर रह गई है —5 उद्योग
- \* उदारीकरण, निजीकरण और भूमंडलीकरण की नई आर्थिक नीति घोषित की गई —प्रधानमंत्री नरसिंहा राव द्वारा वर्ष 1991 में
- \* भारत की पंचवर्षीय योजनाओं के संदर्भ में, औद्योगीकरण के ढांचे में परिवर्तन के अंतर्गत भारी उद्योग का महत्व कम करते हुए आधुनिक संरचनाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर) पर बल देने की शुरुआत की गई —आठवीं पंचवर्षीय योजना से

- \* भारत में उद्यमों हेतु लाइसेंसिंग प्रणाली का आधार था  
—उद्योग अधिनियम, 1951
- \* 31 मार्च, 2016 को पंजीकृत कारखानों की संख्या सर्वाधिक थी  
—तमिलनाडु में
- \* कुछ समय पहले भारत सरकार ने 'व्हाइट गुड्स' उद्योग को लाइसेंस मुक्त करने का निर्णय लिया, 'व्हाइट गुड्स' में सम्मिलित हैं  
—प्रदर्शन उपभोग के लिए खरीदी गई वस्तुएं
- \* कागज विनिर्माण उद्योग के लिए प्रसिद्ध हैं  
—यमुना नगर, गुवाहाटी तथा बल्लारपुर
- \* 1. भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार निगम लिमिटेड भारत का सबसे बड़ा गैर-तेल आयातक है।  
2. भारतीय परियोजना एवं उपस्कर निगम लिमिटेड वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन है।  
—उपर्युक्त कथनों में दोनों कथन सत्य हैं।
- \* भारत में मिल-निर्मित कपड़े का सर्वाधिक उत्पादन प्राप्त होता है  
—गुजरात से
- \* A. R.I.L. भारत में निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी कंपनी है।  
B. N.Y.S.E. में M.T.N.L. सूचीबद्ध है।  
C. B.S.N.L. भारत में प्रथम ऐसा सेवा संस्थान है जिसने एक ही समय में देशव्यापी सेलुलर सेवा शुरू की।  
—भारत के संदर्भ में उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
- \* कंपनी द्वारा लाभांश की घोषणा की जाती है —अभिदत्त पूंजी पर
- \* कंपनी के तुलन-पत्र से बताना संभव है —कंपनी की परिसंपत्तियों और देयताओं के आकार और संघटन को
- \* एफ.एम.सी.जी. (फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स) में शामिल नहीं किया जाता है —स्वचालित वाहन (कार व मोटरसाइकिल) को
- \* सही सुमेलित हैं—  
(उद्योग) (औद्योगिक केंद्र)  
पर्ल फिशिंग - तूतीकोरिन  
ऑटोमोबाइल्स - पुणे  
पोत निर्माण - मर्मुगावो  
इंजीनियरी सामान - पिजौर
- \* निजीकरण की सर्वाधिक सर्वांगीण और परिपूर्ण रीति है  
—निजी क्षेत्र को स्वामित्व और प्रबंधन का हस्तांतरण
- \* भारत सरकार की वर्तमान विनिवेश नीति के प्रमुख उद्देश्य हैं—  
—सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में नागरिकों को हिस्सेदारी प्रदान करना; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सरकार का प्रबंधन पर नियंत्रण और बहुमत शेयरधारिता (कम से कम 51%) बनाए रखना; तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में बेहतर कॉर्पोरेट गवर्नेंस सुनिश्चित करना।
- \* वर्ष 2005 में गठित 'राष्ट्रीय निवेश निधि' (NIF) का मुख्य उद्देश्य है  
—सामाजिक क्षेत्र की परियोजनाओं में निवेश करना
- \* द्वितीय पंचवर्षीय योजना अवधि में भिलाई इस्पात कारखाना बनाया गया  
—रूस के सहयोग से
- \* राउरकेला इस्पात संयंत्र की स्थापना हुई थी—जर्मनी के सहयोग से
- \* सही सुमेलित हैं—  
(इस्पात संयंत्र) (सहयोगी देश)  
राउरकेला - जर्मनी  
भिलाई - पूर्व यू.एस.एस.आर.  
दुर्गापुर - यू.के.  
बोकारो - यू.एस.एस. आर
- \* सही सुमेलित हैं—  
भिलाई - छत्तीसगढ़  
बोकारो - झारखंड  
दुर्गापुर - पश्चिम बंगाल  
राउरकेला - ओडिसा
- \* भारतीय हीरा संस्थान स्थापित किया गया है —सूरत में
- \* सार्वजनिक प्रतिष्ठान हैं—भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमिटेड (भोपाल),  
ऑर्डिनेंस फैक्ट्री (जबलपुर) तथा एल्केलॉयड फैक्ट्री (नीमच)
- \* बी.एस.एन.एल. की स्थापना हुई थी —वर्ष 2000 में
- \* भारत सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं  
—बामर लॉरी एंड कम्पनी लिमिटेड, ड्रेजिंग कॉर्पोरेशन  
ऑफ इंडिया तथा एजुकेशनल कन्सल्टैंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड
- \* वर्तमान में लघु उद्योग क्षेत्र में विदेशी पूंजी निवेश (फॉरेन इक्विटी होल्डिंग) की निर्धारित सीमा है  
—100 प्रतिशत
- \* सही सुमेलित हैं—  
(स्थान) (औद्योगिक केंद्र)  
विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) - पोत - निर्माण  
मूरी (झारखंड) - एल्युमीनियम  
गुड़गांव (हरियाणा) - मोटर गाड़ियां  
पनकी (उत्तर प्रदेश) - उर्वरक
- \* सही सुमेलित हैं—  
(केंद्र) (उद्योग)  
आंवला - उर्वरक  
मोदीनगर - रबर  
बाराबंकी - पॉली फाइबर  
कानपुर - विस्फोटक

- \* सही सुमेलित हैं-
 

बायो-टेक्नोलॉजी पार्क	-	लखनऊ
ट्रोनिका सिटी	-	गाजियाबाद
प्लास्टिक सिटी	-	कानपुर
लेदर टेक्नोलॉजी पार्क	-	उन्नाव
- \* उद्योग में लघु क्षेत्र के लिए वस्तुओं का आरक्षण समाप्त करने की सिफारिश की है —आबिद हुसैन समिति ने
- \* आबिद हुसैन समिति का संबंध था —लघु एवं मध्यम उद्योग से
- \* वर्ष 2011-12 को आधार वर्ष मानते हुए वर्ष 2016-17 में भारत की औद्योगिक विकास दर थी —5.6 प्रतिशत
- \* 'प्रारंभ में स्टार्ट-अप की विशेष जरूरतों को पूरा करने के लिए नए युग के वित्तीय विकल्पों' हेतु सलाह दी है- —प्रणव मुखर्जी ने
- \* भारत सरकार की एक पहल 'SWAYAM' का लक्ष्य है
 

—नागरिकों को वहन करने योग्य एवं गुणवत्ता वाली शिक्षा निःशुल्क उपलब्ध कराना
- \* 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम का लोगो है —शेर
- \* प्रधानमंत्री MUDRA योजना का लक्ष्य है
 

—लघु उद्यमियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली में लाना
- \* 'उद्यमी' हेल्पलाइन स्थापित की गई है
 

—सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों के लिए
- \* 8 अप्रैल, 2015 से प्रारंभ भारत सरकार की मुद्रा योजना का उद्देश्य है
 

—छोटे व्यापार स्थापित करने हेतु आसान वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।
- \* 1. इसका प्रयोजन SC/ST एवं महिला उद्यमियों में उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है।  
2. यह SIDBI के माध्यम से पुनर्वित्त का प्रावधान करता है।  
स्टैण्ड अप इंडिया के संदर्भ में —उपरोक्त दोनों कथन सत्य हैं।
- \* राष्ट्रीय नवीकरण निधि की स्थापना की गई है —रुण लघु उद्योगों की पुनःसंरचना तथा औद्योगिक पुनःसंरचना के प्रक्रम में छंटने के फलस्वरूप विस्थापित होने वाले कामगारों की सहायता के लिए
- \* राष्ट्रीय नवीकरण निधि का उद्देश्य है —उद्योगों का प्रौद्योगिकीय उन्नयन होने अथवा बीमार इकाइयों के बंद हो जाने से प्रभावित हुए कामगारों के हितों की सुरक्षा करना
- \* राष्ट्रीय नवीनीकरण फंड का गठन किया गया था
 

—सामाजिक सुरक्षा हेतु
- \* अधिकांश मामलों में लघु उद्योग, वृहद उद्योगों जितने दक्ष और प्रतियोगी नहीं हैं। फिर भी सरकार छोटे व्यवसाय/प्रतिष्ठानों के प्रति तरजीही व्यवहार करती है और इनके अनेक प्रकार के उत्पादों के लिए आरक्षण प्रदान करती है, क्योंकि लघु उद्योग
 

—प्रति इकाई पूंजी परिनियोजन के आधार पर अपेक्षाकृत अधिक रोजगार प्रदान करने के साथ ही अल्प कुशल कर्मियों को, कोई भी काम प्रदान करते हैं।
- \* सही सुमेलित हैं-
 

(नगर)		(उद्योग)
कोयम्बटूर	-	सूती वस्त्र
राउरकेला	-	लौह-इस्पात
कपूरथला	-	रेल डिब्बा
बरौनी	-	तेलशोधन
- \* 'गोल्डेन हैंड शेक' संबंधित है —स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना से
- \* हजीरा उर्वरक कारखाना आधारित है —प्राकृतिक गैस पर
- \* कच्छ की खाड़ी में स्थित 'कांडला' प्रसिद्ध है
 

—निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र के लिए
- \* वर्ष 2017-18 सीमेंट, कोयला, बिजली तथा इस्पात उद्योगों में से अधिकतम संवृद्धि दर थी —इस्पात उद्योग की
- \* सही सुमेलित हैं-
 

सिंगरौली (मध्य प्रदेश)	-	कोयला
कजरहट (चुनार, उ.प्र.)	-	सीमेंट
कोयाली (बड़ोदरा, गुजरात)	-	तेल
आणन्द (गुजरात)	-	दूध
- \* नायक समिति का संबंध है —लघु उद्योगों से
- \* क्रिसिल एक वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है, जो अर्थव्यवस्थाओं के साथ-साथ मूल्यांकन करता है —कंपनी की साख की स्थिति का
- \* आधुनिक सभ्यता के लिए सबसे मूलभूत उद्योग माना जाता है
 

—लोहा व इस्पात
- \* 'आठ मूल उद्योगों के सूचकांक' (इंडेक्स ऑफ एट कोर इंडस्ट्रीज) में सर्वाधिक महत्व दिया गया है —विद्युत उत्पादन को
- \* समाचारों में कभी-कभी देखे जाने वाले 'आधार क्षय एवं लाभ स्थानांतरण' (Base Erosion and Profit Shifting) पद का संदर्भ है
 

—बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए जाने वाले कर-अपवंचन पर प्रतिबंध लगाना
- \* भारत में सबसे महत्वपूर्ण लघु-स्तर का उद्योग है —हथकरघा उद्योग
- \* सहकारी इकाइयों की दशा में विकास की ऊंची दर प्राप्त हुई है
 

—सूती वस्त्र क्षेत्र में

- \* श्रम गहन उद्योग वह है, जहां —अधिक श्रमिकों को रखा जाता है
- \* औद्योगिक इकाइयों की स्थापना में तथा संबंधित समस्याओं में सहायता करने के लिए एक एजेंसी है —उद्योग बंधु
- \* समूह जो औद्योगिक संबंध के सह-भागीदार हैं —श्रमिक एवं उनके संगठन, प्रबंधक एवं उनके संगठन तथा राज्य सरकारें एवं केंद्र सरकार
- \* भारत के जिस उद्योग में अधिकतम श्रमिक लगे हुए हैं, वह है —कपड़ा उद्योग
- \* कृषि क्षेत्र के बाद भारत में सर्वाधिक रोजगार प्रदान करता है —कपड़ा उद्योग (वस्त्र क्षेत्र)
- \* वर्तमान में भारतीय लघु उद्योगों के सम्मुख प्रमुख समस्याएं हैं —पूंजी का अभाव, विपणन की समस्या, कच्चे माल का अभाव, आधारभूत संरचना की बाधा, सीमा शुल्क नीति, विलंबित भुगतान, रूग्णता की समस्या, निम्न स्तरीय आंकड़ों की उपलब्धता आदि।
- \* भारत जैसे विकासशील देश के लिए लघुस्तरीय व कुटीर उद्योगों को मुख्यतः इसलिए प्रोत्साहित करना चाहिए, क्योंकि वे —अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न करते हैं
- \* वित्त, विपणन, कच्चा माल तथा हड़ताल एवं तालाबंदी में से एक लघु उद्योगों (SSIs) की समस्या नहीं है —हड़ताल एवं तालाबंदी
- \* कथन (A) : पिछले कुछ वर्षों से भारतीय औद्योगिक क्षेत्र में सम्विलय तथा अधिग्रहण की घटनाएं हो रही हैं। कारण (R) : भारत में एकाधिकार एवं प्रतिबंधित व्यापार अधिनियम में पर्याप्त ढील दी गई है। —(A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- \* कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी संबंधी कानून सबसे पहले बना —भारत में
- \* वर्ष 2017-18 के अनुमानित आंकड़ों के अनुसार, भारत में चीनी का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है —उत्तर प्रदेश
- \* चीनी को नियंत्रण-मुक्त करने के लिए बनी समिति के अध्यक्ष थे —सी. रंगराजन
- \* सही सुमेलित हैं-
 

कटनी	-	सीमेंट उद्योग	
सूरत	-	सूती वस्त्र	
चुर्क	-	सीमेंट उद्योग	
ध्रुव रिएक्टर	-	कलपक्कम	
- \* सही सुमेलित हैं-
 

		(उद्योग)	(उत्पादक केंद्र)
जूट का सामान	-	टीटागढ़	
रेशमी वस्त्र	-	बंगलौर	
ऊनी वस्त्र	-	लुधियाना	
ऊनी कालीन	-	भदोही	
- \* रेनूकूट स्थित एल्युमीनियम की फैक्ट्री, हिंडाल्को का वहां स्थित होने का मूल कारण है —बिजली की प्रचुर आपूर्ति
- \* गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश राज्यों में से पेट्रोरसायन उद्योगों के लिए आदर्श दशाएं पाई जाती हैं —गुजरात में
- \* कथन (A) : तटीय गुजरात को औद्योगिक कार्यशाला कहा जाता है। कारण (R) : इसमें कपड़ा एवं वस्त्र, औषधियों एवं पेट्रोरसायन की बहुत-सी औद्योगिक इकाइयां पाई जाती हैं। —(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
- \* प्रबंध में श्रमिकों की भागीदारी का अर्थ है —नीति निर्णय लेने में भागीदारी
- \* भिलाई, रांची, आसनसोल तथा दुर्गापुर औद्योगिक कस्बों में से छोटा नागपुर पठार पर स्थित है —रांची
- \* भारत का प्राचीनतम विशाल उद्योग है —सूती कपड़ा
- \* भारत में प्रथम उद्योग जिसका विकास हुआ, वह है —कुटीर उद्योग
- \* यद्यपि कुछ गैस आधारित उद्योग स्थापित किए जा चुके हैं, फिर भी भारत में प्राकृतिक गैस के प्रभूत भंडार अप्रयुक्त पड़े हैं। प्राकृतिक गैस के इन विशाल संसाधनों का उपयोग किया जा सकता है —उर्वरक के उत्पादन में
- \* SAIL, BHEL, ONGC तथा ESSAR OIL में से वह एक जो अन्य जैसा नहीं है —ESSAR OIL
- \* बॉगाईगांव रिफाइनरी, मंगलौर रिफाइनरी, हल्दिया रिफाइनरी तथा एस्सार ऑयल लिमिटेड में से निजी क्षेत्र में है —एस्सार ऑयल लिमिटेड
- \* अब भारत में तेल की कीमतों का निर्धारण होता है —तेल कंपनियों द्वारा
- \* नेपालगंज जाना जाता है —अखबारी कागज उद्योग के लिए
- \* देवास प्रसिद्ध है —करेंसी नोट की छपाई के लिए
- \* किसी उद्योग के स्वरूप और आकार को निर्धारित करते हैं —पूंजी निवेश, व्यवसाय आवर्त तथा बिजली की खपत

- \* सही सुमेलित हैं-  
(विनिर्माण उद्योगों की स्थापना) (वर्ष तथा स्थान)  
प्रथम सूती मिल की स्थापना 1854 बंबई के पास (महाराष्ट्र)  
प्रथम मशीन निर्मित कागज 1832 दिसरा (पश्चिम बंगाल)  
का विनिर्माण  
प्रथम सीमेंट फैक्ट्री की स्थापना 1904 मद्रास के पास (तमिलनाडु)
- \* भारत में सबसे महत्वपूर्ण मत्स्य उद्योग हैं —अपतट में
- \* भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में विनिर्माण, खनन, विद्युत तथा निर्माण में से एक गतिविधि सम्मिलित नहीं है —निर्माण
- \* औद्योगिक उपभोक्ता सूचकांक वर्ष बनाया गया —वर्ष 1982 में
- \* सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों बी.एस.एन.एल., एन.टी.पी.सी., बी.एच.ई.एल. तथा भारतीय स्टेट बैंक में से एक में सरकार की 100% शेयर पूंजी है —बी.एस.एन.एल. में
- \* सही सुमेलित हैं-  
(उद्यम) (औद्योगिक समूह)  
VSNL - टाटा समूह  
मुद्रा विशेष आर्थिक क्षेत्र लिमिटेड - अडानी समूह  
सी.एम.सी.(CMC) लिमिटेड - टाटा समूह  
आई.पी.सी.एल. (IPCL) - रिलायंस समूह
- \* कथन (A) : सूचना प्रौद्योगिकी भारत में बहुत ही तेजी से क्रिया-कलाप का एक अति महत्वपूर्ण विषय क्षेत्र बनती जा रही है।  
कारण (R) : सॉफ्टवेयर देश के महत्वपूर्ण निर्यातों में से एक है और भारत का हार्डवेयर में बहुत सशक्त आधार है।  
—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- \* भारत में प्रथम 'राष्ट्रीय निवेश और विनिर्माण क्षेत्र' (National Investment and Manufacturing Zone) का गठन किए जाने के लिए प्रस्ताव दिया गया था —आंध्र प्रदेश में
- \* कथन (A) : भारतवर्ष में विनिवेश, अर्थव्यवस्था के उदारीकरण की प्रक्रिया का एक समाहित अंग है।  
कारण (R) : इससे प्राप्त आय को राज्य द्वारा घोषित नीति के अनुसार, उपयोग में लाया जा रहा है। —(A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- \* कथन (A) : सरकार कुछ सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों को विनिवेश कर रही है।  
तर्क (R) : सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां पर्याप्त रोजगार के अवसर सृजित नहीं कर पाईं।  
—(A) सही है, किंतु (R) गलत है।
- \* भारत में उदार औद्योगिक नीति अपनाई गई —वर्ष 1991 में
- \* वह वित्तीय वर्ष जिससे सार्वजनिक उद्यमों में विनिवेश आरंभ हुआ —वर्ष 1991-92
- \* ऑयल (OIL) एक उपक्रम है, जो संलग्न है —तेल अनुसंधान में
- \* 1.एम.एम.टी.सी. लिमिटेड भारत का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संगठन है।  
2.नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड की स्थापना एम. एम. टी. सी. ने उड़ीसा सरकार के साथ संयुक्त रूप से की है।  
उपर्युक्त कथनों में से सही है/हैं —कथन 1 और 2 दोनों
- \* कोल इंडिया, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड तथा गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में से नवरत्न में शामिल है —भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
- \* एचएएल (HAL) संबंधित है —वायुयानों के उत्पादन से
- \* 'नवरत्न' का विचार संबंधित है —सार्वजनिक क्षेत्र के चयनित उद्यमों से
- \* केंद्र सरकार के भारी उद्योग एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय द्वारा 'लघु रत्न' श्रेणी I उद्योग को वित्तीय स्वायत्तता दी गई है —अधिकतम 500 करोड़ रुपये तक की
- \* अखिल भारतीय खादी और ग्रामीण बोर्ड की स्थापना की गई थी —प्रथम योजना में
- \* मीरा सेठ समिति का संबंध था —हथकरघा के विकास से
- \* सत्यम समिति संबंधित है —वस्त्र नीति से
- \* असंगठित सेक्टर के उद्योग के लिए गठित राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष थे —अर्जुन सेनगुप्ता
- \* राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम जिसकी स्थापना कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत 1969 में की गई, मदद करता है —औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना करने में, सामाजिक आधारभूत सुविधाएं देने में, परियोजना रिपोर्ट, परियोजना प्रोफाइल एवं प्रबंधकीय सेवाएं प्रदान करने में
- \* भारत में 'जिला खनिज प्रतिष्ठान' (डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशंस) का उद्देश्य है —खनिज कार्य से प्रभावित लोगों के हितों की रक्षा करना
- \* भारत के राज्यों में, राज्य वित्त निगमों ने मुख्य रूप से जिनके विकास के लिए सहायता दी है, वे हैं —मध्यम एवं छोटे पैमाने के उद्योग
- \* वर्तमान में विश्व कपड़ा निर्यात में भारत का स्थान है —द्वितीय

- \* सही सुमेलित हैं-
 

रिलायंस	-	मुकेश अंबानी
एयरटेल	-	सुनील भारती मित्तल
नैनो कार	-	रतन टाटा
विप्रो	-	अजीम प्रेमजी
- \* भारत के सार्वजनिक क्षेत्र में आधारभूत एवं भारी उद्योग हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्योगों में नौकरियों की सुरक्षा है।
 

—दोनों कथन सत्य हैं
- \* भारत सरकार द्वारा आरंभ किए गए मेगा फूड पार्क्स योजना का उद्देश्य है
 

—खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए अवसंरचना (ढांचागत) सुविधाओं में सुधार लाना
- \* भारत सरकार 'मेगा फूड पार्क' की अवधारणा को प्रोत्साहित कर रही है
 

—खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के लिए उत्तम अवसंरचना सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा खराब होने वाले पदार्थों का अधिक मात्रा में प्रसंस्करण करने और अपव्यय घटाने हेतु
- \* भारतीय खाद्य निगम, खनिज एवं धातु व्यापार निगम, खादी व ग्रामोद्योग निगम तथा भारतीय व्यापार मेला प्राधिकरण में से एक भारत की सरकारी क्षेत्र में सबसे बड़ी व्यापारिक संस्था है
 

—खनिज एवं धातु व्यापार निगम
- \* सही सुमेलित हैं-
 

(संगठन का प्रकार)		(महत्वपूर्ण लक्षण)	
एकल व्यापारी		असीमित दायित्व	
साझेदारी		संविदात्मक संबंध	
सहकारिताएं		कमजोर वर्गों की उन्नति	
सार्वजनिक सीमित कंपनी		जोखिम उठाने वालों की बड़ी संख्या	
- \* बी.आई.एफ.आर. संबंधित है
 

—रूग्ण इकाइयों के पुनर्निर्माण एवं वित्तीयन से
- \* भारत में 8 उद्योगों को मूल उद्योगों (Core industries) का दर्जा प्राप्त है। ये आठ मूल उद्योग हैं
 

—कच्चा तेल, पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पाद, प्राकृतिक गैस, उर्वरक, कोयला, विद्युत, सीमेंट तथा तैयार इस्पात।
- \* भारत में पर्यटन और होटल उद्योग के विकास की जिम्मेदारी है
 

—आई.टी.डी.सी. पर
- \* 'वित्तीय उत्प्रेरक' की समुचित व्याख्या है
 

—यह सरकार की गहन निश्चयात्मक कार्यवाही है, जिसका लक्ष्य देश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना है।
- \* विनिर्माण क्षेत्र के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए भारत सरकार की नई नीतिगत पहलें हैं
 

—राष्ट्रीय निवेश तथा विनिर्माण क्षेत्रों की स्थापना, एकल खिड़की मंजूरी (सिंगल विंडो क्लियरेंस) की सुविधा प्रदान करना तथा प्रौद्योगिकी अधिग्रहण तथा विकास कोष की स्थापना आदि
- \* रोजगार की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा उद्योग है
 

—हथकरघा
- \* उत्तर प्रदेश में लघु एवं मध्यम उपक्रमों को, जिसके द्वारा दीर्घकालीन ऋण उपलब्ध कराया जाता है, वे हैं
 

—उ.प्र. लघु उद्योग निगम, उ.प्र. औद्योगिक विकास निगम तथा उ.प्र. वित्तीय निगम द्वारा
- \* औद्योगिक विकास की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक विकसित क्षेत्र हुआ है
 

—पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र
- \* सही सुमेलित हैं-
 

गोस्वामी समिति	-	औद्योगिक रुग्णता की समस्या	
जानकी रमन समिति	-	शेयर घोटाले की जांच पड़ताल	
मल्होत्रा समिति	-	बीमा क्षेत्र में सुधार	
तारापोर समिति	-	बैंकों में पूंजीगत खातों में रुपये की परिवर्तनीयता पर सलाह हेतु ग्राहक सेवा	
- \* सही सुमेलित हैं-
 

(सरकारी नीति)		(वर्ष)	
सूचना तकनीक नीति	-	2000	
खनिज नीति	-	2011	
होटल नीति	-	2006	
औद्योगिक एवं निवेश प्रोत्साहन नीति	-	2010	

## तृतीयक क्षेत्र (सेवाएं)

- \* भारत में तृतीयक क्षेत्र (Tertiary sector) में सम्मिलित है
 

—व्यापार, परिवहन, वित्त एवं वास्तविक (स्थावर) संपदा, परिवहन, संचार और होटल आदि
- \* वानिकी, विनिर्माण, कृषि तथा विपणन में से तृतीयक क्रिया-कलाप है
 

—विपणन
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था का प्राथमिक क्षेत्र है
 

—कृषि
- \* बैंकिंग एवं बीमा, निर्माण, परिवहन तथा संचार में से वह सेवा क्षेत्र जिसकी वृद्धि दर भारत में सर्वाधिक रही है
 

—संचार सेवा क्षेत्र
- \* भारत में सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GDP) का सबसे बड़ा भाग प्राप्त होता है
 

—सेवा क्षेत्र से



- \* वर्तमान (वर्ष 2017-18) में सेवाओं का GVA तथा सकल रोजगार में भागीदारी क्रमशः है —55.2% तथा 30.6%
- \* भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विभिन्न क्षेत्रों के योगदान का सही हासमान क्रम है —सेवा—उद्योग—कृषि
- \* वर्ष 2012 से 2017 तक अवधि में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर का क्रम विश्व में था —दूसरा
- \* वर्ष 1980 से भारत के सकल घरेलू उत्पाद की कुल राशि में तृतीयक क्षेत्र की हिस्सेदारी ने —न घटने की प्रवृत्ति दर्शाई है
- \* वर्ष 2011-2017 के मध्य कृषि, उद्योग तथा सेवा (सर्विसेज) में से एक क्षेत्र की वृद्धि दर निरंतर बढ़ी है —सेवा क्षेत्र की
- \* जैसे-जैसे अर्थव्यवस्था का विकास होता है, वैसे-वैसे जीडीपी में तृतीयक क्षेत्र का अंश —बढ़ता है
- \* संघीय बिक्री कर —अंतरराज्यीय व्यापार तथा केंद्रशासित प्रदेशों पर लगाया जाता है
- \* 'पैन' के प्रारंभ में पांच अंग्रेजी के अक्षर होते हैं, जैसे AFZPK 7190K इसमें P दर्शाता है —व्यक्तिगत
- \* आयकर विभाग द्वारा जारी PAN कार्ड प्रयोग नहीं किया जा सकता है —पते का प्रमाण के रूप में
- \* अक्टूबर, 2015 में 'ई-सहयोग' योजना प्रारंभ की गई थी —आयकर विभाग द्वारा
- \* रेलवे बजट 2016-17 के अनुसार, रेलवे के अंतर्गत स्थापित किया जाएगा —श्रेष्ठ अनुसंधान संगठन
- \* संघीय बजट 2018-19 में अधिकतम धन प्रावधानित किया गया है —ब्याज पर (575795 करोड़ रुपये)

## राजकोषीय नीति एवं राजस्व

- \* भारत में राजकोषीय नीति निर्धारित करता है —वित्त मंत्रालय
- \* भारत में बजट का राजस्व अनुमान तैयार किया जाता है —वित्त मंत्रालय द्वारा
- \* वार्षिक आर्थिक समीक्षा को तैयार करने के लिए उत्तरदायी है —वित्त मंत्रालय
- \* 'बजट' एक लेख-पत्र है —सरकार की राजकोषीय नीति का
- \* भारत में दीर्घकालीन राजकोषीय नीति की घोषणा की गई थी —वी.पी. सिंह द्वारा
- \* सरकारी व्यय को नियंत्रित करने का प्राधिकारी है —वित्त मंत्रालय
- \* धनी अधिक धनी होते जा रहे हैं और निर्धन अधिक निर्धन, यह जानने के लिए आवश्यक है —विविध अवधियों में विविध वर्गों के आय आदाताओं की आय के वितरण की
- \* व्यक्तियों को कर राहत के दृष्टिकोण से राष्ट्रीय बचत-पत्र, सार्वजनिक भविष्य निधि, इंदिरा विकास-पत्र तथा राष्ट्रीय बचत योजना में से एक अन्य से भिन्न है —इंदिरा विकास-पत्र
- \* किसान विकास-पत्र, राष्ट्रीय बचत-पत्र, लोक भविष्य निधि तथा यूनित लिंकड इश्योरेंस योजना में से वह जिस पर कोई आयकर छूट नहीं है —किसान विकास-पत्र पर
- \* भारत में पहली बार 'व्यय कर' लगाने का सुझाव दिया था —कॉल्डॉर ने
- \* व्यय, राजस्व, बैंकिंग विभाग तथा आर्थिक मामलों में से वह एक जो वित्त मंत्रालय का विभाग नहीं है —बैंकिंग विभाग
- \* संघ बजट 2018-19 में पूंजी प्राप्तियां —आयगत प्राप्तियों से कम हैं
- \* आय के तीन सबसे बड़े स्रोत हैं —वस्तु एवं सेवाकर (23%), निगम कर (19%), आयकर (16%)
- \* केंद्रीय सरकार के सकल कर राजस्व के मामले में सही अवरोही क्रम है —वस्तु एवं सेवा कर (23%), निगम कर (19%), आयकर (16%), संघ उत्पाद शुल्क (8%)
- \* सेवा कर, शिक्षा कर, सीमा कर तथा मार्ग कर में से भारत सरकार द्वारा नहीं लिया जाता है —मार्ग कर (Toll Tax)
- \* बजट 2018-19 के अनुसार, भारत में कर राष्ट्रीय उत्पाद अनुपात अनुमानित है, लगभग —12.1 प्रतिशत
- \* केंद्र सरकार के चालू खाते में आय के स्रोत हैं —निगम कर, सार्वजनिक प्रतिष्ठानों से प्राप्त लाभ आदि
- \* भारत में संघीय बजटों में सबसे अधिक होता है —आगम (रेवेन्यू) व्यय
- \* भारत सरकार के पूंजी बजट में शामिल किया जाता है —सड़कों, इमारतों, मशीनरी आदि जैसी परिसंपत्तियों के अधिग्रहण पर व्यय, विदेशी सरकारों से प्राप्त ऋण, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को अनुदत्त ऋण और अग्रिम
- \* गैर-योजना व्यय के अंतर्गत आते हैं —सब्सिडी, ब्याज भुगतान, रक्षा व्यय तथा पिछली योजनाओं में निर्माण आधारिक संरचना का अनुरक्षण व्यय आदि
- \* साल-दर-साल लगातार घाटे का बजट रहा है। घाटे को कम करने के लिए सरकार द्वारा कार्रवाइयां की जा सकती हैं —राजस्व व्यय को घटाकर तथा सहायिकी (सब्सिडी) को युक्तिसंगत बनाकर

- \* केंद्रीय बजट में राजस्व व्यय की सबसे बड़ी मद होती है  
—**व्याज की अदायगी**
- \* हाल के वर्षों में संघीय सरकार के बजट में व्यय का सबसे बड़ा मद रहा है  
—**व्याज की अदायगी**
- \* शासन के संदर्भ में, निम्नलिखित पर विचार कीजिए :  
1. विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अंतर्वाह को प्रोत्साहन देना  
2. उच्च शैक्षिक संस्थानों का निजीकरण करना  
3. अधिकारी तंत्र की डाउनसाइजिंग करना  
4. सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के शेयरों की बिक्री/ऑफलोडिंग  
भारत में राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण पाने के उपायों के रूप में काम आ सकते हैं  
—**3 तथा 4**
- \* वर्ष 2018-2019 के केंद्रीय बजट में राजकोषीय घाटा स्थिर रखा गया है  
—**3.3 प्रतिशत**
- \* वर्ष 2011-12 से 2014-15 के मध्य राजकोषीय घाटा/जी.डी.पी. अनुपात सर्वाधिक रहा है, वित्तीय वर्ष  
—**2011-12 में (5.7%)**
- \* वर्ष 2018-19 में केंद्र सरकार की आगम आय में तट कर तथा उत्पाद कर का योगदान है  
—**12 प्रतिशत**
- \* वर्ष 2018-19 में संघीय सरकार के कर आगम साधनों में सबसे बड़ा स्रोत है  
—**वस्तु एवं सेवा कर**
- \* 2011-12 वित्तीय वर्ष के केंद्र सरकार के बजट में 'अति वरिष्ठ नागरिकों' की एक नई श्रेणी आयकर के उद्देश्य से बनाई गई है। इस श्रेणी में वे व्यक्ति आच्छादित होंगे, जिनकी उम्र होगी  
—**80 वर्ष या इससे अधिक**
- \* अभिकथन (A) : भारत में शून्य आधार बजट प्रवर्तित किया गया है।  
कारण (R) : शून्य आधार बजट तकनीक के अंतर्गत बजट प्रावधान करने से पूर्व प्रत्येक योजना की विवेचनात्मक समीक्षा की जाती है।  
—**(A) और (R) दोनों सही हैं, और (A), (R) की सही व्याख्या है।**
- \* किसी देश में आय का पुनर्वितरण (Redistribution) करने का सर्वोत्तम मार्ग है  
—**प्रगामी व्यय से संयुक्त प्रगामी कराधान**
- \* सामान्य रूप से भारत में प्रति पांच वर्ष बाद वित्त आयोग की नियुक्ति की जाती है  
—**केंद्रीय अनुदान और संघ के राजस्व में राज्यों का अंश निर्धारित करने के लिए**
- \* केंद्र व राज्यों के मध्य वित्त का बंटवारा किया जाता है  
—**वित्त आयोग की सिफारिश पर**
- \* भारत में वित्त आयोग का मुख्य कार्य है  
—**केंद्र तथा राज्यों के बीच राजस्व का वितरण करना**
- \* नवंबर, 2017 को 15वें वित्त आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है  
—**डॉ. एन.के. सिंह को**
- \* चौदहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष थे  
—**डॉ. वाई.वी. रेड्डी**
- \* सही सुमेलित हैं-  
(वित्त आयोग) (अध्यक्ष)  
नवां - एन.पी.के. साल्वे  
दसवां - के.सी. पंत  
ग्यारहवां - ए.एम. खुसरौ  
बारहवां - सी. रंगराजन
- \* योजना आयोग तथा वित्त आयोग के संबंध में सही नहीं है  
—**दोनों द्वारा की गई संस्तुतियां शासन पर बाध्य हैं**
- \* केलकर टास्क फोर्स की सिफारिशों का संबंध है  
—**करों से**
- \* भारतीय आयकर अधिनियम की धारा-88 में उपलब्ध आयकर छूट को समाप्त करने की सिफारिश की है  
—**केलकर समिति ने**
- \* जिस नवीनतम कमेटी ने कर सुधारों पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की है, उसे जाना जाता है  
—**केलकर समिति के नाम से**
- \* पंचायतों हेतु वित्तीयन के लिए सही स्रोत हैं  
—**वित्त आयोग द्वारा स्थानीय निकाय अनुदान, केंद्रीय सहकारी बैंकों से सहायता, केंद्र द्वारा प्रायोजित योजनाओं हेतु आवंटन तथा राज्य वित्त आयोग द्वारा आवंटन**
- \* 14वें वित्त आयोग के अनुसार, वितरण योग्य संसाधनों में से राज्यों को वितरण हेतु प्राप्त होगा  
—**42 प्रतिशत**
- \* तेरहवें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अंतर्गत राज्यों की भागीदारी केंद्रीय करों में न्यूनतम प्रतिशत होगी  
—**32.0 प्रतिशत**
- \* भारत के तेरहवें वित्त आयोग ने केंद्रीय करों की सृजित आय को राज्यों के मध्य बंटवारे की संस्तुति करते समय सर्वाधिक भार दिया  
—**वित्तीय क्षमता अंतराल को**
- \* चौदहवें वित्त आयोग के संदर्भ में सही कथन हैं  
—**इसने केंद्रीय विभाज्य पूल में राज्यों को मिलने वाला हिस्सा 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 42 प्रतिशत कर दिया है।**
- \* इंडीग्रेटेड लो कॉस्ट सेनीटेशन (आईएलसीएस) योजना के संबंध में सही कथन है —**यह व्यवस्था साझेदारी के आधार पर वित्तपोषित है, जिसमें केंद्रीय योगदान 75 प्रतिशत है**
- \* आर्थिक मंदी के संदर्भ में सरकार द्वारा कार्य किए जा सकते हैं —**कर दरों में कटौती करना तथा सरकारी व्यय को बढ़ाना**
- \* संघ सरकार के बजट घाटों का घटता हुआ सही क्रम है  
—**राजकोषीय घाटा > आगम घाटा > प्रारंभिक घाटा**

- \* सही सुमेलित हैं-  
(पद) (व्याख्या)  
राजकोषीय घाटा ऋणादानों को घटाकर कुल प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय की अधिकता  
बजटीय घाटा कुल प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय की अधिकता  
राजस्व घाटा राजस्व प्राप्तियों की तुलना में राजस्व व्यय की अधिकता  
प्राथमिक घाटा ऋणादानों और ब्याज अदायगियों को घटाकर कुल प्राप्तियों की तुलना में कुल व्यय की अधिकता
- \* राजकोषीय घाटे से तात्पर्य है  
—कुल व्यय (राजस्व प्राप्तियां + ऋणों की वसूली + विनिवेश से प्राप्तियां)
- \* यदि सकल राजकोषीय घाटे में से ब्याज भुगतान को निकाल दिया जाए, तो अवशेष को कहा जाएगा —सकल प्राथमिक घाटा
- \* राजकोषीय घाटा है —बजटीय घाटे का योग और सरकार का बाजार ऋण तथा दायित्व
- \* भारत सरकार के बजट के कुल घाटे में सबसे अधिक योगदान है  
—राजकोषीय घाटे (Fiscal deficit) का
- \* यदि प्राथमिक घाटे में ब्याज भुगतान को सम्मिलित कर लिया जाए, तो यह बराबर होता है —राजकोषीय घाटे के
- \* राजस्व घाटे में से पूंजी परिसंपत्तियों के सृजन हेतु अनुदान को घटाने पर हम पाते हैं —प्रभावी राजस्व घाटा
- \* प्रभावी राजस्व घाटा पेश किया गया —केंद्रीय बजट 2011-12 में
- \* बजट के हिसाब-किताब की जांच भारतीय संसद करती है  
—सार्वजनिक लेखा समिति के द्वारा
- \* कथन (A) : राजकोषीय घाटा, बजटीय घाटे से बड़ा होता है।  
कारण (R) : राजकोषीय घाटे का अर्थ है, सरकार द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक से उधार लेकर तथा अन्य देयताओं से लेकर अपने खर्च पूरे करना। —(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A)का सही स्पष्टीकरण है।
- \* सही सुमेलित हैं-  
कैपिटल गेन टैक्स - संपत्ति विक्रय  
सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी - फैक्ट्री निर्मित वस्तु  
कस्टम ड्यूटी - आयात  
कॉर्पोरेट टैक्स - आय
- \* भारतीय राजमार्ग प्राधिकरण के वित्त का प्रमुख स्रोत है —उपकर  
\* आयकर के लगाने, उद्ग्रहण करने और वितरण करने के संबंध में सही कथन है कि —संघ कर लगाता है, उद्ग्रहण करता है और कर प्राप्तियों का स्वयं और राज्यों के बीच वितरण करता है।  
\* भारत में आयकर के संबंध में सही कथन है  
—यह एक प्रगतिशील तथा प्रत्यक्ष कर है  
\* स्टाम्प शुल्क का आरोपण केंद्र करता है, किंतु  
—संग्रह और विनियोजन राज्य करते हैं  
\* कथन (A) : भारत में केंद्र सरकार के बजट में राजकोषीय घाटे का एक इतिहास रहा है।  
कारण (R) : भारतीय कृषि में पाश्चात्य देशों की तुलना में राज सहायता की मात्रा अधिक रही है।  
—(A) सही है, किंतु (R) गलत है।  
\* भारत सरकार के बजट में न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT) का समावेश किया गया था —वर्ष 1996-97 में  
\* 'मोडवेट' संबंधित है —उत्पाद कर से  
\* संशोधित मूल्य वर्धित कर का संबंध है —उत्पाद कर से  
\* 'मूल्य आधारित कर' (वैल्यू ऐडेड टैक्स) की विशेषता है  
—यह बहु-बिंदु लक्ष्य आधारित कर (टैक्सेशन) प्रणाली है, जो उत्पादन/वितरण शृंखला में लेन-देन के हर चरण में हुए मूल्य-संवर्धन पर लगाया जाता है। यह वस्तुओं तथा सेवाओं के अंतिम उपभोग पर लगाया जाता है, जिसका वहन अंततः उपभोक्ताओं को करना पड़ता है।  
\* सेनवैट (CENVAT) का संबंध है —केंद्रीय उत्पादन शुल्क से  
\* सही सुमेलित हैं-  
(समितियां) (अध्यक्ष)  
सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में - सी. रंगराजन  
शेयरों का विनिवेश  
औद्योगिक रूग्णता - ओंकार गोस्वामी  
कर सुधार - आर.जे.चेलैया  
बीमा क्षेत्र में सुधार - आर.एन.मल्होत्रा  
\* संपदा कर भारत में पहली बार लागू किया गया —वर्ष 1957 में  
\* संघीय सरकार के बजटों में राजकोषीय घाटे के बड़े भाग की पूर्ति की जाती है —घरेलू उधारों से  
\* केंद्रीय बजट 2016-17 के अनुसार, 15% का अधिकर देय होगा  
—रु. 1 करोड़ से ऊपर आय होने पर

- \* सेवा कर की वर्तमान दर भारत में है **—15 प्रतिशत**
- \* भारत में सेवा कर प्रारंभ किया गया था **—वर्ष 1994-95 में**
- \* निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
  1. जीएसटी परिषद की अध्यक्षता संघीय वित्त मंत्री करते हैं और केंद्र के राजस्व या वित्त के प्रभारी राज्य मंत्री इसके एक सदस्य हैं।
  2. जीएसटी परिषद कर दर से छूट वाली वस्तुओं के बारे में निर्णय करेगी और नई कर नीति की देहली निर्धारण भी करेगी।
  3. राज्य सरकारों के पास वैट उगाही का विकल्प होगा, यदि वे ऐसा चाहें। उपर्युक्त कथनों में से सही है/हैं **—केवल (1) और (2)**
- \* भारत में जी.एस.टी. (वस्तु एवं सेवा कर) लागू है **—1 जुलाई, 2017 से**
- \* भारत में सबसे पहले मूल्य वर्धित कर लागू हुआ **—हरियाणा में (वर्ष 2005 में)**
- \* राज्य/केंद्रशासित क्षेत्र जिसमें बिक्री कर लागू नहीं है **—अंडमान और निकोबार तथा लक्षद्वीप में**
- \* पेमेंट ऑफ ट्रेड्युटी एक्ट, 1972 के अनुसार, ट्रेड्युटी भुगतान की अधिकतम सीमा है **—रु. 10 लाख**
- \* राष्ट्रीय निवेश निधि जिसमें विनिवेश प्राप्तियां पहुंचती हैं, के संदर्भ में
  1. केंद्रीय वित्त मंत्रालय राष्ट्रीय निवेश निधि की परिसंपत्ति का प्रबंधन करता है।
  2. राष्ट्रीय निवेश निधि, भारत की संचित निधि के अंतर्गत रखी जाती है।
  3. कुछ परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियां, निधि प्रबंधकों के रूप में नियुक्त की जाती हैं।
  4. वार्षिक आय का निश्चित अनुपात चुनिंदा सामाजिक क्षेत्रों का वित्तपोषण करने के लिए प्रयुक्त होता है।
 उपर्युक्त कथनों में से सत्य कथन है/हैं **—3 एवं 4 सत्य हैं**
- \* कथन (A) : हीनार्थ प्रबंधन से मुद्रास्फीति होती है।  
कारण (R) : इससे मुद्रा की आपूर्ति वस्तुओं एवं सेवाओं की तुलना में अधिक हो जाती है।  
**—(A) तथा (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या है।**
- \* घाटे की वित्त व्यवस्था में व्यय और राजस्व का अंतर अतिरिक्त कागजी मुद्रा छापकर पाटते हैं। इस युक्ति का उद्देश्य आर्थिक विकास है। परंतु यदि यह विफल हुई, तो इससे स्थिति उत्पन्न होती है **—मुद्रास्फीति की**
- \* घाटे की वित्तीय व्यवस्था का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ता है **—मुद्रा आपूर्ति में बढ़ोतरी का**
- \* भारत में घाटे की वित्त व्यवस्था उपयोग की जाती है **—आर्थिक विकास के लिए**
- \* भारत में आमदनी पर कर की शुरुआत की थी **—जेम्स विल्सन ने**
- \* वह कर जो खरीददारों के लिए प्रत्यक्ष रूप से वस्तुओं के मूल्यों की वृद्धि नहीं करता **—आयकर**
- \* आयात एवं निर्यात पर लगाए जाने वाले कर को जाना जाता है **—सीमा कर (शुल्क) के रूप में**
- \* आयकर, उत्पादन कर, चुंगी कर तथा बिक्री कर में से प्रत्यक्ष कर है **—आयकर**
- \* उत्पाद शुल्क है, एक **—अप्रत्यक्ष कर**
- \* विक्रय कर, एक्साइज ड्यूटी, कस्टम्स ड्यूटी तथा संपदा कर में से प्रत्यक्ष कर है **—संपदा कर**
- \* बिक्री कर, आमदनी कर, आबकारी कर तथा चुंगी कर में से कौन अप्रत्यक्ष कर है **—बिक्री कर**
- \* विक्रय कर, जिसका भुगतान आप कोई टूथपेस्ट खरीदते समय करते हैं, **—राज्य सरकार द्वारा आरोपित एवं संग्रहित कर है**
- \* अनुषंगी लाभ कर, ब्याज कर तथा प्रतिभूति लेन-देन कर में से प्रत्यक्ष कर है **—तीनों**
- \* भारत में हाल में हुए कर सुधार जिस कमेटी की सिफारिशों पर आधारित थे, उसके अध्यक्ष थे **—आर. जे. चेलैया**
- \* चेलैया समिति का संबंध है **—प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर में सुधार से**
- \* आयकर अधिनियम की धारा 88 के अंतर्गत कर छूटों को समाप्त करने की अनुशंसा की थी **—केलकर कमेटी ने**
- \* भारत में सामूहिक अतिरिक्त लाभ कर, न्यूनतम वैकल्पिक कर, पूंजी लाभ कर तथा कंपनियों के लाभ पर कर से एक का संबंध निगम की आय से नहीं है **—पूंजी लाभ कर**
- \* उपहार कर, मनोरंजन कर, व्यक्तिगत आयकर तथा निगम कर में से वह कर जो केंद्र सरकार नहीं लगाती है **—मनोरंजन कर**
- \* मनोरंजन कर, राज्य उत्पादन शुल्क, कृषि आयकर तथा निगम कर (कॉर्पोरेशन टैक्स) में से राज्य सरकारों द्वारा जो कर नहीं लगाया जाता है, वह है **—निगम कर (कॉर्पोरेशन टैक्स)**
- \* शराब पर उत्पादन कर लगाया जाता है **—राज्य सरकारों द्वारा**
- \* भारत सरकार की राजकोषीय नीति का उद्देश्य है **—पूर्ण रोजगार, मूल्य स्थिरता एवं धन तथा आय का न्यायोचित वितरण**
- \* वर्ष 1929-30 की महान मंदी को सुधारने के लिए, राजकोषीय नीति के उपाय का उपयोग किया था **—प्रो. कीन्स ने**

- \* वित्तीय (फिस्कल) नीति का संबंध है —कर लगाने और शासन के व्यय से संबंधित नीति से
- \* उत्पादन नीति, कर नीति, विदेश नीति तथा ब्याज दर नीति में से वह एक जो राजकोषीय नीति का भाग है —कर नीति
- \* वित्त मंत्रालय द्वारा 'आय की स्वैच्छिक घोषणा योजना, 1997' लागू की गई थी —1 जुलाई, 1997 से
- \* संसद में बजट संबंधित प्रक्रिया के विषय में 'मांग की राशि को घटाकर एक रुपया करना है', को कहा जाता है —नीति कटौती प्रस्ताव
- \* कंपनी कर वह है, जो लगता है —कंपनी की आय पर
- \* सही सुमेलित हैं-
 

<p>(प्रकाशक)</p> <p>उद्योग मंत्रालय - थोक मूल्य सूचकांक</p> <p>केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय - राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी</p> <p>भारतीय रिजर्व बैंक - करेंसी और वित्त संबंधी रिपोर्ट</p> <p>वित्त मंत्रालय - आर्थिक समीक्षा संगठन</p>	<p>(प्रकाशन)</p>
---	------------------
- \* सही सुमेलित हैं-
 

<p>राष्ट्रीय कृषि नीति - 2000</p> <p>समुद्रीय मत्स्य नीति - 2004</p> <p>नवीन विदेशी व्यापार नीति - 2015</p> <p>सातवां वित्तीय आयोग - 1978</p>	
---	--
- \* सही सुमेलित हैं-
 

<p>ओपन-जनरल लाइसेंस - विदेशी व्यापार</p> <p>TRYSEM - रोजगार</p> <p>थोक मूल्य सूचकांक - मुद्रास्फीति</p> <p>नकदी - रिजर्व अनुपात - ऋण नियंत्रण</p>	
---	--
- \* आयकर, सार्वजनिक ऋण, वैट (मूल्य-वर्धित कर) तथा अर्थ-साहायकी (परिदान) में से वह एक जो सार्वजनिक आगम का स्रोत नहीं है —अर्थ-साहायकी (परिदान)
- \* निष्पादक बजट की अवधारणा ली गई है —संयुक्त राज्य अमेरिका से
- \* भारत में बजट घाटे को पूरा करने की तदर्थ ट्रेजरी बिल प्रणाली को समाप्त कर दिया गया —31 मार्च, 1997 को
- \* निंदा प्रस्ताव, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव, कटौती प्रस्ताव तथा स्थगन प्रस्ताव में से जिस एक का संबंध संघीय बजट से है, वह है —कटौती प्रस्ताव
- \* राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम, 2003 जिसे राजस्थान में व्यवस्थापित कर दिया गया है, इस उद्देश्य से कि —सरकार में वित्तीय अनुशासन सुनिश्चित करना है
- \* राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम भारत वर्ष में पारित किया गया था —वर्ष 2003 में
- \* एफ.आर.बी.एम. विधेयक के अनुसार, 2020-21 तक कर-सकल घरेलू उत्पाद अनुपात को लाना है —12.7 प्रतिशत तक
- \* संघ वित्त मंत्री अरुण जेटली ने अक्टूबर, 2016 में यह घोषित किया कि आय घोषणा योजना (आई.डी.एस.), 2016 के अंतर्गत 30 सितंबर, 2016 तक घोषित काला धन है, लगभग —65,250 करोड़ रुपये
- \* बजट अनुमान 2018-19 में विनिवेश से प्राप्ति का अनुमान है —80000 करोड़ रुपये की
- \* विदेशी ऋण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, निजी प्रेषित धन तथा पोर्टफोलियो निवेश में से पूंजीगत लेखा की रचना नहीं करता है —विदेशी ऋण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश तथा पोर्टफोलियो निवेश

## आयोजना

- \* नियोजन आवश्यक है —संतुलित सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए, विकास के लाभ को सम-आचरण द्वारा आगे बढ़ाने के लिए, क्षेत्रीय असंतुलन के दूरीकरण को प्रमुखता देने के लिए तथा उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए
- \* निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
  - A. आर्थिक और सामाजिक योजना को भारत के संविधान की समवर्ती सूची में रखा गया है।
  - B. भारत का संविधान यह विहित करता है कि पंचायतों को आर्थिक विकास एवं सामाजिक न्याय की योजना बनाने का कार्यभार दिया जाना चाहिए। —उपरोक्त दोनों कथन सत्य हैं।
- \* 'गरीबी हटाओ' विषय वस्तु पर आधारित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों को सर्वप्रथम प्रारंभ किया गया था —पांचवां पंचवर्षीय योजना में
- \* विकास केंद्र उपागम अपनाया गया था —चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में
- \* समाज के समाजवादी ढांचे की स्थापना का संकल्प लिया गया था —द्वितीय पंचवर्षीय योजना में
- \* बारहवीं पंचवर्षीय योजना का कार्यकाल था —2012 से 2017
- \* बारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि, वानिकी एवं मत्स्यपालन की वृद्धि दर अनुमानित थी —4.0%
- \* 12वीं पंचवर्षीय योजना में सबसे अधिक धनराशि विनिहित की गई थी—सामाजिक सेवाओं की मद में
- \* बारहवीं पंचवर्षीय योजना का मुख्य उद्देश्य था —तीव्रतर, धारणीय एवं ज्यादा समावेशी विकास

- \* आदेशात्मक और निर्देशात्मक योजना में आधारभूत अंतर है  
—आदेशात्मक योजना में आदेष्टा सोपान बाजार तंत्र का स्थान पूरी तरह से ले लेता है, जबकि निर्देशात्मक योजना में उसे बाजार प्रणाली के कार्यकरण को सुधारने का केवल एक साधन माना जाता है।
- \* ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना का मुख्य भाव था  
—तीव्रतर एवं अधिक सम्मिलित वृद्धि
- \* नीति आयोग के विषय सत्य कथन हैं  
—इसका गठन योजना आयोग के स्थान पर किया गया, इसमें एक पूर्णकालिक अध्यक्ष होता है तथा यह सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर आधारित है।
- \* सही कथन है —वित्त आयोग और योजना आयोग के कार्यों और दायित्वों की परस्पर अतिव्याप्ति नहीं है।
- \* भारतीय नियोजन के इतिहास में 'रोजगार-विहीन वृद्धि का दशक' कहलाने योग्य है —वर्ष 1991-2000
- \* प्रथम पंचवर्षीय योजना की प्राथमिकता थी —कृषि का विकास
- \* सही सुमेलित हैं-
- | (योजना)       | (कार्यक्रम)   |
|---------------|---|
| प्रथम योजना   | - सामुदायिक विकास                                   |
| द्वितीय योजना | - तीव्र औद्योगीकरण                                  |
| तृतीय योजना   | - आधारभूत उद्योगों का प्रसार                        |
| चतुर्थ योजना  | - स्वावलंबन की प्राप्ति एवं स्थिरता के साथ संवृद्धि |
| पंचम योजना    | - न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम                        |
- \* प्रमुख व्यूह रचना के रूप में महिला अंश योजना प्रारंभ की गई थी  
—नवीं पंचवर्षीय योजना में
- \* भारत में मध्य-अर्धशतक (Mid - Fifties) में अपनाए गए महालनोबिस प्लान मॉडल का उद्देश्य था  
—भारी उद्योगों की स्थापना करना, जो पूंजी सघन थे
- \* सही सुमेलित हैं-
- |                        |           |
|------------------------|-----------|
| प्रथम पंचवर्षीय योजना  | - 1951-56 |
| तृतीय पंचवर्षीय योजना  | - 1961-66 |
| चतुर्थ पंचवर्षीय योजना | - 1969-74 |
| छठीं पंचवर्षीय योजना   | - 1980-85 |
- \* 'सामाजिक न्याय एवं समानता के साथ संवृद्धि' पर बल दिया गया था  
—7वीं पंचवर्षीय योजना में
- \* नियोजित विकास मॉडल को भारतवर्ष में लागू किया गया  
—1 अप्रैल, 1951 से
- \* द्वितीय पंचवर्षीय योजना आधारित थी —महालनोबिस मॉडल पर
- \* भारतीय योजना के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :  
A. द्वितीय पंचवर्षीय योजना ने भारी उद्योगों की स्थापना पर बल दिया  
B. तृतीय पंचवर्षीय योजना ने औद्योगीकरण की रणनीति के रूप में आयात प्रतिस्थापन की अवधारणा को प्रारंभ किया।  
—उपरोक्त दोनों कथन सत्य हैं।
- \* राष्ट्रीय विकास परिषद —राष्ट्रीय योजनाओं की समीक्षा करती है।
- \* राष्ट्रीय विकास परिषद मुख्यतः संबद्ध है —भारत में मुख्य विकास योजनाओं के अनुमोदन और मूल्यांकन से
- \* राष्ट्रीय विकास समिति का अध्यक्ष होता है —भारत का प्रधानमंत्री
- \* राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन जिस तिथि को हुआ था, वह थी  
—6 अगस्त, 1952
- \* भारत में 'योजना आयोग' की स्थापना हुई थी —वर्ष 1950 में
- \* भारत सरकार ने नीति (NITI) आयोग की स्थापना की है  
—योजना आयोग का स्थान लेने के लिए
- \* योजना आयोग के स्थान पर 'नीति आयोग' का गठन हुआ  
—1 जनवरी, 2015 को
- \* नीति आयोग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 2014-15 में सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है  
—बिहार (17.06%)
- \* 'नेशनल प्लानिंग कमेटी' का गठन किया था —सुभाषचंद्र बोस ने
- \* वर्ष 1944 में गांधीवादी योजना को प्रतिपादित किया था  
—श्रीमन नारायण अग्रवाल ने
- \* भारतीय पंचवर्षीय योजनाओं का प्रमुख उद्देश्य था  
—स्वावलंबन एवं विदेशी सहायता पर निर्भरता को कम करना
- \* भारत में 'अनवरत योजना' कार्यशील थी —वर्ष 1978-79 में
- \* निर्धारित अवधि से एक वर्ष पूर्व समाप्त होने वाली पंचवर्षीय योजना है  
—पांचवीं पंचवर्षीय योजना
- \* आत्मनिर्भरता और शून्य विदेशी सहायता घोषित किया गया  
—पांचवीं पंचवर्षीय योजना में
- \* पांचवीं पंचवर्षीय योजना का मूल उद्देश्य था —गरीबी हटाओ
- \* पिछड़े देशों के लिए 'रोलिंग प्लान' का सुझाव दिया गया था  
—गुन्नार मिर्डल द्वारा
- \* निम्नलिखित कथनों पर विचार करें  
A. एक वर्ष के लिए योजना है,  
B. 3, 4 या 5 वर्षों के लिए निर्धारित होती है,  
C. अर्थव्यवस्था की आवश्यकतानुसार प्रति वर्ष संशोधित होती है,  
D. 10, 15 अथवा 20 वर्षों के लिए भावी योजना है।  
उपर्युक्त चारों कथन संदर्भित हैं  
—चल योजना (Rolling Plan) के संदर्भ में

- \* राष्ट्रीय नियोजन में 'रोलिंग प्लान' की अवधारणा लागू की गई थी  
—जनता सरकार के द्वारा
- \* आपातकाल लगाया गया था, नए चुनाव हुए थे और जनता पार्टी चुना गई थी  
—पांचवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान
- \* बीस सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम सर्वप्रथम प्रारंभ किया गया था  
—वर्ष 1975 में
- \* योजना में कोर सेक्टर का तात्पर्य है —चयनित आधारभूत उद्योग से
- \* आर्थिक विकास की दर सर्वाधिक थी —दसवीं पंचवर्षीय योजना में
- \* ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में सबसे अधिक रोजगार के अवसर में वृद्धि की आशा की गई थी  
—निर्माण कार्यों में
- \* सही सुमेलित हैं—  
(योजना) वृद्धि (% में)  
छठी योजना - 3.9 %  
सातवीं योजना - 5.7 %  
आठवीं योजना - 3.2 %  
नौवीं योजना - 2.5 %
- \* आर्थिक नियोजन एक विषय है —समवर्ती सूची का
- \* कथन (A) : 'नीचे से ऊपर नियोजन' एक लक्ष्य है जो अभी भी प्राप्त होना है।  
कारण (R) : गांव एक इकाई के रूप में आर्थिक व्यवहार्यता के लिए बहुत उपयुक्त है।  
—(A) और (R) दोनों सही हैं, और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
- \* भारत में योजना के आरंभ से किसी भी पंचवर्षीय योजना में अनाच्छादित कुल वर्षों की संख्या है —7
- \* योजना अवकाश की अवधि का संबंध है —1966-69 से
- \* मानव विकास को सारे विकास प्रयासों का सार तत्व माना गया है  
—आठवीं पंचवर्षीय योजना में
- \* सातवीं योजना में आई.आर.डी.पी. के अंतर्गत रणनीति अपनाई गई थी  
—संपूर्ण परिवार का अंगीकरण
- \* भारत में स्वसंपोषित विकास का उद्देश्य सर्वप्रथम अपनाया गया  
—चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में
- \* आठवीं पंचवर्षीय योजना पूर्ववर्ती योजनाओं से भिन्न है। इस योजना में विशेष महत्वपूर्ण अंतर यह है कि —इस योजना में अद्यः संरचना विकास के लिए पर्याप्त बल दिया गया है
- \* सातवीं पंचवर्षीय योजना का प्रमुख नारा था  
—भोजन, काम और उत्पादकता
- \* भारत में योजना का प्रारंभ वास्तव में द्वितीय पंचवर्षीय योजना से हुआ, इस योजना के वास्तुकार थे  
—पी.सी. महालनोबिस

- \* निम्न को उनके कालक्रमानुसार क्रमबद्ध कीजिए :  
1. प्रथम पंचवर्षीय योजना संसद को दी गई।  
2. राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया।  
3. स्वतंत्र भारत में पहली बार भारतीय मुद्रा का अवमूल्यन किया गया।  
4. भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का सदस्य बना।  
उपर्युक्त कथनों का क्रम है —4, 3, 1, 2
- \* योजना पत्रिका का प्रकाशन होता है —प्रकाशन विभाग द्वारा
- \* 'प्लानिंग एंड द पुअर' पुस्तक के लेखक हैं —बी.एस. मिनहास

## मुद्रा एवं बैंकिंग

- \* एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र स्थापित किया गया है  
—गांधीनगर में
- \* भारत का औद्योगिक वित्त निगम कार्य करता है  
—एक विकास बैंक के रूप में
- \* निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए  
1. भारत का औद्योगिक वित्त निगम  
2. भारत का औद्योगिक ऋणादान और निवेश निगम  
3. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक  
4. यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया  
उपर्युक्त संस्थाओं की स्थापना का क्रम है —1, 2, 4, 3
- \* भारत की निम्नलिखित वित्तीय संस्थाओं पर विचार कीजिए :  
1. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (आईएफसीआई)  
2. भारतीय औद्योगिक प्रत्यय एवं निवेश निगम (आईसीआईसीआई)  
3. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (आईडीबीआई)  
4. राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड)  
उपर्युक्त संस्थाओं की स्थापना का सही कालक्रम है —1, 2, 3, 4
- \* सही सुमेलित हैं—  
(संस्था) (स्थापना वर्ष)  
भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI) - 1948  
भारतीय औद्योगिक साख एवं निवेश निगम (ICICI) - 1955  
भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI) - 1964  
भारतीय निर्यात-आयात बैंक - 1982  
औद्योगिक और वित्तीय पुनर्निमाण बोर्ड - 1987  
भारतीय लघु उद्योग विकास निगम (SIDBI)- 1990
- \* मार्चात, 2017 में भारत में शहरी सहकारी बैंकों की संख्या थी  
—2104



- \* कंपनी अंश (शेयर) पर मर्यादित (Ltd.) होने का अर्थ है  
—धारकों का उत्तरदायित्व सीमित होना
- \* भारत सरकार द्वारा शेयर का पूंजी विनिवेश के लिए रंगराजन समिति की नियुक्ति की गई —वर्ष 1993 में
- \* सरकार की 'संप्रभु स्वर्ण बॉन्ड योजना' (Sovereign Gold Bond Scheme) एवं 'स्वर्ण मुद्राकरण योजना' (Gold Monetization Scheme) का/के उद्देश्य है/हैं  
—भारतीय गृहस्थों के पास निष्क्रिय पड़े स्वर्ण को अर्थव्यवस्था में लाना तथा स्वर्ण-आयात पर भारत की निर्भरता में कमी लाना
- \* भारतीय मुद्रा व्यापार का अंग नहीं है —मुद्रा व्यापार सहयोग निधि
- \* सेंसेक्स, बी.एस.ई., निफ्टी तथा सैप्स में से वह एक जो अप्रासंगिक है —सैप्स
- \* राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना की गई थी  
—छठीं पंचवर्षीय योजना में
- \* नाबार्ड (कृषि एवं ग्रामीण विकास हेतु राष्ट्रीय बैंक) की स्थापना हुई  
—जुलाई, 1982 में
- \* नाबार्ड का मुख्यालय है —मुंबई में
- \* कृषि एवं ग्रामीण विकास क्रियाओं की सभी प्रकार की साख आवश्यकताओं की पूर्ति करने वाली एकमात्र संस्था है —नाबार्ड (NABARD)
- \* नाबार्ड पुनर्वित्त प्रदान करता है —कृषि एवं ग्रामीण विकास के लिए
- \* नाबार्ड, व्यापारिक बैंक, आर.आर.बी. तथा सहकारिता बैंक में से वह जो स्वयं सहायता समूह (एस.एच.जी.) बैंक लिंकेज कार्यक्रम को कार्यान्वित नहीं करता है —नाबार्ड
- \* किसान क्रेडिट कार्ड की स्कीम से आच्छादित है  
—उपभोग साख एवं निवेश साख
- \* किसानों हेतु किसान क्रेडिट कार्ड (के.सी.सी.) योजना लागू की गई  
—वर्ष 1998-1999 में
- \* भारत में 'नाबार्ड' बैंक पुनर्वित्त उपलब्ध कराता है —अनुसूचित व्यापारिक बैंकों क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों तथा राज्य भूमि विकास बैंकों को
- \* 'सिडबी' (SIDBI) की स्थापना की गई है  
—लघुस्तरीय उद्योगों को वित्त प्रदान करने हेतु
- \* प्रथम क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना की गई —वर्ष 1975 में
- \* A. लघु एवं सीमांत कृषकों को साख प्रदान करना,  
B. ग्रामीण क्षेत्रों में सामान्य लोगों को साख प्रदान करना,  
C. अनुसूचित व्यापारिक बैंकों का पूरक होना,  
D. भारतीय कृषि पुनर्वित्त निगम के कार्यों को ले लेना।  
उपर्युक्त में से क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक का कार्य नहीं है  
—भारतीय कृषि पुनर्वित्त निगम के कार्यों को ले लेना
- \* मुद्रा की दशमलव प्रणाली के साथ प्रचलित 'नया पैसा' 'पैसा' हो गया  
—1 जून, 1964 से
- \* भारत में दशमलव मुद्रा प्रणाली शुरू की गई —वर्ष 1957 से
- \* सही सुमेलित हैं-  
डोव जोन्स - न्यूयॉर्क  
हैंग सेंग - हांगकांग  
FTSE-100 - लंदन
- \* S & P 500 संबंधित है —बड़ी कंपनियों के स्टॉक सूचक से
- \* सही सुमेलित हैं-  
जापान - निक्की  
सिंगापुर - एस.टी.आई  
यू.के. - एफ.टी.एस.ई.  
यू.एस.ए. - नास्डाक
- \* भारत के राष्ट्रीय शेयर बाजार का मुख्यालय है —मुंबई में
- \* नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के प्रवर्तक हैं  
—भारतीय स्टेट बैंक, एल.आई.सी. और जी.आई.सी. तथा आई.डी.बी.आई.
- \* 'निक्की' है —टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में अंश मूल्य सूचकांक
- \* संवेदी सूचकांक (Sensex) में चढ़ाव का तात्पर्य है —बंबई शेयर बाजार के साथ पंजीकृत एक कंपनी समूह के शेयरों के मूल्य में समग्र चढ़ाव
- \* 'बी.एस.ई. सेंसेक्स' शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का एक सूचकांक है। इस सूचकांक में जितनी कंपनियों को सम्मिलित किया जाता है, उनकी संख्या है —30
- \* बी.एस.ई. ग्रीनेक्स में कंपनियां सम्मिलित हैं —25
- \* भारत के प्रमुख शेयर बाजारों में सर्वाधिक कारोबार करने वाला बाजार है —राष्ट्रीय शेयर बाजार
- \* भारतीय शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का कारण है  
—विदेशी कोषों का अंतःप्रवाह और बाह्य प्रवाह, विदेशी पूंजी बाजारों में उच्चावचन तथा मौद्रिक नीति के परिवर्तन आदि
- \* 'दलाल स्ट्रीट' स्थित है —मुंबई में
- \* बाजार के अस्तित्व के लिए सबसे अनिवार्य है —कीमते
- \* भारत में आयोग द्वारा विनियमित होता है —जिंस फ्यूचर्स व्यापार
- \* कथन (A) : सभी व्यापारी मूल्य-बढ़ोत्तरी से लाभ कमाते हैं।  
कारण (R) : मूल्य बढ़ोत्तरी के कारण ग्राहक को अपनी आवश्यकताओं में कटौती करनी पड़ती है। —(A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

- \* मुद्रास्फीति के कारण —वस्तुओं का मूल्य बढ़ता है तथा मुद्रा का मूल्य गिरता है
- \* द्रव्य की पूर्ति यथावत रहने पर यदि द्रव्य की मांग में वृद्धि होती है, तो —ब्याज की दर में वृद्धि हो जाएगी
- \* साहूकार, ऋणी, बचत खाता एकाउंट रखने वाले तथा राजकीय पेंशनर में से मुद्रास्फीति से सर्वाधिक लाभ पाता है —ऋणी
- \* मुद्रास्फीति की शून्य दर उस वर्ष में अवश्य मानी जाती है, जब —वर्ष के प्रत्येक सप्ताह में मुद्रास्फीति की वार्षिक दर शून्य रहे
- \* भारत में मुद्रास्फीति दर की माप होती है —उपभोक्ता मूल्य सूचकांक, थोक मूल्य सूचकांक तथा श्रमिकों का जीवन-निर्वाह लागत सूचकांक के आधार पर
- \* भारत में मुद्रास्फीति के प्राक्कलन का सबसे प्रचलित माप है —थोक मूल्य सूचकांक
- \* फिलिप्स वक्र व्यक्त करता है —मुद्रास्फीति एवं बेरोजगारी के संबंध को
- \* अवस्फीति —यह माल तथा सेवाओं के सामान्य कीमत स्तर में आई सतत गिरावट है
- \* स्फीति दर में होने वाली तीव्र वृद्धि का आरोप्य कभी-कभी 'आधार प्रभाव' (Base Effect) पर लगाया जाता है। यह 'आधार प्रभाव' है —विगत वर्ष की कीमतों का स्फीति दर की गणना पर आया प्रभाव है
- \* वर्तमान में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को छोड़कर भारत में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक हैं —21
- \* कीमत सूचकांकों में से केंद्र सरकार के कर्मचारियों की मजदूरी में क्षतिपूर्ति हेतु प्रयोग किया जाता है —औद्योगिक कर्मियों के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक का
- \* भारत में कर्मचारियों के महंगाई भत्ते के निर्धारण का आधार है —उपभोक्ता कीमत सूचकांक
- \* शहरी गैर-श्रम कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक संकलित किया जाता है —केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO) द्वारा
- \* भारत में व्यापारी बैंकों की देनदारियों में सबसे महत्वपूर्ण अंश है —सावधि जमाएं
- \* भारत की विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि में सम्मिलित है —विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा धारित स्वर्ण तथा विशेष आहरण अधिकार (एस.डी.आर.)
- \* भारत का सार्वजनिक क्षेत्र में सबसे बड़ा वाणिज्य बैंक है —स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
- \* भारतीय व्यावसायिक बैंक जिसने सबसे पहले चलती-फिरती ATM सेवा प्रारंभ की —आईसीआईसीआई बैंक
- \* भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन के पद पर कार्यरत हैं —श्री रजनीश कुमार
- \* भारतीय बैंक जिसने चीन में अपनी शाखा सबसे पहले खोली है —भारतीय स्टेट बैंक
- \* 'सिमप्ली क्लिक' क्रेडिट कार्ड योजना प्रारंभ की गई है —एस.बी.आई. द्वारा
- \* निजी भारतीय बैंकों में से जिसने चीन में सर्वप्रथम अपनी शाखा स्थापित की है —एक्सिस बैंक
- \* दीर्घकालीन औद्योगिक वित्तीयन में संलग्न है —आई.सी.आई.सी.आई. (ICICI), आई.डी.बी.आई. (IDBI) तथा आई.एफ.सी.आई. (IFCI)
- \* वह बैंक जो मुख्यतः लघु उद्योगों के संबंध में कार्य करता है —सिडबी (SIDBI)
- \* शब्द बुल (Bull) तथा बियर (Bear) जुड़े हैं —शेयर बाजार से
- \* वित्तीय निवेशों के विशिष्ट व्यवहार में, मंदड़िया (Bear) शब्द द्योतक है —उस निवेशक का, जो यह महसूस करता है कि अमुक प्रतिभूति की कीमत गिरने वाली है।
- \* तेजड़िया, मंदड़िया, दलाल और स्टैग में से वह जो शेयर बाजार में सटोरिया नहीं है —दलाल
- \* इन्साइड ट्रेडिंग संबंधित है —शेयर बाजार से
- \* पूंजी-बाजार से आशय है —शेयर बाजार से
- \* विश्वसनीय प्रतिभूतियों से तात्पर्य है —ऐसे शेयर जिन पर लगातार ऊंची दर का लाभ हो।
- \* जिला साख योजना बनाई जाती है —लीड बैंक के अंतर्गत
- \* लीड बैंक का कार्य किया जाता है —इस कार्य हेतु नामित बैंक द्वारा
- \* लीड बैंक योजना का प्रमुख उद्देश्य है कि —प्रत्येक बैंक सघन विकास के लिए पृथक-पृथक जिलों को अपनाएं
- \* अग्रणी बैंक (लीड बैंक) योजना प्रारंभ हुआ था —दिसंबर, 1969 में
- \* 'गिल्ट-एज्ड' बाजार संबंधित है —सरकारी प्रतिभूतियों के बाजार से
- \* 'स्मार्ट मनी' शब्द का प्रयोग होता है —क्रेडिट कार्ड में
- \* 'प्लास्टिक मनी' कहा जाता है —क्रेडिट कार्ड को
- \* दिल्ली मेट्रो का रेल कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक बटुआ, राष्ट्रीयकृत बैंक का साख-पत्र तथा एयरटेल मुद्रा में से पूर्व भुगतानित भुगतान उपकरण नहीं है —राष्ट्रीयकृत बैंक का साख-पत्र

- \* 'प्रतिच्छाया बैंकिंग' है —गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं द्वारा वित्तीय तथा अन्य गतिविधियों को संपन्न करना
- \* भारत में वित्तीय क्षेत्र के सुधारों में शामिल है —सी.आर.आर. और एस.एल.आर. को कम करना, बीमा क्षेत्र में निजी कंपनियों का प्रवेश तथा ब्याज दर का अविनियमन
- \* वित्त क्षेत्रक सुधार पर नरसिम्हन समिति ने सुझाव दिया —एस.एल.आर. और सी.आर.आर. कम करने का
- \* भारत में वित्तीय क्षेत्रों में सुधार समिति, 2008 के अध्यक्ष थे —रघुराम राजन
- \* ग्रामीण परिवारों को सीधे ऋण —क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और भूमि विकास बैंक प्रदान करते हैं
- \* वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिए जाने वाले लोक-लुभावन ऋण (टीजर लोन) आर्थिक चिंता का विषय हैं, क्योंकि —लोक-लुभावन ऋण (टीजर लोन) अधोमुख ऋणों (सब-प्राइम लेंडिंग) का ही एक रूप समझे जाते हैं तथा बैंकों को यह जोखिम रहता है कि भविष्य में उनके ऋण चुकता न हों।
- \* यदि भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा नकद कोष अनुपात में कमी की जाती है, तो इसका साख सृजन पर प्रभाव होगा —वृद्धि
- \* रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया मुद्रा-निर्गमन करता है —स्वर्ण, विदेशी प्रतिभूति, तथा भारत सरकार की प्रतिभूति के बदले में
- \* भारतीय रिजर्व बैंक ने सूक्ष्म वित्त के अध्ययन तथा उस पर सुझावों हेतु एक समिति का गठन किया था। इसके अध्यक्ष थे —वाई.एच. मालेगाम
- \* 2011 में सूक्ष्म वित्त संस्थाएं (माइक्रो-फाइनेंस इंस्टीट्यूशन) स्थापित किए गए —मालेगाम समिति
- \* नरसिम्हन समिति का संबंध है —बैंकिंग संरचना सुधारों से
- \* भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विमल जालान पैनल गठित किया गया था —नए बैंकों को लाइसेंस देने हेतु आवेदन-पत्रों के सूक्ष्म परीक्षण के लिए
- \* भारत के 'विनिवेश आयोग' का प्रथम अध्यक्ष —जी. वी. रामकृष्ण
- \* निजी क्षेत्र के साझा कोषों को भारत में अनुमति मिली —वर्ष 1993 में
- \* यूनिट स्कीम 1964 चर्चा का विषय रही है, क्योंकि —इसका शुद्ध मूल्य शेयर बाजार में लंबी मंदी के कारण काफी कम हो गया है
- \* वस्तुओं की थोक कीमत सूचकांक श्रेणी को संशोधित करने हेतु कार्यकारी समूह का अध्यक्ष बनाया गया था —अभिजीत सेन को
- \* थोक मूल्य सूचकांक के मापन में सबसे अधिक भार (Weightage) दिया जाता है —विनिर्मित उत्पाद क्षेत्र को
- \* भारत सरकार द्वारा जारी की गई थोक मूल्य सूचकांक (Wholesale Price Index-WPI) की नई श्रृंखला है —2011-12
- \* 'औद्योगिक कर्मकारों के लिए उपभोक्ता कीमत सूचकांक' (कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स नंबर फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स) निकालता है —श्रम ब्यूरो
- \* औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आधार वर्ष है —2011-12
- \* I. यह शीर्ष बैंक है।  
II. यह मुद्रा आपूर्ति को नियमित करता है।  
III. यह व्यापारिक घरानों को ऋण प्रदान करता है।  
IV. यह नाबार्ड के कार्यों का पर्यवेक्षण करता है।  
RBI के संदर्भ में उपर्युक्त कथनों में से सत्य कथन हैं —कथन I, II एवं IV
- \* भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :  
1. वह केंद्र सरकार का बैंकर है।  
2. वह मौद्रिक नीति बनाता है और लागू करता है।  
3. वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के सिलसिले में सरकार के एजेंट के रूप में काम करता है।  
4. वह भारत सरकार के ऋणादान कार्यक्रम को संचालित करता है। —उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं
- \* सामान्य कीमत स्तर में बढ़ोतरी के कारण हैं —द्रव्य की पूर्ति में वृद्धि, उत्पादन के समग्र स्तर में गिरावट तथा प्रभावी मांग में वृद्धि
- \* भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को नियंत्रित करता है —तरलता विनियमन, विलय एवं अधिग्रहण पर नियंत्रण, शाख विस्तार आदि
- \* भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना हुई —वर्ष 1935 में
- \* साख नियंत्रण, अनुसूचित वाणिज्य बैंकों की शिखर संस्था के रूप में, मौद्रिक नीति का निर्माण तथा साख सृजन में से वह एक जो भारतीय रिजर्व बैंक का कार्य नहीं है —साख सृजन करना
- \* करेंसी का नियमन, विदेशी व्यापार का नियमन, साख का नियमन तथा देश के विदेशी विनिमय कोषों की रखवाली एवं प्रबंध में से वह एक जो भारतीय रिजर्व बैंक का कार्य नहीं है—विदेशी व्यापार का नियमन करना
- \* भारत में व्यावसायिक बैंकों द्वारा साख सृजन का नियंत्रण करता है —भारतीय रिजर्व बैंक

- \* भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) बैंकरों के बैंक (केंद्रीय बैंक) के रूप में कार्य करता है, इसका अर्थ है
  - अन्य बैंक RBI के पास अपनी जमा संचित रखते हैं, आवश्यकता के समय RBI वाणिज्यिक बैंकों को ऋण देता है तथा RBI वाणिज्यिक बैंकों को मौद्रिक विषयों पर परामर्श देता है।
- \* भारत का केंद्रीय बैंक है —रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया
- \* बैंकरों का बैंक है —भारतीय रिजर्व बैंक
- \* भारत में विदेशी विनिमय संचय का रख-रखाव किया जाता है
  - भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में 'सांविधिक आरक्षित आवश्यकताओं' का उद्देश्य है
  - केंद्रीय बैंक को, बैंकों द्वारा निर्मित की जा सकने वाली अग्रिम राशियों पर नियंत्रण रखने की सक्षमता प्रदान करना
- \* 'सीमांत स्थायी सुविधा दर' तथा 'निवल मांग और सावधि देयताएं' पदबंध कभी-कभी समाचार में आते रहते हैं। उनका प्रयोग किया जाता है
  - बैंक कार्य के संबंध में
- \* वाणिज्य बैंक सरकार को उधार देता है
  - सांविधिक तरलता अनुपात (स्टैट्यूटरी लिक्विडिटी रेशियो) के माध्यम से
- \* 'कोर बैंकिंग समाधान' (Core Banking Solutions) पद कभी-कभी समाचारों में देखा जाता है। यह है
  - बैंक की शाखाओं का वह तंत्र जो उपभोक्ताओं को अपने खातों का संचालन बैंक की किसी भी शाखा से कर सकने की सुविधा देता है, चाहे उन्होंने अपना खाता कहीं भी खोल रखा हो
- \* जब भारतीय रिजर्व बैंक सांविधिक नकदी अनुपात (स्टैट्यूटरी लिक्विडिटी रेशियो) को 50 आधार अंक (बेसिस प्वाइंट) कम कर देता है, तो संभावना होती है
  - अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक अपने उधार देने की दर को घटा सकते हैं
- \* 'वित्तीय स्थिरता और विकास परिषद्' (Financial Stability and Development Council) के संदर्भ में सत्य कथन हैं
  - संघ का वित्त मंत्री इसका प्रमुख होता है, और अर्थव्यवस्था के समष्टि सविवेक (मैक्रोप्रूडेंशियल) पर्यवेक्षण का अनुवीक्षण (मॉनिटरिंग) करता है।
- \* बैंक दर, सी.आर.आर., पी.एल.आर. तथा एस.एल.आर. में से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निर्धारित नहीं किया जाता है
  - पी.एल.आर. को
- \* बैंकों को अपने रोकड़ शेष और कुल परिसंपत्ति के मध्य एक निश्चित अनुपात रखना पड़ता है। इसे कहते हैं
  - SLR (सांविधिक तरल अनुपात)
- \* मौद्रिक नीति का निर्माण भारत में करता है
  - भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)
- \* भारतीय रिजर्व बैंक के पास विभिन्न व्यावसायिक बैंकों की कुल जमा एवं आरक्षित राशि का निर्धारित भाग कहलाता है
  - नकद आरक्षित अनुपात (CRR)
- \* जब भारतीय रिजर्व बैंक नकदी रिजर्व अनुपात में वृद्धि की घोषणा करता है, तो इसका तात्पर्य है
  - वाणिज्य बैंकों के पास उधार देने के लिए कम मुद्रा होगी
- \* भारतीय रिजर्व बैंक नहीं करता है
  - जम्मू-कश्मीर तथा सिक्किम सरकार के बैंकिंग व्यापार का संचालन
- \* सही सुमेलित हैं-
 

(बैंकों के नाम)	(मुख्यालय की स्थिति)
इलाहाबाद बैंक	- कोलकाता
भारतीय लघु औद्योगिक विकास बैंक	- लखनऊ
इंडियन ओवरसीज बैंक	- चेन्नई
- \* 'राज्य भविष्य निधि' के अंतर्गत सरकार जो मुद्रा पाती है, उसको जमा किया जाता है
  - सार्वजनिक लेखा निधि में
- \* वाणिज्यिक बैंकों में गैर-निष्पादीय परिसंपत्तियों का अर्थ है
  - ऐसे ऋण जिन पर ब्याज तथा मुख्य रकम की वसूली नहीं होती
- \* 1. बाजार ऋणादान, 2. ट्रेजरी बिल्स, 3. भारतीय रिजर्व बैंक को निर्गमित विशेष प्रतिभूतियां
  - उपर्युक्त में से आंतरिक ऋण के घटक हैं —तीनों
- \* जनवरी, 2005 में 'फाइनेंशियल इन्क्लूजन' पर बनाई गई समिति के अध्यक्ष थे
  - सी. रंगराजन
- \* वित्तीय सम्मिलन को प्रोत्साहित किया जा सकता है
  - योग्य लाभार्थियों को 'विशिष्ट साख पत्र' जारी करके, निम्न आय वर्ग के लोगों को 'शून्य' अथवा न्यूनतम अवशेष से बैंकिंग सेवाएं तथा कम आय वाले लोगों को वित्तीय सेवाएं प्रदान करके।
- \* वित्तीय समावेशन की प्रक्रिया की सफलता में बाधक हैं
  - निम्न आय, निरक्षरता तथा बैंक शाखाओं का अभाव आदि

- \* वित्तीय समावेशन पर संस्तुतियां दी गई हैं  
—रंगराजन समिति द्वारा
- \* रंगराजन समिति का गठन किया गया था —बैंकिंग सुधार के लिए
- \* भारतीय रिजर्व बैंक ने भारत में वित्तीय समावेशन हेतु भुगतान बैंक की स्थापना का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इन बैंकों की स्थापना की सिफारिश की है  
—नचिकेत मोर समिति ने
- \* वित्तीय समावेशन का उद्देश्य नहीं है  
—बैंकिंग अधो:संरचना को सिकोड़ना
- \* 'स्वाभिमान' नाम से एक कार्यक्रम प्रारंभ हुआ है। इसका प्रमुख उद्देश्य है  
—ग्रामीण निर्धनों के घरों तक बैंकों को पहुंचाना
- \* भारत में शुरू की गई 'स्वाभिमान योजना' संबंधित है  
—ग्रामीण बैंकिंग से
- \* कभी-कभी समाचारों में आने वाले 'बिटकॉइंस' (Bitcoins) के संदर्भ में सत्य कथन हैं  
—बिटकॉइन के पते वाला कोई भी व्यक्ति, बिटकॉइन के पते वाले किसी अन्य व्यक्ति को बिटकॉइंस भेज सकता है या उससे प्राप्त कर सकता है। इसकी ऑनलाइन अदायगी, दोनों तरफ में से किसी भी तरफ की पहचान जाने बिना की जा सकती है।
- \* सेबी (SEBI), सेल (SAIL), सिडबी (SIDBI) तथा नाबार्ड (NABARD) में विपणन संस्था है  
—सेल (SAIL)
- \* भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना हुई —वर्ष 1956 में
- \* 1. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, 2. अग्रणी बैंक योजना, 3. नाबार्ड तथा 4. भारतीय स्टेट बैंक के स्थापित होने का सही ऐतिहासिक क्रम है  
—4, 2, 1, 3
- \* भारत में सुलभ मुद्रा बनती है  
—जनता के पास करेंसी, बैंकों की मांग जमाराशियों तथा भारतीय रिजर्व बैंक में अन्य जमाराशियों के योग से
- \* 1. बैंकों के पास मांग जमा, 2. बैंकों के पास सावधिक जमा, 3. बैंकों के पास बचत जमा तथा 4. करेंसी उपर्युक्त परिसंपत्तियों का तरलता के घटते हुए क्रम में सही अनुक्रम है  
—4-1-3-2
- \* भारत में मुद्रा गुणक को परिभाषित किया जाता है  
—बृहद मुद्रा/आरक्षित मुद्रा के रूप में
- \* विदेशी मुद्रा जिसमें त्वरित प्रवास की प्रवृत्ति होती है, कहलाती है  
—गर्म मुद्रा (Hot Money)
- \* बजट घाटे के वित्तीयन के लिए नई मुद्रा के सृजन का प्रभाव  
—सर्वाधिक स्फीतिकारी होने की संभावना होती है
- \* भारत में भारतीयों द्वारा 1881 में स्थापित हुआ तथा उनके प्रबंध में चलने वाला सीमित देयता का प्रथम बैंक था —अवध कॉमर्शियल बैंक
- \* भारत सरकार द्वारा बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण की स्थापना की गई थी  
—अप्रैल, 2000 में
- \* सरकार ने बीमा व्यवसाय के नियमन के लिए गठन किया है  
—इंश्योरेंस नियमन एवं विकास प्राधिकरण (IRDA) का
- \* इरडा (IRDA) नियमन करती है  
—बीमा कंपनियों का
- \* आर.एन. मल्होत्रा कमेटी संबंधित है  
—बीमा क्षेत्र से
- \* बीमा कंपनियों का राष्ट्रीयकरण, भारतीय स्टेट बैंक का राष्ट्रीयकरण, बैंकिंग रेग्यूलेशन एक्ट का अधिनियमन तथा पहली पंचवर्षीय योजना लागू करने, में से सर्वप्रथम घटित होने वाली घटना थी  
—बैंकिंग रेग्यूलेशन एक्ट का अधिनियमन
- \* 'एक्चुअरीज' शब्द संबंधित है  
—बीमा से
- \* 'पुनर्क्रय विकल्प' का प्रयोग किया जाता है  
—भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) द्वारा मुद्रा बाजार में साख नियमन के लिए
- \* रेपो दर को नियमित करता है  
—भारतीय रिजर्व बैंक
- \* विदेशी वाणिज्यिक उधारी को नियमित करती है  
—भारतीय रिजर्व बैंक
- \* अल्पकाल में भारतीय रिजर्व बैंक, जिस ब्याज दर पर व्यापारिक बैंकों को उधार देता है, उसे कहा जाता है  
—रेपो दर
- \* वह दर, जिस पर बैंक रिजर्व बैंक को उधार देते हैं, जानी जाती है  
—रिवर्स रेपो दर से
- \* बैंक दर में वृद्धि सामान्यतः इस बात का संकेत है कि  
—केंद्रीय बैंक महंगी मुद्रा नीति का अनुसरण कर रहा है
- \* किसी अर्थव्यवस्था में यदि ब्याज की दर को घटाया जाता है, तो वह  
—अर्थव्यवस्था में निवेश व्यय को बढ़ाएगा
- \* भारत में सहयोग निधियों का नियमन करती है  
—सेबी (SEBI)
- \* सेबी अधिनियम पारित हुआ था  
—वर्ष 1992 में
- \* भारत में शेयर बाजारों के लिए मुख्य नियंत्रक का कार्य करता है  
—भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी)
- \* भारतीय पूंजी बाजार घोटालों की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए भारत सरकार ने नियामक शक्तियां सौंपी है  
—सेबी (SEBI) को
- \* भारतीय रिजर्व बैंक का लेखा वर्ष (Accounting year) है  
—जुलाई-जून
- \* किसी कंपनी के डिबेंचर धारक उसके  
—लेनदार होते हैं
- \* चर आरक्षण अनुपात और खुला बाजार कार्रवाई साधन हैं  
—मुद्रा नीति के

- \* भारत में 'मुद्रा एवं साख' का नियंत्रण किया जाता है  
—भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा
- \* अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति में वृद्धि होगी —केंद्रीय बैंक द्वारा लोगों से सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय करने तथा सरकार द्वारा केंद्रीय बैंक से लिए गए ऋण के परिणामस्वरूप
- \* भारतीय रिजर्व बैंक के ओपेन मार्केट ऑपरेशन से आशय है  
—सिक्वोरिटीज में व्यापार करना
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में 'खुला बाजार प्रचालन' निर्दिष्ट करता है  
—RBI द्वारा सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय और विक्रय को
- \* किसी बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था (एन.बी.एफ.आई.) के बीच अंतर यह है कि  
—बैंक अपने ग्राहकों की पूरी शृंखला के साथ वित्त संबंधी अनेक क्रिया-कलापों में संलग्न होता है, जबकि गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्था का मुख्यतः बड़े उद्यमों की आवधिक ऋण आवश्यकताओं से संबंध होता है।
- \* भारत में गैर-बैंकिंग कंपनियों (NBFCs) के संदर्भ में सत्य कथन है  
—ये बचत खाते की तरह मांग निक्षेप (डिमांड डिपोजिट) स्वीकार नहीं कर सकते।
- \* भारत में बैंकों द्वारा प्राथमिक क्षेत्र ऋणदान से तात्पर्य है  
—कृषि, लघु (माइक्रो) एवं छोटे उद्यम तथा दुर्बल वर्ग को ऋण देने से
- \* भारतीय यूनिट ट्रस्ट के उद्देश्य हैं  
—लोगों की बचत को एकत्र करना, अपनी आय का लाभ लघु विनियोजकों को प्रदान करना तथा धन को इस प्रकार विनियोजित करना जिससे औद्योगिक विकास का संवर्धन हो
- \* भारत में चयनात्मक उधार नियंत्रण का साधन है —न्यूनतम सीमा या मार्जिन निर्धारण, नैतिक दबाव, साख की राशनिंग, उपभोक्ता उधार का नियमन तथा साख स्वीकृतिकरण योजना आदि
- \* भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में मौद्रिक नीति के घटक हैं  
—बैंक-दर, खुली बाजार कार्रवाई (ओपेन मार्केट ऑपरेशन), सीमांत स्थायी सुविधा दर तथा परिवर्तनीय कोष अनुपात आदि
- \* सार्वजनिक वस्तुओं की कीमत निर्धारण हेतु 'छाया कीमतों' की अवधारणा को प्रतिपादित किया था  
—जे. टिनबरगिन ने
- \* भारत सरकार ने देश के 14 बैंकों का पहली बार राष्ट्रीयकरण किया था  
—जुलाई, 1969 में
- \* भारत में वाणिज्यिक बैंकों के कार्यों में शामिल हैं  
—ग्राहकों की ओर से शेयरों एवं प्रतिभूतियों की खरीद और बिक्री तथा वसीयतों के लिए निष्पादक तथा न्यासी के रूप में कार्य करना आदि।
- \* निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :  
1. गोरवाला समिति की संस्तुति के फलस्वरूप भारतीय स्टेट बैंक की स्थापना हुई।  
2. छः वाणिज्यिक बैंकों का राष्ट्रीयकरण 15 अप्रैल, 1980 को हुआ।  
उपरोक्त कथनों में से —दोनों कथन सत्य हैं
- \* मांग पर नियंत्रण, मुद्रा की पूर्ति पर नियंत्रण, ब्याज दर को कम करना तथा वस्तुओं की राशनिंग में से मुद्रास्फीति के नियंत्रण की विधि नहीं है  
—ब्याज दर को कम करना
- \* भारत में मुद्रास्फीति के संदर्भ में सही है  
—घटा हुआ मुद्रा परिचलन (मनी सर्कुलेशन), मुद्रास्फीति के नियंत्रण में सहायता करता है।
- \* किसानों को साख, जनता की जमा (डिपॉजिट), भारतीय रिजर्व बैंक से ऋण, उद्योगों की मांग जमा (डिपॉजिट) में से एक वाणिज्य बैंक की परिसंपत्ति है  
—किसानों को साख
- \* कथन (A) : सरकार के बजट में घाटे का एक बड़ा स्रोत अर्थ साहाय्य है।  
कारण (R) : भारतीय कृषि में विकसित देशों की तुलना में अर्थ साहाय्यों का स्तर बहुत अधिक है।  
—(A) सत्य है, परंतु (R) गलत है।
- \* एकजिम बैंक, आईडीबीआई, नाबार्ड तथा सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में से भारतीय रिजर्व बैंक के नियंत्रण में है  
—सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया
- \* भारत में राष्ट्रीय आवास बैंक एक पूर्ण स्वामित्व वाली समनुषंगी के रूप में स्थापित हुआ  
—भारतीय रिजर्व बैंक के
- \* भारत में भविष्य निधि है  
—संविदा आधारित बचत
- \* भारतीय रिजर्व बैंक के बैंक दर कम करने के फलस्वरूप  
—बाजार की तरलता बढ़ जाती है
- \* बैंक दर, ब्याज की वह दर है जिस पर  
—भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों के बिलों की पुनर्कटौती करता है
- \* बैंक दर से अभिप्राय उस ब्याज दर से है, जो  
—भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा व्यापारिक बैंकों को दिए जाने वाले ऋणों पर ली जाती है
- \* अगस्त, 2018 को भारतीय रिजर्व बैंक की नीति समीक्षा के समय रेपो रेट था  
—6.50%

- \* भारतीय रिजर्व बैंक सभी प्रकार की करेंसी नोटों को जारी करता है  
—कथन सही नहीं है
- \* एक रुपये के नोट पर हस्ताक्षर होता है  
—वित्त मंत्रालय के सचिव का
- \* भारतीय रिजर्व बैंक को — करेंसी नोट छापने का अधिकार प्राप्त है  
—रु. 10,000 तक
- \* रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नोट निर्गमन विभाग को न्यूनतम मूल्य का स्वर्ण अपने स्टॉक में हमेशा रखना चाहिए —115 करोड़ रु. का
- \* भारत में 'मुद्रा संबंधी नोटों की निर्गमन प्रणाली' आधारित है  
—न्यूनतम कोष प्रणाली पर
- \* भारत में सिक्के जारी करने के लिए अधिकृत है  
—रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया
- \* प्रथम भूमि विकास बैंक की स्थापना वर्ष 1920 में हुई थी, यह अवस्थित था  
—झांग (पंजाब) में
- \* भूमि विकास बैंक किसानों को ऋण उपलब्ध कराता है  
—लंबी अवधि के लिए
- \* राज्य सहकारी बैंक, व्यापारिक बैंक, प्राथमिक ऋण समितियां तथा भूमि विकास बैंक में से कृषि हेतु दीर्घकालीन ऋण देता है  
—भूमि विकास बैंक
- \* भूमि विकास बैंक भाग है  
—सहकारी साख संरचना का
- \* केंद्रीय सहकारी बैंकों का कार्यक्षेत्र है  
—जनपद स्तर पर
- \* सहकारी साख समितियों का ढांचा है  
—त्रि-स्तरीय
- \* उपभोक्ता सहकारी भंडार स्थापित किए जाते हैं  
—सदस्यों द्वारा
- \* मुद्रा प्रसार को श्रेष्ठ तरीके से वर्णित किया जा सकता है  
—अर्थव्यवस्था में ऊंची कीमतों का होना
- \* वर्ष 1995-96 में स्थापित ग्रामीण अवस्थापना विकास कोष का हिसाब रखता है —राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक
- \* भारत में निजी बैंक, विकास बैंक, निर्यात-आयात बैंक तथा पेंशन फंड्स में से वह संस्था जिसका महत्व सर्वाधिक कम हुआ है—पेंशन फंड्स का
- \* 'वाणिज्य प्रपत्र' साख का स्रोत है—कॉर्पोरेट (निगम) उद्योग के लिए
- \* लघु अवधि ऋण की अवधि है  
—अधिकतम 15 माह
- \* मूल्य स्थिरता, आर्थिक स्थायित्व, आय एवं परिसंपत्तियों का साम्यिक वितरण तथा विदेशी विनिमय दर स्थिरता में से मौद्रिक नीति का उद्देश्य नहीं है  
—आय एवं परिसंपत्तियों का साम्यिक वितरण
- \* भारत में कागज़ी मुद्रा प्रथम बार शुरू की गई थी —वर्ष 1862 में
- \* अंतरराष्ट्रीय नकदी (लिक्विडिटी) की समस्या संबंधित है  
—डॉलर और अन्य दुर्लभ मुद्राएं (हार्ड करेंसीज) की अनुपलब्धता से
- \* 'काली मुद्रा' है  
—यह अवैध आय है, जिस पर आय कर नहीं दिया गया है
- \* ADR, GDR तथा SDR में से कृत्रिम मुद्रा समझी जाती है—SDR
- \* भारत में बैंकिंग लोकपाल संस्था के संदर्भ में सही कथन नहीं है  
—बैंकिंग लोकपाल द्वारा पारित आदेश अंतिम और संबंधित पक्षों के लिए बाध्यकारी हैं
- \* कृषकों के पास आसानी से पहुंचने के लिए 'किसान क्लब' बनाए हैं  
—भारतीय स्टेट बैंक ने
- \* पंजाब नेशनल बैंक में विलय होने वाला वाणिज्यिक बैंक है  
—न्यू बैंक ऑफ इंडिया
- \* समाचारों में प्रायः आने वाला 'बेसल III (Basel III) समझौता'  
—बैंकिंग क्षेत्रों के, वित्तीय और आर्थिक दबावों का सामना करने के सामर्थ्य को उन्नत करना तथा जोखिम प्रबंधन को उन्नत करने का प्रयास है
- \* बेसल II संबंधित है  
—किसी बैंक की पूंजी की पर्याप्तता के मापन के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों से
- \* विनिमय साध्य विलेख अधिनियम प्रभावकारी हुआ —1882 ई. में
- \* भारत में कार्य संचालन (Operate) कर रहे हैं, विदेशी बैंकों में से सबसे अधिक शाखाएं हैं  
—स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की
- \* सही सुमेलित हैं-  
ए. बी. एन. एमरो बैंक - नीदरलैंड्स  
बारक्लेज बैंक - लंदन (यू. के.)  
कूकमिन बैंक - द. कोरिया
- \* प्रतिभूति घोटाले से बंद हुआ —बैंक ऑफ कराड
- \* किसी मुद्रा का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य निर्धारित होता है  
—संबंधित देश द्वारा प्रदत्त वस्तुओं/सेवाओं की मांग तथा संबंधित देश की सरकार की स्थिरता से
- \* भूटान, मलेशिया, मालदीव तथा सेशेल्स देशों में से वह एक जिसकी मुद्रा रुपया है —सेशेल्स
- \* बांग्लादेश की मुद्रा है —टका
- \* चीन की मुद्रा है —युआन (रेमिनबी)
- \* सही सुमेलित हैं-  
(मुद्रा) (देश)  
रिंगिट - मलेशिया  
बहत - थाईलैंड  
रुपियाह - इंडोनेशिया  
वॉन - दक्षिण कोरिया



- \* सही सुमेलित हैं—  
(देश) (मुद्रा)  
मेक्सिको - पेसो  
ऑस्ट्रिया - शिलिंग (वर्तमान में यूरो)  
जापान - येन  
सऊदी अरब - रियाल
- \* भारत में ट्रेजरी बिल बेचे जाते हैं —भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा
- \* भारत में क्रेडिट रेटिंग एजेंसी है —क्रिसिल, केयर तथा इक्रा
- \* पूंजीगत लाभ से तात्पर्य है  
—किसी वस्तु या संपत्ति के मूल्य में प्राकृतिक रूप से वृद्धि होने या उसकी लोकप्रियता बढ़ने के कारण उसके मूल्य में होने वाली वृद्धि
- \* भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा सी.आर.आर. में वृद्धि से  
—अर्थव्यवस्था में मौद्रिक तरलता में कमी आती है।

## B. सामाजिक विकास

### मानव विकास

- \* भारतीय सामाजिक संरचना के मुख्य लक्षण हैं —ग्रामीण जनसंख्या, विभिन्न धर्म, जाति, संस्कृति तथा लिंगानुपात आदि
- \* भारत के मानव विकास प्रतिवेदनों का प्रकाशन सर्वप्रथम किया था  
—मध्य प्रदेश ने
- \* प्रथम भारतीय राज्य जिसने मानव विकास रिपोर्ट तैयार करवाई और अमर्त्य कुमार सेन से दिल्ली में विमोचन कराया —मध्य प्रदेश ने
- \* मानव विकास सूचकांक एक संयुक्त सूचकांक है  
—जीवन प्रत्याशा, शैक्षिक उपलब्धि एवं प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद का
- \* भारतीय मानव विकास प्रतिवेदन प्रत्येक प्रतिदर्श गांव (Sample Village) के लिए देता है —आधारिक संरचना, सुख-साधन शिक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधित सूचकांक
- \* कथन (A) : मानव विकास सूचकांक की दृष्टि से केरल का प्रथम स्थान है।  
कारण (R) : इसकी बेरोजगारी दर देश में उच्चतम है।  
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- \* संयुक्त राष्ट्र मानव विकास सूचकांक विकसित किया गया है  
—महबूब-उल-हक द्वारा

- \* विकास के मानवीय पक्ष पर सबसे पहले ध्यान केंद्रित किया  
—संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम ने
- \* यू.एन.डी.पी. का बहुआयामी निर्धनता सूचकांक बना है  
—दस प्रत्ययों (Indicators) से
- \* मानव विकास सूचकांक के अंतर्गत आते हैं, साक्षरता दर, जन्म के समय आयु संभावितता तथा  
—वास्तविक क्रय शक्ति पर प्रति व्यक्ति सकल देशी उत्पादन
- \* मानव विकास सूचकांक (ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स) में शामिल नहीं है  
—सामाजिक असमानता
- \* स्वास्थ्य एवं पोषण, प्रति व्यक्ति आय, जन्म के साथ जीवन प्रत्याशा तथा सकल नाम निवेश (एनरोलमेंट) दर में से मानव विकास सूचकांक का एक भाग नहीं है  
—सकल नाम निवेश (एनरोलमेंट) दर
- \* मानव निर्धनता सूचकांक मानव विकास रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया था  
—वर्ष 1997 की रिपोर्ट में
- \* मानवीय गरीबी सूचकांक विकसित किया गया —वर्ष 1997 में
- \* वयस्क शिक्षा जितनी ही अधिक होगी, शिशु मृत्यु दर उतनी ही कम होगी  
—यह कथन असत्य है
- \* सकल राष्ट्रीय सुख को प्रगति का सूचक चुना है —भूटान ने
- \* दक्षिण एशिया का वह देश जिसने 'सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता' को अपने नागरिकों की 'कुशल क्षेम' को सूचकांक के रूप में माना है —भूटान ने
- \* निम्नलिखित पर विचार कीजिए :  
1. शिक्षा का अधिकार, 2. समानता के साथ सार्वजनिक सेवा प्राप्त करने का अधिकार तथा 3. भोजन का अधिकार में से 'मानव अधिकारों के अंतर्गत आते हैं  
—उपर्युक्त तीनों
- \* हरित सूचकांक (ग्रीन इंडेक्स) विकसित किया गया था  
—विश्व बैंक का पर्यावरणीय एवं सामाजिक सुस्थिर विकास प्रभाग द्वारा
- \* दिसंबर, 2013 में जारी शैक्षिक विकास सूचकांक 2012-13 के तहत शीर्ष पांच स्थान प्राप्तकर्ता राज्य/केंद्रशासित प्रदेश हैं  
—पुडुचेरी, लक्षद्वीप, सिक्किम, हिमाचल प्रदेश एवं कर्नाटक

## रोजगार एवं कल्याण योजनाएं

- \* बेरोजगारी समस्या से गरीबी बढ़ती है, क्योंकि  
—गरीबी रेखा से नीचे रहने वालों की संख्या बढ़ती है
- \* भारत में शिक्षित बेरोजगार का प्रतिशत सर्वाधिक है —केरल में
- \* कथन (A) : विकास की जंची दर के साथ शिक्षित बेरोजगारी बढ़ती है।  
कारण (R) : यह तब ही होता है, जब व्यावसायिक शिक्षा की कमी होती है।  
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।

- \* कथन (A) : शहरी गरीबी की जड़ ग्रामीण क्षेत्रों में होती है।  
कारण (R) : ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर निम्न होता है।  
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं  
और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
- \* बंधुआ मजदूर (उन्मूलन) अधिनियम स्थापित किया गया  
—वर्ष 1975 में
- \* 'बंधुआ मजदूरी पर रोक अधिनियम' पास हुआ था —वर्ष 1976 में
- \* भारत में अधिकांशतः बेरोजगारी है —संरचनात्मक
- \* छिपी बेरोजगारी से तात्पर्य है —ऐसा कार्य जिसको कम व्यक्ति भी कर सकते हैं, में अधिक व्यक्तियों का लगे रहना।
- \* प्रच्छन्न बेरोजगारी का सामान्यतः अर्थ होता है कि  
—श्रमिक की सीमांत उत्पादकता शून्य है
- \* भारत में छिपी हुई बेरोजगारी लक्षण है, मुख्यतया—प्राथमिक क्षेत्र का
- \* भारत में प्रच्छन्न बेरोजगारी पाई जाती है —कृषि क्षेत्र में
- \* भारत में बेरोजगारी मापन की विधियों में से एन.एस.एस.ओ. द्वारा प्रयोग में नहीं लाई जाती है —चालू मासिक स्तर विधि
- \* भारत में एन.एस.एस.ओ. द्वारा बेरोजगारी के आकलन के लिए प्रयुक्त की जा रही है —चालू दैनिक प्रास्थिति, चालू साप्ताहिक प्रास्थिति तथा सामान्य प्रधान प्रास्थिति
- \* भारत में बेरोजगारी के आंकड़े एकत्रित एवं प्रकाशित करता है —एन.एस.एस.ओ.
- \* विनिर्माण, निर्माण, वित्तीय सेवाएं तथा मिश्रित खेती में से क्षेत्रक की वृद्धि दर की रोजगार प्रत्यास्थता बहुत कम है —विनिर्माण क्षेत्र की
- \* 'कौशल विकास पहल' क्रियाशील हुआ है —मई, 2007 में
- \* 'अपना गांव, अपना काम' योजना प्रारंभ की गई  
—1 जनवरी, 1991 को
- \* 'अपना गांव, अपना काम' योजना का उद्देश्य है  
—गांव में प्रत्येक के लिए रोजगार उत्पन्न कर गरीबी दूर करना
- \* प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के संदर्भ में  
A. योजना में निर्धनता रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले (बीपीएल) परिवारों की महिलाओं को निःशुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन प्रदान करती है।  
B. योजना के अंतर्गत रु. 8000 करोड़ का प्रावधान रखा गया है।  
C. योजना के अंतर्गत प्रत्येक एलपीजी गैस कनेक्शन पर बीपीएल परिवार को रु. 2,800 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।  
D. योजना देश भर में 5 करोड़ बीपीएल परिवारों को लाभ पहुंचाएगी।  
उपर्युक्त कथनों में से —कथन A, B तथा D सत्य हैं
- \* 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना को भारत में प्रारंभ किया गया  
—जनवरी, 2015 में
- \* 01 जून, 2015 से लागू प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के बारे में सत्य कथन हैं  
—यह एक निजी दुर्घटना प्रतिपूर्ति योजना है, जो 18 से 70 वर्ष के बीच किसी भी व्यक्ति के लिए उपलब्ध है तथा इसकी वार्षिक बीमा किस्त की देय राशि रु. 12 है
- \* 'प्रधानमंत्री जन-धन योजना' प्रारंभ की गई है  
—देश में वित्तीय समावेशन (फाइनेंशियल इंकलूजन) को प्रोत्साहित करने हेतु
- \* 'प्रधानमंत्री जन-धन योजना' आरंभ की गई —28 अगस्त, 2014 में
- \* पहल (PAHAL) योजना के संदर्भ में सही कथन हैं  
—यह जैम (JAM- जनधन, आधार तथा मोबाइल) का प्रथम प्रकार है। इसके तहत डीबीटी (DBT) के माध्यम से एलपीजी (LPG) अनुदान को हस्तांतरण सीधे उपभोक्ताओं के बैंक खाते में होता है।  
का प्रथम प्रकार है तथा उपभोक्ताओं के बैंक खातों में होता है
- \* नियोजन गारंटी योजना नामक ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम सर्वप्रथम आरंभ किया गया —महाराष्ट्र में
- \* रोजगार गारंटी योजना ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार प्रत्याभूत करने के लिए वित्तीय सहायता देने का विचार करती है —गरीबी रेखा के नीचे रहने वाले ग्रामीण परिवार के कम से कम एक पुरुष और एक महिला को
- \* भारतीय समाज में तीव्र सामाजिक परिवर्तन के लिए उत्तरदायी है  
—आधुनिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक नियोजन तथा जनसंख्या वृद्धि
- \* तीव्र जनसंख्या वृद्धि, कौशल का अभाव, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि तथा जनशक्ति नियोजन का अभाव में से एक बेरोजगारी के लिए उत्तरदायी नहीं है —प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि
- \* 'कुरुक्षेत्र' के बारे में सत्य है  
—यह ग्रामीण विकास हेतु एक अग्रणी पुस्तिका है
- \* TRYSEM, CRY, JRY तथा IRDP में से कोई एक स्कीम 'ग्रामीण विकास' के लिए नहीं है —CRY
- \* ई.ए.एस. (EAS), ट्राईसेम (TRYSEM), जे.आर.वाई. (JRY) तथा आर.एल.ई.जी.पी. (RLEGP) योजनाओं को लागू करने का सही कालानुक्रमिक क्रम है —ट्राईसेम (1979), आर.एल.ई.जी.पी. (1983), जे.आर.वाई. (1989) तथा ई.ए.एस. (1993)
- \* ट्राईसेम एक कार्यक्रम है —ग्रामीण विकास का

- \* आर.एल.ई.जी.पी., आई.आर.डी.पी., एन.आर.ई.पी. तथा एम.आर.टी.पी. में से निर्धनता विरोधी कार्यक्रम नहीं है  
—एम.आर.टी.पी.
- \* ग्रामीण जलापूर्ति, ग्रामीण सड़कें, ग्रामीण विद्युतीकरण तथा ग्रामीण उद्योग में से एक कार्यक्रम ग्रामीण अवस्थापना विकास कोष (RIDF) के अंतर्गत नहीं आता  
—ग्रामीण उद्योग
- \* ग्रामीण अवस्थापना विकास कोष के अर्थ प्रबंध को संचालित करती है  
—नाबार्ड
- \* वह राज्य जिसने 'अटल खाद्यान्न योजना' प्रारंभ की —उत्तराखंड ने
- \* 'अटल पेंशन योजना' के संबंध में सत्य कथन हैं  
—यह एक न्यूनतम गारंटीड पेंशन योजना है, जो मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र के मजदूरों को लक्ष्य बनाता है, साथ ही इसमें अभिदाता (सब्सक्राइबर) की मृत्यु के पश्चात जीवन साथी को आजीवन पेंशन की समान राशि सुनिश्चित रहती है
- \* 11 अक्टूबर, 2014 को लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जन्म दिवस की वर्षगांठ पर प्रारंभ किया गया  
—सांसद आदर्श ग्राम योजना कार्यक्रम
- \* निर्मल ग्राम पुरस्कार योजना का उद्देश्य है  
—शौच स्वच्छता
- \* 'गोकुल ग्राम योजना' संबंधित है  
—गुजरात से
- \* 'DWCRA' योजना संबंधित है  
—गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली महिला सदस्यों को ऊपर उठाना
- \* सही सुमेलित हैं-  
(भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाएं) (उनका सारतत्व)
- नई रोशनी कार्यक्रम - महिला सशक्तीकरण
- दिशा सूचना प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण
- प्रधानमंत्री जन-धन योजना - वित्तीय समावेशन
- स्वावलंबन योजना - नई पेंशन प्रणाली
- \* लड़कियों के लिए 'भाग्यश्री' योजना प्रारंभ किया —महाराष्ट्र ने
- \* राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना प्रारंभ की गई  
—श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा
- \* हथकरघा क्षेत्र में 'राजीव गांधी शिल्पी स्वास्थ्य बीमा योजना' प्रारंभ की गई  
—कपड़ा मंत्रालय द्वारा
- \* 'स्वावलंबन योजना' प्रारंभ की गई थी  
—वर्ष 2010 में
- \* महिलाओं को पारंपरिक और अपारंपरिक व्यवसायों में प्रशिक्षण और कौशल प्रदान करवाने वाली योजना का नाम है —स्वावलंबन योजना
- \* 'असंगठित श्रमिक सामाजिक सुरक्षा अधिनियम' पारित हुआ  
—वर्ष 2008 में
- \* 'स्वाधार' योजना है —कठिन परिस्थितियों में महिलाओं के लिए
- \* 1 मई, 2016 को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना प्रारंभ की गई  
—उत्तर प्रदेश के बलिया जिले से
- \* भारत सरकार द्वारा चलाया गया 'मिशन इंद्रधनुष' संबंधित है  
—बच्चों और गर्भवती महिलाओं के प्रतिरक्षण से
- \* गर्भवती महिलाओं और शिशुओं को मुफ्त स्वास्थ्य देख-रेख की सुविधा प्रदान करने के लिए भारत सरकार द्वारा जून, 2011 में प्रवर्तित महत्वाकांक्षी योजना का नाम है —जननी-शिशु सुरक्षा कार्यक्रम
- \* भारत निर्माण में कार्यों की मदें सम्मिलित हैं  
—सिंचाई से त्वरित गति से लाभ देने वाले प्रोग्राम, नदी परियोजनाओं की इंटरलिंगिंग तथा जल 'बॉडीज' (Water bodies) की मरम्मत, पुनरुद्धार तथा जीर्णोद्धार की योजना
- \* 2005-06 में प्रारंभ की गई 'भारत निर्माण' योजना में सम्मिलित है  
—ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत, सड़क, पेयजल, दूरसंचार, सिंचाई एवं निर्धन आवासों का निर्माण
- \* भारत निर्माण योजना का संबंध है  
—अवस्थापना विकास से
- \* 'भारत निर्माण' विकसित करने का कार्यक्रम है  
—भारतीय ग्रामीण जीवन को
- \* भारत निर्माण कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं है —सर्व शिक्षा अभियान
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम एक हिस्सा है —भारत निर्माण का
- \* अटल नदीकरण एवं शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) में मुख्य रूप से जोर दिया गया है  
—जलापूर्ति, सीवरेज सुविधाएं, सार्वजनिक यातायात सुविधाएं, पार्क एवं मनोरंजन केंद्रों का निर्माण मुख्यतया बच्चों के लिए तथा जल प्लावन को रोकने हेतु बाढ़ के पानी का निर्गम
- \* अटल शहरी पुनरुद्धार एवं परिवर्तन मिशन (अमृत) का संबंध पुनः चमकाने से है  
—शहरी अवस्थापना को
- \* 'एक रुपये में एक किग्रा. चावल' योजना शुरू की है —तमिलनाडु ने
- \* 'स्वच्छ भारत' कार्यक्रम हेतु केंद्र सरकार ने 6 नवंबर, 2015 को उपकर लगाया है। इस उपकर की दर है 0.50 प्रतिशत
- \* संगम योजना का उद्देश्य है  
—विकलांगों की सहायता
- \* 'संकल्प' परियोजना जुड़ी है, —एच.आई.वी./एड्स के समापन से
- \* राष्ट्रीय बाल कोष की स्थापना की गई  
—वर्ष 1979 में
- \* जवाहर रोजगार योजना आरंभ की गई —सातवीं पंचवर्षीय योजना में
- \* जवाहर रोजगार योजना के विषय में सही कथन है  
—इस योजना के अधीन जनित रोजगार का 30% स्त्रियों के लिए आरक्षित है।

- \* जवाहर रोजगार योजना का उद्देश्य है —ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं, बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध कराना तथा ग्रामीण सामाजिक और आर्थिक ढांचे को सुदृढ़ करना।
- \* जवाहर रोजगार योजना का मुख्य बल है —ग्रामीण क्षेत्रों में मजदूरी परक रोजगार के अतिरिक्त अवसरों के सृजन पर
- \* भारत के समतल प्रदेश में स्थित गांव प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत आते हैं। यदि उस गांव की जनसंख्या हो —500
- \* प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के उद्देश्य हैं —गांवों को मुख्य सड़क से जोड़ना तथा पक्की सड़क बनाना
- 94. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना है —सामुदायिक जीवन का विकास करने हेतु, उन गांवों में जो सड़क से भली-भांति संबद्ध नहीं हैं
- \* 'प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना' का ध्येय है —ग्रामीण आवश्यकताओं की पूर्ति, जैसे कि प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य रक्षण, पेयजल, आवास, ग्रामीण सड़कें आदि।
- \* दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना प्रारंभ की गई है —ग्रामीण क्षेत्र में कृषि और गैर-कृषि उपभोक्ताओं को विवेकपूर्ण तरीके से विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराने हेतु
- \* स्वर्ण जयंती ग्राम स्व-रोजगार योजना में सम्मिलित किया गया है —आई.आर.डी.पी., ट्राइसेम तथा दवाकरा (DWCRA) को
- \* स्वर्ण जयंती स्व-रोजगार योजना का स्थापना वर्ष है —1999
- \* जून, 2011 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के रूप में प्रवर्तित किया गया है —स्वर्ण जयंती ग्राम स्व-रोजगार योजना को
- \* MGNREGA, NRLM, RMSA, तथा STEP में से कौन-सा कार्यक्रम रोजगार से संबंधित नहीं है —RMSA
- \* महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम पारित हुआ था —वर्ष 2005 में
- \* 'राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन' ग्रामीण क्षेत्रीय निर्धनों के आजीविका विकल्पों को सुधारने का प्रयास करता है —'स्वयं सहायता समूहों' को सशक्त बनाकर और कौशल विकास की सुविधाएं प्रदान करके
- \* सही सुमेलित हैं-
 

कृषि श्रमिक सामाजिक सुरक्षा योजना	-	2001
स्वर्ण जयंती ग्राम स्व-रोजगार योजना	-	1999
रोजगार गारंटी योजना	-	2006
प्रधानमंत्री ग्रामोदय योजना	-	2000
- \* सही सुमेलित हैं-
 

सर्व शिक्षा अभियान	-	2001
साक्षर भारत मिशन	-	2009
ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड	-	1987
राष्ट्रीय साक्षरता मिशन	-	1988
- \* सही सुमेलित हैं-
 

(कार्यक्रम)	(शुरू करने का वर्ष)
स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना	- 1999
स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना	- 1997
जवाहर रोजगार योजना	- 1989
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन	- 2005
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम अन्य रोजगार कार्यक्रमों से अलग है, क्योंकि —यह रोजगार की एक योजना न होकर कानूनी व्यवस्था है।
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्यक्रम के अंतर्गत, एक वर्ष में जितने दिन के लिए रोजगार की गारंटी दी गई है, उनकी संख्या है —100 दिन
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (NREGS) प्रारंभ में 200 जनपदों में शुरू की गई थी। वर्ष 2007-08 के बजट में इसके विस्तार का प्रस्ताव था —330 जनपदों में
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को प्रारंभ में लागू किया गया —200 जिलों में
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना समूचे देश में लागू की गई —1-4-2008 से
- \* नरेगा (NREGA) को मनरेगा (MNREGA) नाम दिया गया —2 अक्टूबर, 2009 को
- \* नरेगा (NREGA) के संबंध में जो असत्य है —सरकार के अन्य कार्यक्रमों की भांति इस कार्यक्रम में भी पारदर्शिता एवं जवाबदेही संभव नहीं है
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (नरेगा) नहीं करता है —प्रत्येक ग्रामीण परिवार के हर एक वयस्क को एक वर्ष में 100 दिन रोजगार की गारंटी
- \* आम आदमी बीमा योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना, स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना तथा असंगठित वर्कर्स सामाजिक सुरक्षा अधिनियम में से एक सामाजिक संरक्षण कार्यक्रम नहीं है —स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना

- \* मध्याह्न भोजन योजना, सर्व शिक्षा अभियान, लुक ईस्ट नीति तथा ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन कार्यक्रमों में से भारत सरकार का सामाजिक विकास कार्यक्रम नहीं है  
—लुक ईस्ट नीति
- \* स्वर्ण जयंती शहरी रोजगार योजना जो 1-12-1997 से लागू हुई, का उद्देश्य है  
—शहरी बेरोजगारी अथवा अल्प रोजगार गरीबों को लाभकारी रोजगार उपलब्ध कराना है
- \* सही सुमेलित हैं-
 

औद्योगिक वित्त	- सिडबी
सामाजिक सुरक्षा उपाय	- भारत निर्माण
ग्रामीण साख	- नाबार्ड
शहरी रोजगार	- एस.जे.एस. आर. वाई.
- \* भारत में सामुदायिक विकास कार्यक्रम आरंभ हुआ  
—2 अक्टूबर, 1952 को
- \* सामुदायिक विकास कार्यक्रम (जिसे 2 अक्टूबर, 1952 से प्रारंभ किया गया) ने रास्ता तैयार किया  
—अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विकास का
- \* भारत में सामुदायिक विकास के मुख्य निर्माता कहलाते हैं  
—एस.के. डे
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान स्थित है  
—हैदराबाद में
- \* आश्रय बीमा योजना का उद्देश्य है  
—ऐसे कामगारों को जो बेरोजगार हो गए हों, सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराना
- \* 'कर्मचारी राज्य बीमा योजना' के अंतर्गत 'सामाजिक सुरक्षा' कवच प्राप्त कर सकते हैं  
—होटल तथा रेस्तरां, मोटर परिवहन उद्योग, समाचार-पत्र प्रतिष्ठान तथा निजी चिकित्सा संस्थान के कर्मचारी
- \* आम भारतीय बीमा योजना सामाजिक सुरक्षा प्रदान करती है  
—ग्रामीण क्षेत्र में निर्धनता की रेखा से नीचे रहने वाले सभी भूमिहीन श्रमिकों को
- \* आम आदमी बीमा योजना (ए.ए.बी.वाई.) को प्रारंभ किया गया  
—2 अक्टूबर, 2007 को
- \* प्रस्तावित जननी सुरक्षा स्कीम प्रतिस्थापित करेगी  
—राष्ट्रीय मातृत्व लाभ परियोजना को
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के संदर्भ में, प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता, 'आशा' (ASHA) के कार्य हैं-  
—स्त्रियों को प्रसव-पूर्व देखभाल जांच के लिए स्वास्थ्य सुविधा केंद्र तक साथ ले जाना, गर्भावस्था के प्रारंभिक संसूचन के लिए गर्भावस्था परीक्षण किट का प्रयोग करना तथा पोषण एवं प्रतिरक्षण के विषय में सूचना देना
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन का शुभारंभ हुआ था  
—12 अप्रैल, 2005 को
- \* राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन शुरू किया गया  
—दसवीं पंचवर्षीय योजना में
- \* राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति की घोषणा हुई  
—वर्ष 1983 में
- \* कापार्ट का संबंध है  
—ग्रामीण कल्याण कार्यक्रमों की सहायता व मूल्यांकन से
- \* कापार्ट (CAPART) एक स्ववित्त संस्था है, जो कार्य करती है  
—ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत
- \* ग्रामीण विकास के लिए पायलट परियोजना का प्रारंभ किया गया,  
—वर्ष 1948 में
- \* निर्मल भारत अभियान योजना का संबंध है  
—गांवों के विकास से, मलिन बस्तियों में सामुदायिक शौचालयों से तथा निम्न आय समूहों के लिए भवन निर्माण से।
- \* शौचालय क्रांति है  
—गांव तथा नगरों में लोगों को बहाव वाले शौचालय बनाने हेतु अनुदान तथा ऋण उपलब्ध कराने की सरकारी योजना।
- \* 'समेकित बाल विकास सेवाएं' नामक कार्यक्रम प्रारंभ हुआ  
—वर्ष 1975 में
- \* 'आधार' एक कार्यक्रम है  
—भारतीय नागरिकों को पहचान उपलब्ध कराने के लिए
- \* यू.आई.डी. योजना के अंतर्गत पहला आधार गांव है  
—थेम्बली (नंदुरबार, महाराष्ट्र)
- \* कथन (A) : संप्रति भारत में गरीबी की व्यापकता के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है।  
कारण (R) : गरीबी निवारण कार्यक्रमों में व्यापक परिवर्तन किए गए हैं।  
—(A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
- \* राष्ट्रीय सामाजिक सहायता प्रोग्राम का उद्देश्य है  
—अति गरीबों हेतु वृद्धावस्था पेंशन
- \* 'न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम' का उद्देश्य है, आधारभूत ढांचा उपलब्ध करवाना  
—ग्रामीण-नगरीय जनसंख्या को
- \* 'न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम' की संकल्पना पर्यायवाची है  
—अधोसंरचना-विकास दृष्टिकोण का
- \* ग्रामीण जलापूर्ति, सामाजिक वानिकी, प्राथमिक शिक्षा तथा नगरों की मलिन बस्तियों का सुधार में से एक न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अंतर्गत नहीं है  
—सामाजिक वानिकी

- \* शहरी व्यष्टि उद्यम, शहरी मजदूरी के बदले रोजगार तथा आवास तथा आश्रय का उन्नयन भाग है  
—नेहरू रोजगार योजना का
- \* सही सुमेलित हैं-  
(कार्यक्रम) (प्रारंभ का वर्ष)  
ट्राइसेम - अगस्त, 1979  
एन.आर.ई.पी. - अक्टूबर, 1980  
जे.आर.वाई. - अप्रैल, 1989  
एस.जी.एस.वाई. - अप्रैल, 1999
- \* सही सुमेलित हैं-  
जनश्री बीमा योजना - 2000  
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन - 2005  
एम.जी. नरेगा - 2009  
आम आदमी बीमा योजना - 2007
- \* भारतीय सरकार के रोजगार सृजन तथा गरीबी निवारण कार्यक्रम में शामिल नहीं है  
—राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा कोष
- \* 'समन्वित ग्रामीण विकास योजना' (I.R.D.P.) का मुख्य लक्ष्य है  
—ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले परिवारों को रोजगार दिलाना
- \* समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (आई.आर.डी.पी.) शुरू हुआ था  
—वर्ष 1980 में
- \* ग्रामीण जलापूर्ति, ग्रामीण सड़कें, ग्रामीण विद्युतीकरण तथा ग्रामीण उद्योग में से एक त्वरित अवस्थापना विकास कोष के अंतर्गत सम्मिलित नहीं है  
—ग्रामीण उद्योग
- \* प्राथमिक शिक्षा कोष (पी.एस.के.) की स्थापना वर्ष 2005 में की गई थी  
—केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए शिक्षा उपकर हेतु
- \* न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम, अर्थव्यवस्था का उदारीकरण, करारोपण तथा भूमि-सुधार में से एक असमानता घटाने का उपाय नहीं है  
—अर्थव्यवस्था का उदारीकरण
- \* भारत में 1975 में चालू की गई एकीकृत बाल विकास सेवा (आई.सी.डी.एस.) योजना लागू की गई  
—महिला एवं बाल-कल्याण मंत्रालय
- \* 'प्रधानमंत्री आवास योजना' की समयावधि है —2015 - 2022
- \* इंदिरा आवास योजना की मुख्य विशेषता है  
—अनुसूचित जाति के सदस्यों को सस्ते आवास उपलब्ध कराना
- \* राजीव आवास योजना का लक्ष्य है —मलिन बस्ती मुक्त भारत
- \* भारत सरकार ने 'सबके लिए आवास' योजना की शुरुआत की है  
—वर्ष 2022 तक
- \* केंद्रीय सरकार ने बालिका-शिशु के लिए जो योजना जारी की है, उसका नाम है  
—धन-लक्ष्मी
- \* कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय योजना का आरंभ किया गया था  
—वर्ष 2004 में
- \* 'जननी सुरक्षा योजना' कार्यक्रम का प्रयास है  
—संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करना, प्रसूति की लागत वहन करने हेतु मां को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराना आदि
- \* संयुक्त राष्ट्र संघ ने 'सबके लिए शिक्षा' का लक्ष्य निर्धारित किया था  
—वर्ष 2015 तक
- \* सर्व शिक्षा अभियान का लक्ष्य प्राथमिक शिक्षा सभी को उपलब्ध कराना था  
—वर्ष 2007 तक
- \* सर्व शिक्षा अभियान है —6-14 आयु वर्ग के सभी बच्चे के लिए
- \* शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 का लक्ष्य शिक्षा को मुफ्त तथा अनिवार्य बनाना है, उन बच्चों के अधिकार के निहित हैं, जो  
—प्राथमिक स्तर तक के हैं
- \* 'सर्व शिक्षा अभियान' में नामांकित होने योग्य है —6-14 वर्ष
- \* भारत सरकार ने प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण हेतु सर्व शिक्षा अभियान प्रारंभ किया  
—वर्ष 2001 में
- \* वर्ष 1995 में 'मध्याह्न भोजन' योजना चलाई गई थी  
—प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकीकरण हेतु
- \* प्राथमिक शिक्षा के लिए पौष्टिक अवलंब का राष्ट्रीय कार्यक्रम (नेशनल प्रोग्राम ऑफ न्यूट्रिशनल सपोर्ट टू प्राइमरी एजुकेशन) आरंभ हुआ था  
—वर्ष 1995 में
- \* मध्याह्न भोजन हेतु प्रबंध तथा वित्तीय व्यवस्था की जाती है  
—मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा
- \* स्कूल मैनेजमेंट (व्यवस्थापक), पंचायती राज संस्था, स्वयं सेवा समूह तथा ठेकेदार में से एक मध्याह्न भोजन योजना को प्रारंभ एवं व्यवस्थित नहीं करता है  
—ठेकेदार
- \* 'मिड-डे-मील' योजना प्रारंभ हुई थी  
—वर्ष 1995 में
- \* उत्तर प्रदेश में 'मिड-डे-मील' कार्यक्रम आरंभ किया गया  
—वर्ष 1995 में
- \* भारत में अक्षयपात्र फाउंडेशन संबंधित है  
—प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन से
- \* उत्तर प्रदेश में प्रारंभिक शिक्षा के लिए 'स्कूल चलो अभियान' शुरू हुआ  
—वर्ष 2000 में

- \* कथन (A) : उत्तर प्रदेश में 'शिक्षा मित्र योजना' ग्रामीण युवा शक्ति को अपने ही ग्राम की शिक्षा द्वारा सेवा करने का अवसर उपलब्ध कराती है।  
कारण (R) : मानकानुसार अध्यापक-छात्र अनुपात को बनाए रखना उसका उद्देश्य है।

—(A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की सही व्याख्या (R) है।

- \* जनपद प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम का आरंभ हुआ —वर्ष 1994 में
- \* केंद्र सरकार द्वारा एक नीति संबंधी लिए गए निर्णय के अनुसार, केंद्र सरकार बच्चों के मुफ्त शिक्षा प्राप्त करने के अधिकार के अंतर्गत प्रभावी रूप से व्यय भार वहन करेगी —68 प्रतिशत

- \* केंद्रीय विद्यालय स्थापित किए गए —वर्ष 1963 में
- \* ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड संबंधित है —प्राथमिक शिक्षा से
- \* भारत में, वर्ष 2009-10 में प्रारंभ की गई 'इन्क्लूसिव एजुकेशन फॉर द डिसएबल्ड एट सेकेण्डरी स्टेज' योजना प्रदान की जाती है

—राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान के अंतर्गत

- \* स्वच्छ भारत अभियान द्वारा 'स्वच्छ भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने का लक्ष्य है —वर्ष 2019 तक
- \* स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) को प्रारंभ किया गया है —अक्टूबर, 2014 में

- \* 'विजन 2020 फॉर इंडिया' दस्तावेज संबंधित है —आर्थिक विकास से
- \* विजन 2020 है —भारत सरकार का एक कार्यक्रम सभी क्षेत्रों में पूर्ण आत्मनिर्भरता प्राप्त करने का।

- \* ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी सुविधाएं देने की नीति का समर्थन किया था —डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने
- \* पूरा (प्रोवाइडिंग अर्बन एमीनिटीज इन रुरल-एरियाज) ग्रामीण विकास से संबंधित महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को सर्वप्रथम प्रस्तुत किया —डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने

- \* प्रधानमंत्री श्रम पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं —केंद्र तथा राज्य के सार्वजनिक उद्यमों तथा निजी क्षेत्र के चयनित विनिर्माण इकाइयों के कार्यरत कर्मचारियों को।

- \* दृष्टि विकलांग हेतु राष्ट्रीय संस्थान अवस्थित है —देहरादून में

- \* सही सुमेलित हैं—  
(संस्थान) (स्थान)
- राष्ट्रीय दृष्टिहीन संस्थान - देहरादून
- राष्ट्रीय अस्थिरोग विकलांग संस्थान - कोलकाता
- अली यावरजंग राष्ट्रीय बधिर संस्थान - मुंबई
- राष्ट्रीय मानसिक विकलांग संस्थान - सिकंदराबाद

- \* केवल विकलांगों के लिए भारत में बनाए जाने वाले प्रथम विश्वविद्यालय का मुख्यालय है —चित्रकूट में
- \* विश्व साक्षरता दिवस मनाया जाता है —8 सितंबर को
- \* 'वीमेन्स डे' (नारी दिवस) मनाया जाता है —8 मार्च को
- \* सामाजिक अधिकारिता स्मृति दिवस मनाया जाता है —20 मार्च को
- \* विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है —15 मार्च को
- \* एड्वागोमी है —प्रौढ़ शिक्षा (Adult Education)का दूसरा नाम
- \* रूडसेट संस्थान के प्रारंभ करने का उद्देश्य है —बेरोजगार

ग्रामीण युवकों को स्वयं का उद्यम लगाने के लिए दक्षता एवं उद्यमिता प्रशिक्षण देना।

- \* वर्ष 2013 में 'रोशनी' शब्द समाचारों में था। यह संबंधित है —जनजातीय युवकों के कौशल विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम से
- \* खुला विश्वविद्यालय सबसे पहले खोला गया था —आंध्र प्रदेश में
- \* राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 के अनुसार, इस नीति से लाभांशित होंगे —15-29 वर्ष आयु वर्ग के युवा
- \* भारत में अल्पसंख्यकों के कल्याण हेतु प्रधानमंत्री द्वारा घोषित कार्यक्रम को कहते हैं —15 सूत्रीय कार्यक्रम
- \* 'नालंदा परियोजना' कार्यक्रम है —अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय का

- \* सही सुमेलित हैं—  
राष्ट्रीय महिला कोष - निर्धन महिलाओं की ऋण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करना
- महिला समृद्धि योजना - ग्रामीण महिलाओं में बचत को प्रोत्साहन देना
- इंदिरा महिला योजना - महिलाओं की शक्ति संपन्नता
- महिला सामाख्या योजना - महिला समानता के लिए शिक्षा
- \* भारत में महिला समृद्धि योजना शुरू की गई —वर्ष 1993 में

## गरीबी (Poverty)

- \* 'निर्धनता का दुश्चक्र' की अवधारणा संबंधित है —नक्सल से
- \* कथन (A) : गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को एक अभिज्ञित समूह के रूप में मानने की आवश्यकता है।  
कारण (R) : इससे कार्यक्रम अभिकरणों को लक्षित करने में सहूलियत होती है। —(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है।
- \* कथन (A) : भारत में अमीर व गरीब दोनों ही कुपोषित हैं।  
कारण (R) : अमीर गलत भोजन खाते हैं और गरीब रूखा-सूखा भोजन करते हैं। —(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।

- \* जुलाई, 2013 में योजना आयोग द्वारा जारी गरीबी के नवीनतम आकलन के अनुसार  
—वर्ष 2011-12 में सर्वाधिक गरीबी

प्रतिशतता वाला राज्य छत्तीसगढ़ (39.93%) है

- \* कथन (A): बिहार भारत का एक पिछड़ा राज्य है।  
कारण (R): यहां विकास के स्तर में क्षेत्रीय भिन्नता मिलती है।  
—(A) तथा (R) दोनों सही हैं एवं (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।

- \* भारत में गरीबी की तीव्रता की माप के लिए सबसे उपयुक्त है  
—बहु-आयामी गरीबी सूचकांक

- \* योजना आयोग द्वारा अप्रैल, 2011 में प्रसारित आंकड़ों के अनुसार, भारत में 2009-2010 में गरीबी का प्रतिशत घट कर हो गया है  
—32%

- \* भारत में राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर निर्धनता के अनुमानों के लिए केंद्रक अभिकरण (नोडल एजेंसी) था  
—योजना आयोग

- \* दत्त समिति, लकड़ावाला समिति, चैलेय्या समिति तथा चक्रवर्ती समिति में से किसी एक के आधार पर भारत में गरीबी रेखा का आकलन किया जाता है  
—लकड़ावाला समिति के आधार पर

- \* तेंदुलकर समिति ने भारत में गरीबी रेखा के नीचे की जनसंख्या का अनुपात आकलित किया  
—37.2 प्रतिशत

- \* गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाली जनसंख्या के अनुमान के नए मानक निर्धारित करने के लिए भारत सरकार ने एक समिति गठित की थी। निर्मला देशपांडे, वी. सिद्धार्थ, सुरेश तेंदुलकर तथा प्रो. जानकीरमन में से इस समिति के अध्यक्ष थे  
—सुरेश तेंदुलकर

- \* सही सुमेलित हैं-

सर्वाधिक गरीब जनसंख्या वाले 5 राज्य

(राज्य)	(गरीबों की संख्या (लाख में))
उत्तर प्रदेश	598.19
बिहार	358.15
मध्य प्रदेश	234.06
महाराष्ट्र	197.92
प. बंगाल	184.98
संपूर्ण भारत	2697.83

- \* सही सुमेलित हैं

—सर्वाधिक गरीबी प्रतिशतता वाले 5 राज्य

राज्य	निर्धनता अनुपात (प्रतिशत में)
छत्तीसगढ़	39.93
झारखंड	36.96
मणिपुर	36.89
अरुणाचल प्रदेश	34.67
बिहार	33.74
संपूर्ण भारत	21.92

- \* आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल तथा पंजाब राज्यों में से किसमें गरीबी रेखा से नीचे न्यूनतम प्रतिशत का योगदान है  
—केरल में

- \* भारतवर्ष में गरीबी की रेखा के नीचे रहते हैं  
—29.5 प्रतिशत लोग

- \* विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 50 प्रतिशत से अधिक निर्धन इन चार राज्यों में निवास करते हैं  
—बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश तथा उड़ीसा में

- \* भारत में ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी रेखा को निर्धारित करने के लिए प्रति व्यक्ति कैलोरी ग्राह्यता की संस्तुति की गई है  
—2400 कैलोरी

- \* भारत में गरीबी को परिभाषित किया गया है  
—कैलोरी प्राप्ति से

- \* भारतीय योजना आयोग के अनुसार, गरीबी रेखा के लिए सही है  
—ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति रु. 26 प्रतिदिन तथा नगरीय क्षेत्रों में प्रति व्यक्ति रु. 32 प्रतिदिन

- \* भारत में गरीबी अनुमानों का आधार है  
—परिवार का उपभोग व्यय

- \* भारत में बेरोजगारी और गरीबी के अनुमान आधारित हैं  
—NSSO के परिवारों के उपभोग व्यय के सर्वे पर।

- \* भारत में गरीबी रेखा के निर्धारण का आधार है  
—उपभोग आंकड़ा

- \* गरीबी रेखा निकालने के लिए उपयोग में नहीं लाया जाता है  
—साक्षरता, को जबकि प्रति व्यक्ति औसत आय, भोजन में कैलोरी तथा एच.सी.आर. को प्रयोग में लाया जाता है।

- \* अपर्याप्त संवृद्धि दर, जनसंख्या की उच्च वृद्धि दर, बेरोजगारी तथा बढ़ती निवेश दर में से कौन निर्धनता के लिए उत्तरदायी नहीं है  
—बढ़ती निवेश दर



- \* जीवन की भौतिक गुणवत्ता का सर्वाधिक उपयुक्त आकलन है  
—शिशु मृत्यु दर तथा साक्षरता
- \* विभेदीकृत ब्याज योजना का उद्देश्य रियायती ऋण प्रदान करना था  
—समाज के कमजोर वर्ग के लिए
- \* सार्वजनिक वितरण प्रणाली का लक्ष्य है  
—गरीबों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध कराना
- \* राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना, निपुणता विकास कार्यक्रम, आम आदमी बीमा योजना तथा असंगठित श्रमिकों का सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, 2008 में से एक सामाजिक संरक्षण का तरीका नहीं है  
—निपुणता विकास कार्यक्रम
- \* दीपक पारेख कमेटी अन्य चीजों के साथ-साथ गठित की गई थी  
—अवसंरचना के विकास और वित्तीयन हेतु उपाय सुझाने के उद्देश्य के लिए
- \* हाल में भारत सरकार ने महिला सशक्तीकरण के माध्यम से निर्धनता उन्मूलन हेतु महिला आत्म-सहायता समूहों को एक निम्न ब्याज दर पर ऋण देने का प्रस्ताव स्वीकार किया है। वह ब्याज दर है  
—7.00%
- \* कथन (A) : मध्य प्रदेश को भारत का इथिओपिया कहा जाता है।  
कारण (R) : उसके प्रमुख लक्षण अत्यधिक बाल मृत्यु दर एवं कुपोषण हैं।  
—(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
- \* अत्यधिक कुपोषण के कारण 'भारत का इथिओपिया' कहा जाता है  
—मध्य प्रदेश को
- \* आई.आर.डी.पी., ट्राइसेम, एन.आर.ई.पी. में से ग्रामीण भारत में गरीबी दूर करने हेतु योजना है  
—आई.आर.डी.पी., ट्राइसेम तथा एन.आर.ई.पी. (तीनों)
- \* 'गरीबी उन्मूलन' का नारा दिया गया था  
—छठीं पंचवर्षीय योजना में
- \* सरकारी तौर पर परिवार नियोजन कार्यक्रम को सर्वप्रथम अपनाया  
—भारत ने
- \* भारत में परिवार नियोजन कार्यक्रम प्रारंभ किया गया — वर्ष 1952 में
- \* गरीबी उपशमन पर दक्षेस (SAARC) की मंत्रिस्तरीय सभा हुई थी  
—इस्लामाबाद में
- \* UNDP के समर्थन से 'ऑक्सफोर्ड निर्धनता एवं मानव विकास नेतृत्व' द्वारा विकसित 'बहु-आयामी निर्धनता सूचकांक' में सम्मिलित है/हैं  
—पारिवारिक स्तर पर शिक्षा, स्वास्थ्य, सम्पत्ति तथा सेवाओं से वंचन

## C. वैदेशिक क्षेत्र

### आयात-निर्यात

- \* कथन (A) : आर्थिक उदारीकरण की एक महत्वपूर्ण नीति साधन है, पूंजीगत माल पर आयात शुल्क में कमी।  
कारण (R) : आयात शुल्क में कमी से स्थानीय उद्यमियों को विश्व बाजार का सामना करने के लिए प्रौद्योगिकी का सुधार करने में सहायता मिलेगी।  
—(A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (A) की सही व्याख्या (R) नहीं करता है।
- \* माल के आयात हेतु विदेशी विनिमय की स्वीकृति देता है  
—भारतीय रिजर्व बैंक
- \* विगत कुछ वर्षों में मूल्य के संदर्भ में भारतीय निर्यात का सबसे महत्वपूर्ण मद रहा है  
—अभियांत्रिकी माल
- \* वर्तमान में भारत से निर्यात अधिकतम होता है  
—अभियांत्रिकी माल का
- \* भारत के निर्यात व्यापार में सबसे बड़ा प्रतिशत हिस्सा है  
—इंजीनियरिंग संबंधी वस्तुओं का (24.4%)
- \* वर्तमान (2016-17) में भारतीय निर्यात में रत्नों एवं गहनों का प्रतिशत है, लगभग  
—15.7 प्रतिशत
- \* भारत सरकार की नई विदेशी व्यापार नीति की समयावधि है  
—1 अप्रैल, 2015 - 31 मार्च, 2020
- \* भारत द्वारा सबसे अधिक विदेशी मुद्रा व्यय की जाती है  
—पेट्रोलियम पदार्थ के आयात पर
- \* हाल के वर्षों में भारत में आयात की सबसे बड़ी मद है  
—पेट्रोलियम पदार्थ
- \* हीरे के निर्यात से भारत को काफी अधिक आय होती है। इसमें योगदान है  
—विशेषज्ञों की उपलब्धि जो आयातित हीरों की कटाई और पॉलिश करते हैं ताकि बाद में उनका निर्यात हो सके
- \* तिरुपुर, विश्व के अनेक क्षेत्रों में सुप्रसिद्ध है—बुने हुए वस्त्र के निर्यात हेतु
- \* भारत में स्वतंत्र व्यापार क्षेत्रों की स्थापना की गई है  
—निर्यात उद्योगों के संवर्धन के लिए
- \* 'स्वतंत्र व्यापार क्षेत्र' उसे कहते हैं, जहां  
—उद्यमियों को अवसंरचनात्मक (इन्फ्रास्ट्रक्चरल) सुविधाएं सरकार द्वारा निःशुल्क प्रदान की जाती हैं।

- \* विशेष आर्थिक क्षेत्र नीति घोषित की गई थी —अप्रैल, 2000 में
- \* एशिया का प्रथम निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्र 1965 में स्थापित हुआ था —कांडला में
- \* भारत का प्रथम निर्यात उपयोगीकरण क्षेत्र (ई.पी.जेड) का सृजन हुआ था —कांडला में
- \* कांडला, मुंबई, विशाखापत्तनम तथा तिरुवनंतपुरम में से वह एक जगह जहां 'मुक्त व्यापार क्षेत्र' नहीं है —तिरुवनंतपुरम
- \* बड़ोदरा प्रसिद्ध है —पटोला सिल्क के लिए
- \* निजी क्षेत्र का प्रथम निर्यात प्रक्रिया क्षेत्र स्थापित किया गया —सूरत में
- \* विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) अधिनियम प्रभावी हुआ —वर्ष 2006 में
- \* विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम पारित किया गया —मई, 2005 में
- \* फरवरी, 2006 में प्रभावी हुए SEZ एक्ट, 2005 के कुछ उद्देश्य हैं —अवसंरचना तथा सुविधाओं का विकास, विदेशी स्रोतों से निवेश को प्रोत्साहन
- \* 'सेज' (विशेष आर्थिक क्षेत्र) का उद्देश्य नहीं है —विदेशी निवेश को हतोत्साहित करना
- \* वर्ष 1950 में अंतरराष्ट्रीय निर्यात में भारत का योगदान 1.85 प्रतिशत था, परंतु आज यह है, लगभग —2.00 प्रतिशत
- \* अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अधिकतम हिस्सेदारी है —संयुक्त राज्य अमेरिका की
- \* भारत को सर्वाधिक एल. एन. जी. की आपूर्ति करता है —कतर
- \* वर्तमान में भारत में सबसे अधिक सीधा विदेशी निवेश आकर्षित किया है —सेवा क्षेत्र ने
- \* ओ.ई.सी.डी., ओपेक, पूर्वी यूरोप तथा विकासशील देशों में से भारत का सर्वाधिक आयात व्यापार है —ओपेक से
- \* ऑयल पूल खाते की समाप्ति प्रभावित हुई —1 अप्रैल, 2002 से
- \* भारत के आयात का सबसे बड़ा भाग (मूल्य में) प्राप्त होता है —चीन से
- \* वर्तमान में भारत का शेष विश्व से अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रतिशत हिस्सा जिन दो देशों के सबसे अधिक है, वे हैं —चीन और यू.ए.ई.
- \* भारत के निर्यात का सबसे बड़ा भाग (मूल्य में) भेजा जाता है —संयुक्त अरब अमीरात को
- \* भारत का 50 प्रतिशत से अधिक आयात आता है —एशियाई देशों से
- \* भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है —यू.एस.ए.
- \* भारत का अधिकतम विदेशी व्यापार है —यू.एस.ए. के साथ
- \* वर्तमान समय में कुल अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत का सबसे बड़ा साझेदार है —संयुक्त राज्य अमेरिका
- \* विश्व में लंबे रेशे के कपास का सबसे बड़ा उत्पादक एवं निर्यातक देश है —संयुक्त राज्य अमेरिका
- \* भारतीय संगठन जो भारत के आयात-निर्यात को प्रभावित करते हैं —खनिज एवं धातु व्यापार निगम, आयात-निर्यात बैंक, राज्य व्यापार निगम तथा भारतीय खाद्य निगम आदि
- \* भारत में निर्यात-आयात (एकजम) बैंक का गठन हुआ —वर्ष 1982 में
- \* इसीजीसी संबंधित है —निर्यात वित्तीय एवं बीमा से
- \* निर्यातकों की विभिन्न जोखिमों हेतु बीमा प्रदान करता है —एक्सपोर्ट क्रेडिट एंड गारंटी कॉर्पोरेशन (ECGC)
- \* विदेश व्यापार का संवर्धन करता है —ईसीजीसी, एमएमटीसी तथा एसटीसी
- \* भारत में FEMA के संदर्भ में सही कथन है —FERA को 31 मई, 2002 तक दो वर्ष के लिए निश्चित कालिक (सनसेट) खंड दिया गया था ताकि प्रवर्तन निदेशालय अनिर्णीत विषयों की जांच पड़ताल पूरी कर ले।
- \* स्वतंत्र व्यापार नीति उस नीति को बताती है, जहां —प्रशुल्क अनुपस्थित होता है
- \* कथन (A) : मुद्रा का अवमूल्यन निर्यात को बढ़ावा दे सकता है। कारण (R) : अवमूल्यन से अंतरराष्ट्रीय बाजार में घरेलू उत्पादों का मूल्य गिर जाता है। —(A) तथा (R) दोनों सही हैं एवं (R), (A) की सही व्याख्या है।
- \* कभी-कभी समाचारों में दिखने वाले पद 'आयात आवरण' (इंपोर्ट कवर) का सर्वोत्तम वर्णन है —यह उन महीनों की संख्या बताता है जितने महीनों के आयात का भुगतान देश के अंतरराष्ट्रीय रिजर्व द्वारा किया जा सकता है
- \* कथन (A) : नई EXIM नीति उदारवादी व बाजार परक है तथा भूमंडलीय व्यापार के अनुकूल है। कारण (R) : GATT ने अर्थव्यवस्था के उदारीकरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। —(A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
- \* सही सुमेलित हैं- (भारत से निर्यातित वस्तुएं) (गंतव्य देश)
- लोह-अयस्क - जापान
- चमड़े का सामान - रूस
- चाय - यू.के.
- सूती कपड़ा - यू.एस.ए.

## भुगतान संतुलन

- \* भारत द्वारा 2017 में इस्पात का सबसे अधिक निर्यात किया गया —वियतनाम को (14%)
- \* इंडिया ब्रांड इक्विटी फंड की स्थापना हुई —वर्ष 1996 में
- \* भारत द्वारा आयात की जाने वाली मर्चों का मूल्य की दृष्टि से हासमान क्रम इस प्रकार होगा —पेट्रोलियम > मोती और बहुमूल्य रत्न > विद्युत मशीनरी व उपकरण और उसके भाग > न्यूक्लियर रिएक्टर, बॉयलर मशीनरी और यांत्रिक उपकरण > कार्बनिक रसायन।
- \* वह देश जिसे प्रतिस्थापित करते हुए भारत चावल का सबसे बड़ा निर्यातक (2015) हो गया —थाईलैंड
- \* वर्ष 2015 के आंकड़ों के अनुसार, संसार का सर्वाधिक चाय निर्यातक देश है —केन्या
- \* भारतीय कपड़े का सबसे बड़ा आयातक देश है —सं.रा. अमेरिका
- \* कल्वर मोती का उत्पादन महत्वपूर्ण कुटीर उद्योग है —जापान का
- \* भारतीय चमड़े का निर्यात सबसे अधिक किया जाता है —संयुक्त राज्य अमेरिका को
- \* वे पंजीकृत निर्यातक, जिनका अनेक वर्षों तक निर्यात निषादन उच्चस्तरीय रहा है, जाने जाते हैं —स्टार व्यापार गृह के रूप में
- \* विश्व पर्यटन संगठन की वर्ष 2016 की रिपोर्ट के अनुसार, उस वर्ष सर्वाधिक पर्यटकों ने यात्रा की —फ्रांस की
- \* अदृश्य निर्यात का अर्थ होता है —सेवाओं का निर्यात
- \* एंटीपोर्ट व्यापार से तात्पर्य है —निर्यात के लिए आयात की गई वस्तुएं
- \* सन् 2000 में नाथू ला दर्रा जिन देशों के बीच सीमा पार व्यापार के लिए पुनः खुला। वे हैं —भारत और चीन
- \* आयात की प्रक्रिया आरंभ होती है —इंडेंट से
- \* साख-पत्र (L/C) दिया जाता है —एक आयातकर्ता द्वारा
- \* ड्यूटी-ड्रॉ-बैंक का आशय है —निर्यातकों को आयात शुल्क की वापसी
- \* वाणिज्य विभाग की दीर्घकालीन दृष्टि में भारत को विश्व व्यापार में एक मुख्य प्रतिभागी बनना है —वर्ष 2020 तक
- \* 'बंद अर्थव्यवस्था' वह अर्थव्यवस्था है, जिसमें —न तो निर्यात होता है, न ही आयात
- \* 'भुगतान संतुलन' शब्द का प्रयोग किया जाता है —आयात एवं निर्यात के संदर्भ में
- \* किसी देश का 'भुगतान संतुलन' व्यवस्थित अभिलेख है —किसी निर्धारित समय के दौरान, सामान्यतः एक वर्ष में, किसी देश का समस्त आयात और निर्यात का लेन-देन
- \* भुगतान संतुलन को इस प्रकार पारिभाषित किया जाता है —एक देश के निवासीगण एवं शेष विश्व के बीच आर्थिक कार्यों का पूरा ब्यौरा
- \* भुगतान संतुलन में निहित होता है —दृश्य व्यापार, अदृश्य व्यापार तथा ऋण
- \* भुगतान संतुलन के संदर्भ में चालू खाता बनता है —व्यापार संतुलन तथा अदृश्यों का संतुलन से
- \* विदेशी व्यापार का भुगतान संबंधित है —भुगतान संतुलन से
- \* व्यापार संतुलन में सम्मिलित होता है —माल
- \* भारत के व्यापार संतुलन के बारे में सही कथन है —भारत का व्यापार संतुलन 1972-73 तथा 1976-77 के दो वर्षों को छोड़कर (जब वह धनात्मक था), 1949-50 से 2017-18 तक की संपूर्ण अवधि के लिए ऋणात्मक था।
- \* नई एकल यूरोपियन मुद्रा का नाम है —यूरो
- \* यूरो डॉलर क्या है —संयुक्त राज्य अमेरिका की परिसंघीय सरकार द्वारा जारी एक विशेष मुद्रा जिसका प्रयोग केवल यूरोप में होता है
- \* यूरो को अपनी मुद्रा के रूप में नहीं स्वीकार किया है —ब्रिटेन, डेनमार्क तथा स्वीडन ने
- \* नई मुद्रा यूरो प्रारंभ की गई —वर्ष 1999 में
- \* 'यूरो' राष्ट्रीय मुद्रा है —यूरोपीय संघ के केवल 19 राज्यों की
- \* आर्थिक उदारीकरण नीति का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है-भारतीय रुपये के लिए पूर्ण परिवर्तनीयता प्राप्त करना। इसका समर्थन किया जा रहा है, क्योंकि —यह भारत में विदेशी पूंजी के प्रवाह को अधिक आकर्षित करेगी।
- \* रुपये की परिवर्तनीयता का तात्पर्य है —रुपये को अन्य प्रमुख मुद्राओं और अन्य प्रमुख मुद्राओं को रुपये में मुक्त रूप में परिवर्तित करके देने की अनुमति
- \* वर्तमान में रुपये की परिवर्तनीयता का अर्थ है कि —रुपया सभी प्रकार के चालू व्यवहारों के लिए विदेशी मुद्रा में परिवर्तनीय है।

- \* चालू खाते में रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता को घोषित किया गया  
—वर्ष 1994 से
- \* रुपये की पूर्ण विनिमेयता का अभिप्राय है  
—अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के साथ इसका मुक्त प्रवाह तथा देश के भीतर और बाहर किसी निर्धारित स्थान पर किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के साथ इसका सीधा आदान-प्रदान
- \* भारतीय रुपया पूर्णतः परिवर्तनीय है  
—भुगतान शेष के चालू लेखा के संबंध में
- \* भारतीय रुपये को परिवर्तनीय बनाया गया है  
—चालू खाते में अगस्त, 1994 से
- \* तारापोर समिति संबंधित थी —पूर्ण पूंजी लेखा संपरिवर्तनीयता से
- \* भारतीय रुपये की पूर्ण परिवर्तनीयता के प्रश्न का परीक्षण जिस समिति के द्वारा किया गया, वह है —तारापोर समिति
- \* मुद्रा के अवमूल्यन का अर्थ है —अंतरराष्ट्रीय व्यापार में प्रयुक्त मुद्राओं की तुलना में देश की मुद्रा का मूल्य घट जाना
- \* भारत में रुपये का अवमूल्यन पहली बार किया गया —वर्ष 1949 में
- \* चालू खाते के घाटे को घटाने में सहायक साबित हो सकते हैं  
—घरेलू मुद्रा का अवमूल्यन तथा उन उपयुक्त नीतियों को लागू करना जिससे देश में अधिक FDI तथा FII's से अधिक निधि आए।
- \* 'मुद्रा' के अवमूल्यन का परिणाम है —देश में निर्यातों का बढ़ना और आयातों का घटना
- \* जब कोई देश अपनी मुद्रा का अवमूल्यन करता है, तो इसका प्रभाव होता है कि —आयात महंगे और निर्यात सस्ते हो जाते हैं
- \* एक देश अपनी मुद्रा के अवमूल्यन का सहारा लेता है  
—व्यापार शेष को ठीक करने के लिए
- \* कथन (A) : मुद्रा का अवमूल्यन (Devaluation) निर्यातों को बढ़ाने के लिए किया जाता है।  
कारण (R) : विदेशी बाजार में घरेलू वस्तुएं सस्ती हो जाती हैं।  
—(A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
- \* वह विदेशी मुद्रा जिसका प्रवाह भारतीय संदर्भ में अधिक उड़नशील कहा जा सकता है —अनिवासी भारतीय जमाएं तथा विदेशी पोर्टफोलियो निवेश
- \* भारतीय रुपये की पूंजीगत लेखा परिवर्तनीयता (Capital Account Convertibility) का अर्थ है कि —वित्तीय परिसंपत्ति के व्यापार के प्रयोजन से भारतीय रुपये का किसी भी प्रमुख मुद्रा से विनिमय किया जा सकता है।
- \* हवाला संव्यवहार उन भुगतानों से संबंधित है, जो —सरकारी माध्यम से गुजरे बिना विदेशी मुद्रा के बदले रुपये में और रुपये के बदले विदेशी मुद्रा में किए जाते हैं।
- \* जुलाई, 1991 में मुद्रा का अवमूल्यन किया गया था —20 प्रतिशत
- \* भारतीय रुपये का दो बार अवमूल्यन किया गया, वित्तीय वर्ष —1991 - 92 में
- \* विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम (FEMA) प्रभावी हुआ —वर्ष 2000 से
- \* फेमा (विदेशी विनिमय प्रबंधन अधिनियम) को अंतिम रूप से लागू किया गया —वर्ष 2002 से
- \* भारत सरकार ने एफ.ई.आर.ए. (फेरा) को प्रतिस्थापित किया है —फेमा (FEMA) से
- \* मुद्रा के अवमूल्यन का प्रभाव है —आयातकर्ता देश में मुद्रा अवस्फीति (Deflation) का न होना
- \* व्यापार चक्र का विशुद्ध मौद्रिक सिद्धांत प्रतिपादित किया —अर्थशास्त्री हाट्टे ने
- \* 'e-बिज' संबंधित है —सरकारी सेवाओं की पहुंच हेतु एकल द्वार (प्लेटफॉर्म) से
- \* ई-व्यापार (E-Commerce) का अर्थ है —इंटरनेट पर व्यापार
- \* भारत की सबसे बड़ी ई-कॉमर्स कंपनी है —अमेजान
- \* 'सुपर 301' है —अमेरिकी व्यापार एवं प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 1998 की वह धारा जिसके तहत अमेरिका द्वारा किसी भी देश के विरुद्ध आर्थिक कार्यवाही की जाती है

## अंतरराष्ट्रीय संगठन

- \* उधार एजेंसी, अंतरराष्ट्रीय विकास संघ (इंटरनेशनल डेवलपमेंट एसोसिएशन) प्रशासित है —अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (इंटरनेशनल बैंक फॉर रिकंस्ट्रक्शन एंड डेवलपमेंट) से
- \* 'वर्ल्ड डेवलपमेंट रिपोर्ट' एक वार्षिक प्रकाशन है —अंतरराष्ट्रीय पुनर्निर्माण एवं विकास बैंक का
- \* 'व्यापार करने की सुविधा का सूचकांक' (Ease of Doing Business Index) में भारत की रैंकिंग समाचार-पत्रों में कभी-कभी दिखती है। इस रैंकिंग की घोषणा की है —विश्व बैंक ने
- \* विश्व के निर्धनतम राष्ट्रों को गरीबी उन्मूलन हेतु सहायता प्रदान करती है —अंतरराष्ट्रीय विकास संघ
- \* विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार, निम्न आय अर्थव्यवस्थाएं (Low Income Economies) वे हैं, जिनके लिए 1994 में प्रति व्यक्ति GNP थी —US \$ 725 या कम

- \* 'विश्व आर्थिक संभावना' (ग्लोबल इकॉनॉमिक प्रॉस्पेक्ट्स) रिपोर्ट आवधिक रूप से जारी करता है —विश्व बैंक
- \* मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित की जाती है —विश्व बैंक द्वारा
- \* भारत के आर्थिक विकास पथ को 'रोजगारविहीन', 'जड़विहीन', 'निष्ठुर', 'आवाजविहीन' तथा 'भविष्यरहित' कहा है —यू.एन.डी.पी. ने
- \* संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है —चीन की
- \* 14 जुलाई, 2018 के आंकड़ों के अनुसार, GDP (Nominal) के आधार पर भारतीय अर्थव्यवस्था है —विश्व की 6वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था
- \* पी.पी.पी. रेटिंग के आधार पर विश्व में भारतीय अर्थव्यवस्था का स्थान है —तीसरा (पहला एवं दूसरा स्थान क्रमशः चीन एवं अमेरिका का है)
- \* अधिकांश अंतरराष्ट्रीय अभिकरण जो भारत के अंतर्शासनिक द्विपक्षीय करारों के अनुसार, विकास कार्यक्रमों के लिए राशि उपलब्ध कराते हैं, मुख्यतः देते हैं —तकनीकी सहायता, सुगम ऋण जो व्याज सहित वापस चुकाने होंगे, अनुदान जो वापस नहीं चुकाने होंगे
- \* भारत में राज्यों के अवस्थापना सुधार के लिए ऋण एवं अनुदान दिए गए हैं —विश्व बैंक द्वारा
- \* एशियाई विकास बैंक, एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग, कोलम्बो योजना तथा आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (OECD) में से भारत सदस्य है —एशियाई विकास बैंक तथा कोलम्बो योजना का
- \* 'हरा सूचकांक' विकसित किया गया है —विश्व बैंक द्वारा
- \* विश्व व्यापार संगठन जिसका अंग है, वह है —गैट सदस्यों द्वारा स्थापित एक अंतरराष्ट्रीय व्यापार संगठन
- \* डब्ल्यू.टी.ओ. का मुख्यालय अवस्थित है —जेनेवा में
- \* विवादों को सुलझाने हेतु संदर्भ बिंदु के रूप में प्रयुक्त अंतरराष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मानकों के संबंध में WTO सहयोग करता है —कोडेक्स एलीमेंटेरियस कमीशन के साथ
- \* विश्व व्यापार संगठन की स्थापना हुई थी —वर्ष 1995 में
- \* विश्व व्यापार संगठन के अध्यक्ष पास्कल लेमी का स्थान लिया है —रॉबर्टो अजेवेडो ने
- \* भारत डब्ल्यू. टी.ओ (विश्व व्यापार संगठन) का सदस्य बना —वर्ष 1995 में
- \* विश्व व्यापार संगठन के दोहा चक्र में केंद्रीय मुद्दा रहा है —कृषि से
- \* विश्व व्यापार संगठन के अंतर्गत 'कृषि पर समझौते' के मुख्य तीन स्तंभों में है —बाजार पहुंच, आंतरिक समर्थन तथा निर्यात प्रतियोगिता
- \* कभी-कभी समाचारों में 'ऐबर बॉक्स, ब्लू बॉक्स और ग्रीन बॉक्स' शब्द देखने को मिलते हैं। ये तीनों संबंधित हैं —WTO से
- \* 'विशिष्ट रक्षोपाय क्रियाविधि' (स्पेशल सेफगार्ड मेकेनिज्म्स) मुहावरा प्रायः चर्चा में आता रहता है —विश्व व्यापार संगठन के संदर्भ में
- \* टैरिफ और व्यापार संबंधी साधारण करार (GATT) के अधीन सर्वाधिक अनुग्रह भाजन राष्ट्र (MFN) का अर्थ है —सभी देशों के प्रति अधिकतम अनुग्रह
- \* WTO का पूर्ववर्ती नाम था —GATT
- \* गैट का तात्पर्य है —जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स एंड ट्रेड
- \* GATT कार्यालय स्थापित किया गया —वर्ष 1948 में जेनेवा में
- \* डंकल प्रस्ताव संबंधित है —बौद्धिक संपत्ति का अधिकार से
- \* आर्थर डंकल का नाम संबंधित है —गैट से
- \* डंकल प्रस्तावों के विषय में सही कथन हैं —भारत सरकार के लिए उसके सभी प्रस्तावों को सभी क्षेत्रों के लिए स्वीकार करना अनिवार्य है। कृषि के क्षेत्र में मुख्य प्रस्ताव है- कृषि संबंधी उपादानों की समाप्ति।
- \* व्यापार संबंधी बौद्धिक संपत्ति अधिकारों के विषय हैं —व्यापार मार्का, औद्योगिक परिरूप तथा भौगोलिक संकेत/निर्देश आदि
- \* TRIPS समझौते का अनुपालन करने के लिए भारत ने जियोग्राफिकल इंडिकेशंस ऑफ गुड्स (रेजिस्ट्रेशन एवं प्रोटेक्शन) एक्ट, 1999 अधिनियमित किया। व्यापार चिह्न (ट्रेड मार्क) तथा भौगोलिक संकेत (जियोग्राफिकल इंडिकेशन) के बीच अंतर है —व्यापार चिह्न किसी व्यक्ति या कंपनी का अधिकार है जबकि भौगोलिक संकेत किसी एक समुदाय का अधिकार है, व्यापार चिह्न को अनुज्ञप्त किया जा सकता है, जबकि भौगोलिक संकेत को अनुज्ञप्त नहीं किया जा सकता
- \* ट्रिप्स समझौते में संरक्षण प्रदान करने के लिए सम्मिलित किया गया है —पेटेंट, भौगोलिक संकेतक, कॉपी राइट्स, इंटीग्रेटेड सर्किट की रूपरेखा, ट्रेडमार्क आदि को
- \* कथन (A) : विश्व व्यापार संगठनों के दायित्व में भारत के कृषि-क्षेत्र में उपदान में कमी करना आवश्यक नहीं है। कारण (R) : भारत एक विकासशील देश है। —(A) गलत है, परंतु (R) सही है।

- \* 'एग्रीमेंट ऑन एग्रीकल्चर' (Agreement on Agriculture), 'एग्रीमेंट ऑन दि ऐप्लीकेशन ऑफ सैनिटरी एंड फाइटोसैनिटरी मेजर्स' (Agreement on the Application of Sanitary and Phytosanitary Measures) और 'पीस क्लॉज' (Peace Clause) शब्द प्रायः समाचारों में आते हैं  
—विश्व व्यापार संगठन के संदर्भ में
- \* लाओ पी.डी.आर., चीन, म्यांमार तथा भारत में से एशिया पैसिफिक ट्रेड एग्रीमेंट (एप्टा) का सदस्य नहीं है —म्यांमार
- \* हाल ही में IMF के SDR बास्केट में एक नई मुद्रा जुड़ी है  
—रेनमिनबी यूआन (चीन की मुद्रा)
- \* अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के संबंध में सत्य कथन है  
—यह केवल सदस्य देशों को ऋण प्रदान करता है
- \* अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का प्रमुख कार्य है  
—सदस्य देशों की भुगतान संतुलन संबंधी समस्याओं के समाधान में सहायता करना
- \* ब्रेटनवुड्स सम्मेलन ने स्थापना की  
—आई.एम.एफ. (I.M.F.) तथा आई.बी.आर.डी. (I.B.R.D.) की
- \* अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना हुई —ब्रेटनवुड्स समझौता से
- \* भारत अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का सदस्य बना —वर्ष 1945 में
- \* 'पत्र-स्वर्ण' का अर्थ है  
—अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष का विशेष आहरण अधिकार
- \* 'वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक' नामक प्रकाशन प्रकाशित करता है  
—अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- \* 'वैश्विक वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट' (Global Financial Stability Report) तैयार की जाती है  
—अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा
- \* अल्जीरिया, चीन, इंडोनेशिया तथा यू.ए.ई. देशों में से ओपेक का सदस्य नहीं है —चीन
- \* यूरोपीय आर्थिक समुदाय का मुख्यालय है —ब्रुसेल्स में
- \* यूरोपीय संघ के विषय में सत्य कथन हैं  
—यूरोपीय संघ को पूर्वकाल में यूरोपीय समुदाय के रूप में जाना जाता था, 'सिंगल यूरोपियन एक्ट' (1986) और 'मॉस्ट्रिच संधि' इसके निर्माण में मील के पत्थर बने तथा यूरोपीय संघ देशों के नागरिक दोहरी नागरिकता का उपभोग करते हैं।
- \* समाचारों में कभी-कभी देखे जाने वाला 'यूरोपीय स्थिरता तंत्र' (European Stability Mechanism) है  
—EU की एक एजेंसी, जो यूरो क्षेत्र (यूरोजोन) के देशों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है
- \* आईएलओ (ILO) की सौवीं वार्षिक बैठक ने जिनके हितों की रक्षा का निर्णय लिया है, वे हैं —घरेलू नौकरों/श्रमिकों के हितों की
- \* सांस्कृतिक नेताओं को अपनी सभाओं में जोड़ने के लिए, 'क्रिस्टल पुरस्कार' प्रदान करता है —विश्व आर्थिक मंच
- \* पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल तथा थाईलैंड में से 'साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ रीजनल को-ऑपरेशन' (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन 'सार्क') का सदस्य नहीं है —थाईलैंड
- \* यूनीसेफ, आई.एम.एफ, डब्लू.एच.ओ. तथा सार्क में से एक शेष से भिन्न है सार्क
- \* दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (सार्क) की स्थापना हुई —वर्ष 1985 में
- \* भारत, पाकिस्तान, कंबोडिया तथा नेपाल में से दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संघ का सदस्य नहीं है —कंबोडिया
- \* विश्व की उभरती आर्थिक शक्तियों यथा- ब्राजील, रूस, भारत, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका की सदस्यता वाले अंतमहाद्वीपीय समूह को जाना जाता है —ब्रिक्स (BRICS) के नाम से
- \* ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका तथा कनाडा में से BRICS देशों में से नहीं है —कनाडा
- \* ब्रिक्स देशों का प्रथम शिखर सम्मेलन हुआ था —रूस में
- \* सबसे तेजी से विकास करने वाली अर्थव्यवस्थाओं BRIC (ब्राजील, रूस, भारत, चीन) में दक्षिण अफ्रीका सम्मिलित हुआ—वर्ष 2011 में
- \* भूटान, रूस, भारत तथा चीन में से BRICS का सदस्य नहीं है —भूटान
- \* 'ब्रिक्स' राष्ट्रों में से प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक है —रूस की
- \* नूतन विकास बैंक (BRICS बैंक) का प्रथम अध्यक्ष नियुक्त किया गया है —के.वी. कामथ को
- \* न्यू डेवलपमेंट बैंक का मुख्यालय है —शंघाई में
- \* चीन, कजाखस्तान, रूस तथा वियतनाम देशों में शंघाई-5 का सदस्य नहीं है —वियतनाम
- \* शंघाई सहयोग संगठन (SCO) की स्थापना हुई थी —26 अप्रैल, 1996 को
- \* ईरान, सऊदी अरब, ओमान तथा कुवैत में से 'खाड़ी सहयोग परिषद' (गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल) का सदस्य नहीं है —ईरान
- \* UNSC का तात्पर्य है —संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद
- \* भारत, बांग्लादेश, लाओस तथा वियतनाम में से गंगा-मेकांग स्वर्णभूमि सहयोग परियोजना का सदस्य नहीं है —वियतनाम
- \* मेकांग-गंगा सहयोग में जो छः देशों की पहल है, उनमें शामिल हैं  
—गंगा क्षेत्र से भारत तथा मेकांग क्षेत्र से 5 देशों - कंबोडिया, लाओस, म्यांमार, थाईलैंड एवं वियतनाम

- \* संस्थाएं जो मिलकर विश्व बैंक का गठन करते हैं  
—IBRD, IDA, IFC, MIGA तथा ICSID
- \* सही सुमेलित हैं-  
डब्ल्यू. टी. ओ. - सामान्यतः व्यापार में मात्रात्मक प्रतिबंधों के उपयोग को निषिद्ध करना।  
आई.एम.एफ. - भुगतान संतुलन में असंतुलन को ठीक करने के लिए वित्त प्रदान करना।  
सार्क - दक्षिण एशियाई देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना।  
आई.डी.ए. - नम्य ऋणों की स्वीकृति।
- \* अंतरराष्ट्रीय मौद्रिक एवं वित्तीय समिति (IMFC) के संदर्भ में सत्य कथन हैं  
—विश्व अर्थव्यवस्था से सरोकार रखने वाले विषयों पर चर्चा करता है और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) को उसके कार्य की दिशा पर सलाह देता है। IMF की बैठकों में विश्व बैंक प्रेक्षक की भांति भाग लेता है।
- \* संयुक्त राष्ट्र मुद्रा और वित्तीय सम्मेलन (यूनाइटेड नेशंस मॉनिटरी एंड फाइनेंशियल कॉन्फ्रेंस) जिसमें IBRD, GATT और IMF की स्थापना के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर हुए थे, सामान्यतः कहलाता है  
—ब्रेटनवुड्स सम्मेलन
- \* विश्व बैंक (World Bank) की स्थापना की गई थी —वर्ष 1945 में
- \* विश्व बैंक का मुख्यालय है —वाशिंगटन में
- \* ASEAN, LAFTA, APEC तथा NAFTA में से जिस नवीनतम क्षेत्रीय आर्थिक गुट का निर्माण हुआ है, वह है —NAFTA
- \* सही सुमेलित हैं-  
(क्षेत्रीय आर्थिक संगठन) (निर्माण वर्ष)  
LAFTA - 1960  
ASEAN - 1967  
APEC - 1989  
NAFTA - 1994
- \* निम्नलिखित समझौतों पर विचार कीजिए-  
I. ISLFTA (भारत-श्रीलंका मुक्त व्यापार समझौता)  
II. SAFTA (दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र)  
III. CECA (भारत और सिंगापुर के बीच व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता)  
IV. SAPTA (दक्षिण एशिया अधिमान्य व्यापार व्यवस्था)  
—उपर्युक्त समझौतों का सही कालानुक्रमिक है IV-I-II-III
- \* सही सुमेलित हैं-  
(संगठन) (मुख्यालय)  
1. एशियाई विकास बैंक - मनीला (फिलीपींस)  
2. एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग - सिंगापुर  
3. दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ - जकार्ता (इंडोनेशिया)
- \* जी-15 है —विश्व के विकासशील देशों का संगठन
- \* जी-7 समूह के सदस्य है  
—अमेरिका, कनाडा, जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली एवं जापान
- \* जी-8 मस्कोका पहल संबंधित है —मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य से
- \* भारत, चीन, ब्राजील एवं अन्य विकासशील देशों द्वारा विश्व व्यापार संगठन से भविष्य में बातचीत करने के लिए बनाए गए समूह को कहा जाता है —G-77
- \* संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्यों की संख्या है —193
- \* संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या है  
—5 (चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन एवं संयुक्त राज्य अमेरिका)
- \* संयुक्त राष्ट्र संघ से संबद्ध नहीं है —अंतरराष्ट्रीय निपटारा बैंक (बैंक फॉर इंटरनेशनल सैटिलमेंट)
- \* 'आसियान' इसके लिए है  
—एसोसिएशन ऑफ साउथ-ईस्ट एशियन नेशंस
- \* भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया तथा सिंगापुर देशों में से आसियान (ASEAN) का सदस्य नहीं है —भारत
- \* वियतनाम, थाईलैंड, दक्षिण कोरिया तथा इंडोनेशिया में से वह देश जो 'आसियान' का सदस्य नहीं है —दक्षिण कोरिया
- \* 'रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप' (Regional Comprehensive Economic Partnership) पद प्रायः समाचारों में देशों के एक समूह के मामलों के संदर्भ में आता है। देशों के उस समूह को कहा जाता है —ASEAN
- \* ब्रुनेई सदस्य है —ASEAN (आसियान) राष्ट्र समूह का
- \* भारतीय विकास फोरम (IDF) पहले जाना जाता था —भारत सहायता क्लब
- \* UNCTAD के अनुसार ब्राजील, मेक्सिको तथा दक्षिण अफ्रीका में से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाएं हैं —तीनों
- \* भारत और अमेरिका के मध्य विदेशी खाता कर अनुपालन अधिनियम (एफ.ए.टी.सी.ए.) क्रियाशील हुआ है —30 सितंबर, 2015 से
- \* 'स्टार्ट-I एवं स्टार्ट-II' संधियां हस्ताक्षरित की गईं  
—अमेरिका व सोवियत संघ के मध्य

## विदेशी निवेश एवं ऋण

- \* भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में समाविष्ट होंगी-  
—भारत में विदेशी कंपनियों की सहायक कंपनियां, भारतीय कंपनियों में बहुसंख्यक विदेशी इक्विटी धारण तथा विदेशी कंपनियों द्वारा अनन्य रूप से वित्तपोषित कंपनियां जबकि पोर्टफोलियो निवेश नहीं
- \* मार्चात, 2018 में भारत का विदेशी ऋण पार हो चुका  
—529.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर
- \* वर्ष 2017 में विश्व के सर्वाधिक बाह्य ऋण (ऋण स्टॉक) भार वाले पांच देश (घटते क्रम में) क्रमशः हैं —संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जर्मनी, फ्रांस तथा नीदरलैंड
- \* इस समय सर्वाधिक बाह्य ऋणग्रस्त है —संयुक्त राज्य अमेरिका देश
- \* बाह्य ऋण के आकार और घटकों के आधार पर विश्व बैंक ने भारत का वर्गीकरण किया है —कम ऋणी देश के रूप में
- \* सही सुमेलित हैं-  
1. विदेशी मुद्रा आरक्षित निधि में वृद्धि.....मुद्रा प्रसार  
2. भारत में निम्न आयात वृद्धि दर.....भारतीय उद्योगों में सुस्ती  
3. यूरो-निर्गम.....यूरोपीय देशों में भारतीय कंपनियों द्वारा धारित शेयर  
4. निवेश-सूची (पोर्टफोलियो) निवेश .....विदेशी संस्थागत निवेश
- \* प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) तथा संस्थागत विदेशी निवेशक (FII) दोनों ही, किसी देश में निवेश से संबद्ध हैं। दोनों के बीच एक महत्वपूर्ण भिन्नता है —FII व्यापक स्तर पर पूंजी उपलब्धता बढ़ाने में सहायक है, जबकि FDI का लक्ष्य केवल विशिष्ट क्षेत्रों तक सीमित होता है
- \* विदेशी प्रत्यक्ष निवेश का बृहत्तम भाग गया है —सेवा क्षेत्र को
- \* भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी लिमिटेड (IREDA) है —एक गैर-बैंकिंग वित्तीय पब्लिक लिमिटेड सरकारी कंपनी
- \* गत दशक में भारत में सबसे अधिक सीधा विदेशी निवेश अंतर्वाह आकर्षित किया है —सेवा क्षेत्र ने
- \* भारत के अंशपूंजी में निवेश हेतु विदेशी पूंजी का अंतर्प्रवाह सबसे अधिक होता है —मॉरीशस से
- \* भारत में आने वाला प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) बड़ी मात्रा में मॉरीशस से आता है, न कि यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस जैसी अनेक बड़ी और परिपक्व अर्थव्यवस्थाओं से। इसका कारण है —भारत का मॉरीशस के साथ दोहरा करारोपण परिहार समझौता है।
- \* भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में सर्वाधिक हिस्सा है —विदेशी मुद्रा का (डॉलर में)

- \* सहभागिता नोट [Participatory Notes (PNs)] संबंधित है —विदेशी संस्थागत निवेशक से
- \* भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों को प्रोत्साहन देना, बढ़ावा देना है —निजीकरण, वैश्वीकरण, उदारीकरण की नीति को

## D. विविध

### (Miscellaneous)

- \* भारत के उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 में इस अधिकार की व्यवस्था नहीं है —समाज के कमजोर वर्गों के लिए वस्तुओं और सेवाओं की दरों में छूट
- \* भारत के जनसंख्या प्रक्षेपण के संदर्भ में 'आयु भूकंप' अवधारणा का संबंध है, बाल आयु जनसंख्या से —यह कथन सही नहीं है
- \* विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है —15 मार्च को
- \* वर्ष 1946 में स्थापित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के सदस्य के रूप में सम्मिलित प्रथम भारतीय महिला थीं —श्रीमती हंसा मेहता
- \* आई.एस.ओ. 14001 है —एक अंतरराष्ट्रीय प्रमाण-पत्र, जो प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली स्थापित करने वाली औद्योगिक इकाइयों को दिया जाता है।
- \* ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (Bureau of Energy Efficiency) का स्टार लेबल पाया जाता है —छत के (सीलिंग) पंखे, विद्युत गीजर तथा नलिका रूप प्रतिदीप्ति (ट्यूबलर फ्लूओरेसेंट) लैंप आदि उपकरणों में
- \* व्यापार एवं माल निशान एक्ट पारित किया गया था —वर्ष 1958 में
- \* पी.ओ.सी.एस.ओ. कानून का संबंध है —बच्चों से
- \* भारत के प्रतिस्पर्धा आयोग के अध्यक्ष हैं —देवेन्द्र कुमार सीकरी
- \* समय-समय पर 'इनर्जी स्टैटिस्टिक्स' नामक प्रकाशन प्रकाशित करता है —केंद्रीय सांख्यिकी संगठन
- \* भारत सरकार द्वारा घोषित 'एबीसी सूचकांक' का संबंध है —स्वास्थ्य से
- \* जयंत पाटिल समिति संबंधित है —अत्यल्प वर्षा वाले क्षेत्रों के विकास से
- \* गाडगिल-मुखर्जी सूत्र के अंतर्गत अधिकतम भार दिया गया है —जनसंख्या को
- \* FICCI का अध्यक्ष हैं —राशेश शाह
- \* अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के मुख्य अर्थशास्त्री (चीफ इकोनोमिस्ट) के पद पर कार्यरत रहे —रघुराम राजन



- \* रघुराम राजन कमेटी संबंधित है —आर्थिक क्षेत्र में सुधार से
- \* सही सुमेलित हैं
  - टी.एस. कृष्णमूर्ति - भारत के भूतपूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त
  - के.सी. पंत - अध्यक्ष, भारत का 10वां वित्त आयोग
  - ए.एम. खुसरो - 11वें वित्त आयोग के अध्यक्ष
  - आर. सी. लाहोटी - भारत के भूतपूर्व मुख्य न्यायमूर्ति
- \* सही सुमेलित हैं-
 

<ul style="list-style-type: none"> <li>(व्यक्ति)</li> <li>एम.एस. स्वामीनाथन</li> <li>एल.के. झा</li> <li>सी.टी. कुरियन</li> <li>मोरारजी देसाई</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>(संबंधित क्षेत्र)</li> <li>- हरित क्रांति</li> <li>- कराधान</li> <li>- दुग्ध उत्पादन</li> <li>- बैंकों पर सामाजिक नियंत्रण</li> </ul>
---	--
- \* सही सुमेलित हैं-
 

<ul style="list-style-type: none"> <li>गोइपोरिया समिति</li> <li>नानजुनदप्पा समिति</li> <li>रंगराजन समिति</li> <li>रेखी समिति</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>- बैंकिंग सेवा सुधार</li> <li>- रेलवे किराया</li> <li>- भुगतान संतुलन</li> <li>- अप्रत्यक्ष करों से</li> </ul>
---	---
- \* कभी-कभी समाचारों में आने वाली 'गाडगिल समिति रिपोर्ट' और 'कस्तूरीरंगन समिति रिपोर्ट' संबंधित हैं
  - पश्चिमी घाटों के संरक्षण से
- \* सही सुमेलित हैं-
 

<ul style="list-style-type: none"> <li>दत्त समिति (1969)-</li> <li>वांचू समिति (1971)</li> <li>राजमन्नार समिति (1971)</li> <li>चक्रवर्ती समिति (1985)</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>औद्योगिक लाइसेंसिंग</li> <li>- प्रत्यक्ष कर</li> <li>- केंद्र-राज्य संबंध</li> <li>- मौद्रिक प्रणाली</li> </ul>
--	--
- \* सही सुमेलित हैं-
 

<ul style="list-style-type: none"> <li>(विशेषज्ञता)</li> <li>कराधान</li> <li>कृषि</li> <li>मौद्रिक नीति</li> <li>भारतीय अर्थव्यवस्था नियोजन व राज्य स्तरीय सुधार</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>(नाम)</li> <li>- पार्थसारथी सोम</li> <li>- अशोक गुलाटी</li> <li>- सी. रंगराजन</li> <li>- अरविंद पनगढ़िया</li> </ul>
---	--
- \* रिजर्व बैंक के गवर्नर जो वित्त मंत्री भी हुए
  - सी. डी. देशमुख तथा मनमोहन सिंह
- \* विमल जालान प्रथम अध्यक्ष थे
  - व्यय प्रबंध आयोग के
- \* 'दृष्टि 2025' का संबंध है
  - खाद्य उत्पादन में वृद्धि से
- \* वे सूचक जिनका IFPRI द्वारा वैश्विक भुखमरी सूचकांक (ग्लोबल हंगर इंडेक्स) रिपोर्ट में बनाने में उपयोग किया गया है
  - अल्पपोषण, शिशु वृद्धिरोधन तथा शिशु मृत्यु-दर
- \* 'अभीष्ट राष्ट्रीय निर्धारित अंशदान' (Intended nationally Determined Contributions) पद को कभी-कभी समाचारों में देखा जाता है
  - जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए विश्व के देशों द्वारा बनाई गई कार्ययोजना के संदर्भ में
- \* 'वैश्वीकरण' के संबंध में असत्य कथन है
  - इसने भारत में छोटे उद्यमियों में आशावाद का एक बोध पैदा किया है
- \* केंद्र सरकार द्वारा संचालित वह योजना, जिसके अंतर्गत मरुस्थल के किसानों को पंपसेट कम से कम किराए या पट्टे पर दिए जाते हैं
  - जल धारा योजना
- \* उत्तर प्रदेश भारतीय कारपेट प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना की गई है
  - संत रविदास नगर (भदोही) में
- \* नेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चरल इकोनॉमिक्स एंड पॉलिसी रिसर्च अवस्थित है
  - नई दिल्ली में
- \* राज्य एवं राष्ट्रीय लैंड यूज बोर्ड तथा राष्ट्रीय लैंड रिसोर्सिज कंजर्वेशन एवं डेवलपमेंट कमीशन जिन समस्याओं से मुख्यतः जुड़े हुए हैं, उनका संबंध है
  - खेती योग्य भूमि की पहचान एवं उसके विकास से
- \* भूमि अधिग्रहण विधेयक लोक सभा में पारित हुआ था
  - 9 संशोधनों के पश्चात
- \* हरियाली कार्यक्रम का संबंध है
  - जल संचयन प्रबंधन कार्यक्रम के समर्थन से
- \* 'बहिनी दरबार' समाचार-पत्र महिलाओं द्वारा और महिलाओं के लिए प्रकाशित होता है
  - मध्य प्रदेश से
- \* विश्व के जल संसाधनों का लगभग भारत के पास उपलब्ध है
  - 4.0%
- \* वर्तमान में ग्रीन हाउस गैस का सर्वाधिक उत्सर्जन है
  - चीन में
- \* कमैया प्रणाली है
  - नेपाल में अनुबंधित श्रमिकों की एक प्रणाली जो पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है।
- \* मराकेश संधि का उद्देश्य है
  - दृष्टिबाधित एवं मुद्रण अयोग्य लोगों की प्रकाशित रचनाओं तक पहुंच को प्रोत्साहन देना।
- \* कल्प योजना संबंधित है
  - प्रारंभिक शिक्षा से
- \* 'नेट मीटरिंग' (Net metering) संबंधित है
  - परिवारों/उपभोक्ताओं द्वारा सौर ऊर्जा का उत्पादन और उपयोग से

- \* सरकार की योजना 'UDAY' का एक प्रयोजन है  
—विद्युत वितरण कंपनियों के वित्तीय कार्यापलट और पुनरुत्थान का प्रबंध करना
- \* गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश राज्यों का उनके कुल विद्युत उत्पादन का अवरोही क्रम  
—महाराष्ट्र > गुजरात > तमिलनाडु > उत्तर प्रदेश
- \* भारत में वर्तमान प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष बिजली का उपयोग है, लगभग  
—1075 किलोवाट/घंटा (अनुमान)
- \* वर्ष 2016 में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में सकल उत्पादन क्षमता में नवीकरणीय ऊर्जा का अंश लगभग था  
—15%
- \* 'सेमफेक्स' योजना लागू की गई है  
—राजस्थान वित्त निगम (RFC) द्वारा
- \* कभी-कभी समाचारों में दिखने वाले डिजिलॉकर (Digilocker) एक पहल है  
—यह डिजिटल इंडिया प्रोग्राम के अंतर्गत सरकार द्वारा दिया जाने वाला एक डिजिटल लॉकर सिस्टम है, यह आपके ई-दस्तावेजों तक आपकी पहुंच को संभव बनाता है, चाहे भौतिक रूप से आपकी उपस्थिति कहीं भी हो।
- \* सही सुमेलित हैं-  
तेजी - बृहद् स्तर पर बढ़ती हुई आय, उत्पादन एवं रोजगार के साथ, उच्च स्तर का व्यावसायिक कार्यकलाप  
सुस्ती - धीमी गति के व्यावसायिक कार्यकलाप के साथ आय, उत्पादन एवं रोजगार में क्रमशः गिरावट  
मंदी - अल्प रोजगार एवं बेरोजगारी का अभूतपूर्व स्तर, आय, उत्पादन एवं रोजगार में तीव्र गिरावट  
सुधार - मूल्य, आय, उत्पादन एवं रोजगार के सामान्य स्तर में लगातार वृद्धि
- \* स्थिर मांग के साथ आपूर्ति में वृद्धि से पदार्थों की कीमत की संभावना सामान्यतः होगी  
—घटने की
- \* क्रेता का बाजार कहलाता है, जहां —मांग से पूर्ति अधिक होती है।
- \* बाजार एक आर्थिक प्रवृत्ति है, जो रुझान पैदा करती है  
—उपभोक्तावाद की ओर
- \* पूर्तिपक्ष अर्थशास्त्र अधिक जोर देता है —उत्पादक के दृष्टिकोण पर
- \* सब्जी वाली फसलों के लिए बाजार उपयुक्त होता है  
—अति अल्पकालीन
- \* जब कुल उत्पाद स्थिर होता है, तो सीमांत उत्पादन होगा —शून्य
- \* व्यावसायिक संपत्तियों के न्यासिता सिद्धांत का प्रतिपादन किया  
—महात्मा गांधी ने
- \* 'क्षतिपूर्ति' का सिद्धांत लागू नहीं होता  
—जीवन बीमा पर
- \* एक उपभोक्ता साम्यावस्था में कहा जाएगा, यदि  
—वह आय के एक निश्चित स्तर पर अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम हो
- \* जैव-डीजल मिशन का कार्यान्वयन (नोडल मंत्रालय के रूप में) कर रहा है  
—ग्रामीण विकास मंत्रालय
- \* भारत में क्षेत्रीय विषमताएं अत्यधिक हैं और हाल के वर्षों में बढ़ती रही हैं, क्योंकि  
—केवल चुने गए स्थलों में ही बार-बार निरंतर निवेश किया जाता रहा है, कुछ क्षेत्र कृषि जलवायवी रूप से विकास किए जाने के कम अनुकूल हैं तथा कुछ क्षेत्र कृषि भूमि संबंधी रूपांतरण की ओर बिल्कुल ही अनभिमुख बने हुए हैं और इसके परिणामस्वरूप सामाजिक और आर्थिक अवसरों के अभाव का सामना कर रहे हैं।
- \* कभी-कभी समाचारों में दिखने वाले 'आई.एफ.सी. मसाला बॉन्ड' (IFC Masala Bonds) के संदर्भ में सही कथन हैं  
—विश्व बैंक की एक शाखा मसाला बॉन्ड रुपया अंकित मूल्य वाले बॉन्ड हैं, जो सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के लिए ऋण वित्तीयन के स्रोत हैं। विश्व बैंक की एक शाखा अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम द्वारा प्रस्तावित किया जाता है।
- \* 'एगमार्क' का संबंध है  
—गुणवत्ता से
- \* 'ई-चौपाल' नामक ग्रामीण विपणन तंत्र प्रारंभ किया है  
—आई.टी.सी ने
- \* बाजार अर्थव्यवस्था का प्रबल समर्थन किया था  
—एडम स्मिथ, रिक्तार्डो, जे.के. गलब्रेथ ने
- \* 'लुप्त होती महिलाएं' का विचार दिया  
—अमर्त्य सेन ने
- \* भारतीय पर्यटन के 'स्वर्ण त्रिभुज' में सम्मिलित शहर हैं  
—आगरा, दिल्ली तथा जयपुर
- \* विश्व का लगभग 50 प्रतिशत कच्चा इस्पात का उत्पादन प्राप्त होता है  
—चीन से
- \* सही सुमेलित हैं-  
जे. पी. मौरगन चेज़ - वित्तीय सेवाएं  
रोश होल्डिंग ए. जी. - स्वास्थ्य सेवाएं  
डब्ल्यू. एल. रौस - प्राइवेट एंड कंपनी इक्विटी फ़र्म  
वारबर्ग पिकस - प्राइवेट इक्विटी फ़र्म

- \* मानव संसाधन, भ्रष्टाचार, सामाजिक संगठन तथा कृषि में विक्रय बचत में से एक गैर-आर्थिक घटकों में से नहीं है, जो आर्थिक विकास में योगदान देते हैं —**भ्रष्टाचार**
- \* अर्थशास्त्र के संबंध में सही कथन नहीं है —**यह देश के उस समय के आर्थिक जीवन का वर्णन करता है।**
- \* ब्रिटिश काल में भारत विनिर्मित माल का पूर्तिकर्ता था —**कथन असत्य है**
- \* अथावाना का मतलब है —**भू-राजस्व विभाग**
- \* निम्नलिखित केंद्रीय अधिनियमों पर विचार कीजिए।  
1. आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947  
2. खनन एवं खनिज विकास (नियमन) अधिनियम, 1957  
3. सीमा शुल्क अधिनियम, 1962  
4. भारतीय वन अधिनियम, 1927
- भारत के संदर्भ में उपर्युक्त अधिनियमों में से जैवविविधता संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं अथवा उस पर असर डालते हैं —**1, 2, 3 और 4 (सभी)**
- \* सही सुमेलित हैं—  
**ऑटोमोबाइल निर्माता** — **मुख्यालय**  
**बी.एम.डब्ल्यू.ए.जी.** — **जर्मनी**  
**डाएमलर ए.जी.** — **ब्रिटेन**  
**रेनॉल्ट एस.ए.** — **फ्रांस**  
**वोक्सवैगन ए.जी.** — **जर्मनी**
- \* भारतीय प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (Advisory Council) के अध्यक्ष वर्तमान में हैं —**बिवेक देबराय**
- \* सही सुमेलित हैं—  
**विलियम डिकसर** — **चलचित्र फिल्म**  
**चार्ल्स बैवेज** — **क्रमादेश्य कंप्यूटर**  
**निकोलस स्टर्न** — **अर्थशास्त्री एवं शिक्षाविद्**  
**ब्रायन ग्रीन** — **रज्जु सिद्धांत**
- \* विश्व आर्थिक मंच के संस्थापक हैं —**क्लॉस श्वाब**
- \* भारत सरकार के शहरी विकास मंत्रालय द्वारा छोटे व्यापारियों के लिए ऑनलाइन पोर्टल प्रारंभ किया गया है —**ई-लाला**
- \* फरवरी, 2011 में संघीय पेट्रोलियम मंत्री द्वारा भारत का सबसे बड़ा 'नैपथा क्रैकर प्लांट' का उद्घाटन किया गया —**हरियाणा में**
- \* तेल का एक बैरल लगभग बराबर होता है —**159 लीटर के**
- \* PVR सिनेमा का पूरा सही नाम है —**प्रिया विलेज रोड शो**
- \* भारत सरकार ने राष्ट्रीय विकलांग वित्त निगम की स्थापना की है —**सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अंतर्गत**
- \* उत्तर प्रदेश वित्तीय निगम वित्तीयकरण नहीं करता है —**पर्यटन संबंधी उद्योगों के लिए**
- \* "भ्रष्टाचार से लड़ाई के लिए नागरिकों की मार्गदर्शिका (सिटीजंस गाइड टू फाइटिंग करप्शन)" निकाली गई है —**केंद्रीय सतर्कता आयोग (सेंट्रल विजिलेंस कमीशन) द्वारा**
- \* सही सुमेलित हैं—  
**(करप्शन इंडेक्स वर्ष)** — **(भारत की रैंकिंग)**  
**2014** — **85**  
**2015** — **76**  
**2016** — **79**  
**2017** — **81**
- \* 'पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप' प्रतिमान के अंतर्गत भारत की प्रथम रेलवे लाइन बनाई जा रही है —**गुजरात में**
- \* रतन टाटा ने नैनो प्रोजेक्ट को सिंगूर से हटाकर स्थापित किया —**साणंद (गुजरात) में**
- \* राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी स्थापित की गई थी —**जुलाई, 1982 में**
- \* आर्थिक मामलों में सुधार के लिए सलाह हेतु राजस्थान सरकार ने एक संगठन का गठन किया है। इस संगठन का नाम है —**आर्थिक नीति एवं सुधार परिषद**
- \* अदम्य चेतना ट्रस्ट, हैवल्स इंडिया लि., हिंदुस्तान जिंक लि. तथा डी. एस.सी.एल.कोटा (श्रीराम ग्रुप) आदि ट्रस्ट कॉर्पोरेट संबंधित हैं —**मिड-डे-मील (मध्याह्न भोजन) योजना से**
- \* भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान स्थित है —**अहमदाबाद में**
- \* राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय विकास संस्थान स्थित है —**नोएडा में**
- \* भारतीय उद्योग महासंघ (CII) के नए अध्यक्ष हैं —**राकेश भारती मित्तल**
- \* 'इको मार्क' उन भारतीय उत्पादों को दिया जाता है, जो —**पर्यावरण के लिए अनुकूल हैं**
- \* देश का पहला इन्वेस्टमेंट एवं मैनुफैक्चरिंग जोन है —**आंध्र प्रदेश में**
- \* फॉर्च्यून पत्रिका के ग्लोबल 500 सूची में स्थान पाने वाली निजी क्षेत्र की सर्वप्रथम कंपनी थी —**रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड**

- \* इन्फोसिस, टी.सी.एस., विप्रो तथा एच.सी.एल. टेक में से भारत की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी है —टी.सी.एस.
- \* वर्तमान में बिहार में संपत्ति का मुख्य स्रोत क्या है —कृषि
- \* राजस्थान में राजपूताना महिला नागरिक सहकारी बैंक ने जिस शहर एवं तिथि से कार्य प्रारंभ किया, वह है —जयपुर (30 अगस्त, 1995) से
- \* फोर्ब्स पत्रिका के अनुसार, 2018 में विश्व का सबसे धनी व्यक्ति है —अमेजान के जेफ बेजोस
- \* 'प्रोजेक्ट ऐरो' का संबंध है —डाकघर से
- \* 'बेनिलक्स देश' कहा जाता है —बेल्जियम, नीदरलैंड्स तथा लक्जमबर्ग
- \* भारतीय पेटेंट कानून लागू हुआ —वर्ष 1972 में
- \* पेटेंट द्वितीय संशोधन अधिनियम को भारतीय संसद द्वारा अंतिम रूप से स्वीकृति प्रदान की गई —वर्ष 2002 में
- \* पैकेजिंग (सवेष्टन) की महत्ता बढ़ गई है, क्योंकि —यह उत्पादों को सुरक्षित, आकर्षक एवं विश्वसनीय बनाता है।
- \* सातवें वेतन आयोग की रिपोर्ट लागू हुई है —जनवरी, 2016 से
- \* भारत सरकार द्वारा फरवरी, 2014 में गठित सातवें केंद्रीय वेतन आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था —न्यायमूर्ति अशोक कुमार माथुर को
- \* 'आर्थिक समीक्षा' को तैयार करने तथा प्रकाशित करने का दायित्व है —वित्त मंत्रालय का
- \* विद्यालय, स्वच्छता सुविधाएं, कोयले की खानें तथा सड़कें एवं रेल में से एक आर्थिक अवस्थापना नहीं है —कोयले की खानें
- \* सुपर बाजार होता है, एक —फुटकर विक्रय संगठन
- \* सूचकांक 'रेजीडेक्स' संबंधित है —भूमि कीमत से
- \* भारत में आवासीय कीमतों का सूचकांक रेजीडेक्स (RESIDEX) प्रारंभ किया गया था —वर्ष 2007 में
- \* गैर-घरेलू गैस सिलेंडरों में भरी एल.पी.जी. का भार होता है —19.0 किग्रा.
- \* 'आधार' एक कार्यक्रम है —भारतीय नागरिकों को पहचान उपलब्ध कराने हेतु
- \* सांसद स्थानीय विकास निधि योजना आरंभ की गई थी —वर्ष 1993 में
- \* 'प्लानिंग एंड द पुअर' पुस्तक के लेखक हैं —बी.एस. मिनहास
- \* भारत के कंट्रोलर और ऑडिटर जनरल (सी.ए.जी.) की रिपोर्ट का परीक्षण किया जाता है —पब्लिक एकाउंट्स कमेटी द्वारा
- \* भारत के सी.ए.जी. (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) कार्य करते हैं —लोक वित्त संरक्षक के रूप में
- \* एयर इंडिया तथा इंडियन एयरलाइंस के एकीकरण के बाद नई इकाई जानी जाती है —एअर इंडिया के नाम से
- \* आधुनिक अर्थशास्त्र का जनक कहा जाता है —एडम स्मिथ को
- \* अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार, 2017 दिया गया है —रिचर्ड एच. थेलर
- \* राष्ट्र की संपदा में खान, बांध, मुद्रा-पूर्ति तथा पशु धन में से शामिल नहीं किया जाता है —मुद्रा-पूर्ति को
- \* सही सुमेलित हैं- (लघु रूप) - (क्षेत्र)
- OGI, FOB - विदेशी व्यापार
- SJRY, TRYSEM - रोजगार
- WPI, CPI - सूचकांक
- CRR, SLR - बैंकिंग
- \* 'दबाव समूह' अर्थबोध करता है —नीति संबंधी निर्णयों को नियंत्रित करने हेतु प्रभाव डालने वाला समूह।
- \* 'ट्रांजैक्शन शुल्क' जिसे ग्राहकों से वसूल करना सुप्रीम कोर्ट के हाल के एक आदेश द्वारा रोक दिया गया है, संबंधित है —हवाई यात्रा से
- \* सही सुमेलित हैं- (संगठन) (मुख्यालय)
- यू.एन.ओ. - न्यूयॉर्क
- डब्ल्यू.टी.ओ. - जेनेवा
- आई.एल.ओ. - जेनेवा
- एफ.ए.ओ. - रोम
- \* वेल्थ ऑफ नेशंस के लेखक हैं —एडम स्मिथ
- \* 'पूंजी का संग्रहण' (The Accumulation of Capital) पुस्तक के लेखक हैं —श्रीमती जॉन राविन्सन
- \* R.B.I. का मुख्यालय है —मुंबई में
- \* 'नोबेल पुरस्कार' विजेता भारत के अर्थशास्त्री हैं —अमर्त्य सेन
- \* भारत में प्रतिस्पर्धा आयोग का गठन किया गया —वर्ष 2003 में
- \* तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग स्थापित किया गया था —वर्ष 1956 में
- \* यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिवेशन फंड का संबंध है —टेलीकॉम कंपनियों के देयताओं के समायोजन से
- \* भारतवर्ष में सिक्कों की ढलाई होती है —मुंबई, कोलकाता तथा हैदराबाद में

- \* कभी-कभी समाचारों में आने वाला 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (Belt and Road Initiative) आता है —चीन से
- \* 'यमुना एक्सप्रेस-वे' है —ग्रेटर नोएडा से आगरा तक
- \* दुग्ध का विपणन करता है —जी.सी.एम.एम.एफ. (Gujarat Co-Operative Milk Marketing Federation Ltd.)
- \* इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय स्थित है —भोपाल में
- \* 'इंडियन इकोनॉमी : गांधीयन ब्लू प्रिंट' नामक पुस्तक लिखी है —चरण सिंह ने
- \* बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक थे —मदन मोहन मालवीय जी
- \* 'बंदी की द्विविधा' (प्रिजनर्स डाइलेमा) शब्द संबद्ध है —क्रीडा सिद्धांत के अंतर्गत स्थितियों में से एक
- \* 'ट्रस्टीशिप' की अवधारणा प्रस्तुत की थी —महात्मा गांधी ने
- \* गांधीवादी अर्थव्यवस्था आधारित है —न्यास पर
- \* खादी एवं ग्रामीण उद्योग कमीशन का मुख्यालय है —मुंबई में
- \* निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :
  1. गांधीवादी अर्थव्यवस्था आधारित है, न्यासिता के सिद्धांत पर।
  2. उत्तर प्रदेश जमींदारी उन्मूलन और भूमि सुधार अधिनियम, 1950 अंतर्निहित है, नवीं अनुसूची में।
  3. 60वें संविधान संशोधन द्वारा भारत में नागरिकों की मतदान करने की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई।
  4. 1982 में मेधा पाटेकर ने 'शेतकारी संगठन' का गठन किया। उपर्युक्त कथनों में से सही है/हैं —केवल 1 और 2
- \* जब भारत को विदेशी बैंकों में सोना रखना पड़ा उस समय भारत के प्रधानमंत्री थे —चंद्रशेखर
- \* भाखड़ा-नांगल एक संयुक्त परियोजना है —हरियाणा-पंजाब और राजस्थान की
- \* जनसंख्या वृद्धि के स्वरूप को एक दीर्घ कालावधि में घटित क्रमिक परिवर्तन को कहते हैं —जनांकिकीय संक्रमण
- \* स्थायी जनसंख्या संरचना के लिए आवश्यक है —स्थिर जन्म दर और मृत्यु दर
- \* वर्तमान में भारत की जनसंख्या वृद्धि गुजर रही है —निश्चित रूप से गिरने की प्रवृत्ति के साथ उच्च वृद्धि दर से
- \* जनसंख्या बढ़ने का भारत में मुख्य कारण है —मृत्यु दर में कमी
- \* माल्थस के जनसंख्या सिद्धांत के अनुसार, जनसंख्या में वृद्धि होती है —ज्यामितीय क्रम में
- \* जनसंख्या का घनत्व, रहन-सहन का स्तर, लिंगानुपात तथा ग्रामीण-शहरी जनसंख्या में से एक जनसंख्या की जनांकिकीय विशेषताओं का हिस्सा नहीं है —रहन-सहन का स्तर
- \* भारत में सर्वाधिक जनसंख्या का घनत्व संबंधित है —औद्योगिक क्षेत्रों में
- \* बन्ध्याकरण के लिए जो जनसंख्या नियंत्रित करने का एक अधिक विश्वसनीय तरीका है, दम्पतियों का अपनी इच्छा से न कराने के कुछ कारण हैं —लड़कों के लिए इच्छा, शिशु मृत्यु की उंची दर, समझदारी की कमी तथा अति गरीब परिवारों में आर्थिक मजबूरियां आदि
- \* भारत में प्रथम जनगणना प्रारंभ हुई —वर्ष 1872 में
- \* भारत में अंग्रेजों के समय में प्रथम जनगणना हुई —लॉर्ड मेयो के कार्यकाल में
- \* भारत में प्रथम नियमित जनगणना की गई —वर्ष 1881 में
- \* सही सुमेलित हैं-
 

(अवधि)	(चरण)
1901-1921	- मंद वृद्धि
1921-1951	- स्थायी वृद्धि
1951-1981	- द्रुतगामी वृद्धि
1981-2001	- कम होने के निश्चित लक्षणों सहित तीव्र वृद्धि

## E. जनसांख्यिकी

### भारत : जनसंख्या

- \* 2011 की भारत की जनगणना के लिए आदर्श वाक्य उपयोग किया गया था —अवर सेन्सस, अवर फ्यूचर
- \* (1) उच्च जन्म दर का उच्च मृत्यु दर से
- (2) निम्न जन्म दर का निम्न मृत्यु दर से
- (3) उच्च जन्म दर का निम्न मृत्यु दर से
- उपर्युक्त कथनों में से आर्थिक विकास से संबंधित विशिष्ट जनसांख्यिकीय संक्रमण का सही अनुक्रम है —1, 3 तथा 2
- \* सही सुमेलित हैं-
 

(दशक)	(जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर प्रतिशत में)
1971-81	- 24.66
1981-91	- 23.87
1991-2001	- 21.54
2001-2011	- 17.7

- \* भारत में दशक 2001-2011 में जनसंख्या की वृद्धि थी **-17.7%**
- \* भारत में 1971, 1981, 1991 तथा 2001 जनगणना वर्षों में से जनसंख्या में सर्वाधिक प्रतिशत बदलाव अंकित किया गया  
**-वर्ष 1971 में (24.80%)**
- \* 1. भारत की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही है।  
2. वर्तमान वृद्धि दर से निकट भविष्य में इसके चीन से आगे हो जाने की संभावना है।  
3. विश्व के प्रत्येक छः व्यक्तियों में एक भारतीय है।  
4. भारत की लगभग 40 प्रतिशत जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे स्तर में है।  
उपर्युक्त कथनों में से सही कथन है/हैं **-कथन 1, 2 एवं 3 सही हैं**
- \* कथन (A) : भारत की जनगणना हर दस वर्ष पर की जाती है।  
कारण (R) : दस वर्ष की अवधि के दौरान भारत की जनसंख्या अधिकांशतः अपरिवर्तित रही है।  
**-(A) सही है, किंतु (R) गलत है।**
- \* भारत में जनसंख्या घनत्व **-निरंतर बढ़ा है**
- \* 2011 की जनगणना में जाति को सम्मिलित करने की सहमति देने वाले मंत्रियों के समूह (GoM) के प्रमुख थे **-प्रणब मुखर्जी**
- \* भारत की जनगणना 2011 के अनुसार, सर्वाधिक जनसंख्या वाला राज्य है **-उत्तर प्रदेश**
- \* 1. भारत के 28 राज्यों (दिल्ली तथा पांडिचेरी उनमें सम्मिलित नहीं हैं) में सिक्किम का क्षेत्रफल सबसे कम है।  
2. पांडिचेरी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली तथा अन्य संघ राज्य क्षेत्रों में से चंडीगढ़ की साक्षरता दर सबसे अधिक है।  
3. भारत के 28 राज्यों (दिल्ली तथा पांडिचेरी उनमें सम्मिलित नहीं हैं) में उत्तर प्रदेश के बाद सबसे अधिक जनसंख्या महाराष्ट्र की है। उपर्युक्त में से सत्य कथन है/हैं **-कथन 3 सत्य है**
- \* कथन (A) : उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक जनसंख्या वाला प्रदेश बना हुआ है (जनगणना 2011 अनंतिम आंकड़े)।  
कारण (R) : बिहार, पश्चिम बंगाल तथा महाराष्ट्र क्रमशः अवरोही क्रम में उसके नीचे हैं। **-(A) सही है, परंतु (R) गलत है।**
- \* भारत के राज्यों में से जनसंख्या की दृष्टि से द्वितीय (2011) तथा क्षेत्रफल की दृष्टि से तृतीय स्थान है **-महाराष्ट्र का**
- \* उत्तर प्रदेश के पश्चात जिस राज्य की जनसंख्या सर्वाधिक है, वह है **-महाराष्ट्र**
- \* राज्यों का सही अवरोही क्रम उनकी जनसंख्या 2011 के अनुसार है **-उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल**
- \* आंध्र प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र तथा पश्चिम बंगाल की जनसंख्या के आकार का अवरोही है **-महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल तथा आंध्र प्रदेश**
- \* भारत की एक-तिहाई से अधिक जनसंख्या जिन राज्यों में संकेंद्रित है, वे हैं **-उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार**
- \* कर्नाटक, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु तथा ओडिशा में से जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा राज्य है **-ओडिशा**
- \* महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार तथा मध्य प्रदेश में से सबसे कम जनसंख्या है **-कर्नाटक**
- \* वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर मिजोरम, चंडीगढ़, सिक्किम तथा पुडुचेरी का उनकी जनसंख्या का अवरोही क्रम है **-पुडुचेरी > चंडीगढ़ > मिजोरम > सिक्किम**
- \* 2001-2011 के मध्य भारत के जिस राज्य में नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि हुई, वह है **-नगालैंड**
- \* भारत में जनसंख्या की उच्चतम वृद्धि दर रही **-1961-71 के दौरान**
- \* बीसवीं सदी के अंतिम दो दशकों (1981-2001) में उच्चतम जनसंख्या वृद्धि (प्रतिशत परिवर्तन) अंकित की गई थी **-नगालैंड में**
- \* आंध्र प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु तथा पश्चिम बंगाल में से 2011 में न्यूनतम दशकीय जनसंख्या वृद्धि हुई **-आंध्र प्रदेश में**
- \* मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार तथा उत्तर प्रदेश में से वर्ष 2001-2011 के दौरान जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर सर्वाधिक रही **-बिहार में**
- \* भारत में जनांककीय इतिहास में महाविभाजन का वर्ष है **-वर्ष 1921**
- \* भारत की जनसंख्या में सर्वाधिक औसत वार्षिक घातीय वृद्धि दर दर्ज की गई है **-1971-81 के दशक में**
- \* निम्नलिखित में से कौन से सत्य कथन हैं।  
1. लक्षद्वीप में सबसे कम जनसंख्या पाई जाती है।  
2. चंडीगढ़ में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।  
3. अरुणाचल प्रदेश में सबसे कम जनसंख्या घनत्व पाया जाता है।  
4. दादरा एवं नगर हवेली में जनसंख्या की सर्वाधिक दशकीय वृद्धि पाई गई है। **-कथन 1, 3 एवं 4 सत्य हैं।**

- \* भारत में अधिकतम एवं न्यूनतम जनसंख्या के घनत्व वाले राज्य क्रमशः हैं —**बिहार तथा अरुणाचल प्रदेश**
- \* 2011 जनसंख्या के अनुसार, राज्य में जनसंख्या घनत्व सबसे कम है —**अरुणाचल प्रदेश का**
- \* भारत के प्रमुख राज्यों के जनसंख्या घनत्व (2011) का सही अवरोही क्रम है —**बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल एवं उत्तर प्रदेश**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल तथा केरल में से जनसंख्या घनत्व सबसे कम है —**उत्तर प्रदेश में**
- \* पंजाब, उड़ीसा, त्रिपुरा तथा आंध्र प्रदेश राज्यों का उनके जनसंख्या घनत्व का आरोही क्रम है—**ओडिशा, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा तथा पंजाब**
- \* जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, नगालैंड, मेघालय, मिजोरम तथा मणिपुर राज्यों में से एक का जनसंख्या घनत्व 100 से कम है —**मिजोरम का**
- \* भारत के केंद्रशासित प्रदेशों में आबादी का घनत्व सबसे कम है —**अंडमान और निकोबार में**
- \* राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात तथा कर्नाटक राज्य में से वर्ष 2011 में जनसंख्या घनत्व सबसे कम है, वह है —**राजस्थान का**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, निम्नलिखित राज्य जनसंख्या घनत्व के संबंध में सही आरोही क्रम में है —**गुजरात (308) > कर्नाटक (319) > असम (398) > हरियाणा (573)**
- \* भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिस शहर में जनघनत्व सर्वाधिक है, वह है —**गाजियाबाद**
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में जितने विकलांग लोग आत्मनिर्भर हैं, उनका प्रतिशत है —**2.1 प्रतिशत**
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में साक्षरता का प्रतिशत है —**73 प्रतिशत**
- \* साक्षर भारत कार्यक्रम का विशेष जोर है —**महिला साक्षरता पर**
- \* पूर्ण साक्षर प्रदेश का दावा किया है —**केरल ने**
- \* केरल राज्य के बाहर प्रथम पूर्ण साक्षर जनपद है —**वर्धमान (पश्चिम बंगाल)**
- \* औरैया, गाजियाबाद, इटावा, इलाहाबाद में से वह जनपद जिसकी साक्षरता प्रतिशत सर्वाधिक है —**औरैया**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, साक्षरता दर में उत्तर प्रदेश का क्रम राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों है —**29वां**
- \* 2011 जनगणना के अनुसार, पुरुष और स्त्री के साक्षरता के प्रतिशत दरों में न्यूनतम अंतर है —**मेघालय राज्य का**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, पुरुष और स्त्री के साक्षरता के प्रतिशत दरों में न्यूनतम अंतर वाले —**चार राज्य क्रमशः मेघालय, मिजोरम, केरल तथा नगालैंड**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, केरल, उत्तर प्रदेश, मिजोरम तथा गुजरात राज्यों में से पुरुष और महिला साक्षरता दर में अधिकतम अंतर है —**उत्तर प्रदेश में**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, उत्तर प्रदेश के सर्वाधिक साक्षरता दर वाले 5 जिलों का सही अवरोही क्रम है —**गौतमबुद्ध नगर, कानपुर नगर, औरैया, इटावा तथा गाजियाबाद**
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तर प्रदेश का सर्वाधिक साक्षर जिला है —**गौतमबुद्ध नगर (80.12%)**
- \* 2011 जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश के जिस जिले में सबसे कम महिला साक्षरता है, वह है —**श्रावस्ती (34.8%)**
- \* निम्नलिखित कथनों में से कौन से सही कथन हैं
  1. न्यूनतम साक्षरता दर वाला जिला श्रावस्ती है।
  2. सर्वाधिक लिंग-अनुपात वाला जिला देवरिया है।
  3. न्यूनतम जनघनत्व वाला जिला ललितपुर है।
  4. नगर निगम क्षेत्र की जनसंख्या के आधार पर राज्य का सर्वाधिक जनसंख्या वाला नगर कानपुर है। —**कथन 1 एवं 3 सही हैं**
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, भारत के राज्य में न्यूनतम साक्षरता दर है, वह है —**बिहार**
- \* भोपाल, नरसिंहपुर, जबलपुर तथा इंदौर में से साक्षरता दर सर्वाधिक है —**जबलपुर में**
- \* सही सुमेलित हैं-
 

(राज्य)	-	(बाल लिंग अनुपात (2011))
उत्तर प्रदेश	-	902
मध्य प्रदेश	-	918
राजस्थान	-	935
बिहार	-	888
- \* भारत में बाल (0-6 वर्ष) जनसंख्या का लिंग अनुपात वर्ष 1961 से —**निरंतर घट रहा है**
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में 0-6 वर्ष के आयु समूह के बच्चों का यौन अनुपात है —**919**
- \* भारत के जिस राज्य में कुपोषण के शिकार बालकों का प्रतिशत उच्चतम है, वह है —**मध्य प्रदेश**
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के जिस राज्य में बाल मृत्यु दर न्यूनतम है, वह है —**गोवा तथा मणिपुर (क्रमशः 11 एवं 11)**

- \* भारत के बड़े राज्यों में केरल की जनसंख्या वृद्धि दर न्यूनतम है। इसका सर्वाधिक रूप में स्वीकृत कारण है  
—केरल ने साक्षरता और लोक स्वास्थ्य के संवर्धन में भारी निवेश किया है और सामाजिक नीतियों को उच्च प्राथमिकता दी है।
- \* बौद्धों की अधिकतम संख्या पाई जाती है —महाराष्ट्र में
- \* A. क्षेत्रफल में छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल से बड़ा है।  
B. जनगणना 2001 के अनुसार, पश्चिम बंगाल की जनसंख्या छत्तीसगढ़ की जनसंख्या से अधिक है।  
उपरोक्त कथनों में से सही है/हैं —दोनों A और B
- \* भारत की गिनती 'जनांकिकीय लाभांश' (डेमोग्राफिक डिविडेंड) वाले देश के रूप में की जाती है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि  
—यहां 15-64 वर्ष आयु वर्ग की जनसंख्या अधिक है
- \* जब जनसंख्या विशेषज्ञ 2016 के आस-पास भारत को मिलने वाली संभावित 'जनसांख्यिकीय बोनस' की बात करते हैं, तो उनका आशय  
—जनसंख्या में उत्पादनकारी आयु समूह में वृद्धि
- \* जनसंख्या वृद्धि का प्रतिकूल प्रभाव नहीं है  
—कार्यकारी जनसंख्या के आकार में वृद्धि
- \* निम्नलिखित में कौन-सी बात सही नहीं है  
(a) भारत में विश्व की 18.5 प्रतिशत जनसंख्या है।  
(b) भारत की जनसंख्या 121 करोड़ है।  
(c) 2001-2011 के दशक में जनसंख्या वृद्धि 18.1 करोड़ की हुई है।  
(d) जनसंख्या का सर्वाधिक घनत्व दिल्ली में है।  
उपर्युक्त कथनों में से जनगणना 2011 के अनुसार  
—कथन b, c तथा d सत्य हैं
- \* बाढ़ों में वृद्धि, प्रदूषण में वृद्धि, कृषि योग्य भूमि में कमी तथा वन्य जीवों में अभिवृद्धि में से एक भारत में जनसंख्या वृद्धि का प्रतिफल नहीं है  
—वन्य जीवों में अभिवृद्धि
- \* जब दंपति रक्षण की दर में वृद्धि हो रही हो, तो  
—जन्म दर तभी घटेगी जब दंपति कम आयु के हों
- \* वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में लिंग अनुपात (प्रति 1000 पुरुषों के पीछे स्त्रियों की संख्या) है —943
- \* वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारतीय राज्यों में न्यूनतम लिंगानुपात पाया गया है —हरियाणा में
- \* वर्ष 2001 से 2011 के मध्य उत्तर प्रदेश में लिंगानुपात में वृद्धि हुई है  
—1000 पुरुषों पर 10 महिलाओं से
- \* गुजरात, झारखंड, महाराष्ट्र तथा मध्य प्रदेश में से एक राज्य का लिंगानुपात राष्ट्रीय औसत से ऊपर है —झारखंड का (949)
- \* धार्मिक समुदाय बौद्ध, जैन, ईसाई तथा मुसलमान का यौन अनुपात में अवरोही क्रम है —ईसाई, बौद्ध, जैन तथा मुसलमान
- \* 2011 की जनगणना से संबंधित अतिरिक्त आंकड़ों के अनुसार, भारत के जिस समुदाय में सबसे कम लिंगानुपात है, वह है —सिख
- \* भारत में न्यूनतम यौन अनुपात जिस केंद्रशासित प्रदेश में पाया जाता है, वह है —दमन एवं दीव में (618)
- \* भारत में निम्न लिंगानुपात के लिए उत्तरदायी कारक हैं  
—उच्च मातृ-मृत्यु दर, उच्च बालिका मृत्यु दर, बालिका भ्रूण हत्या तथा बालिकाओं की तुलना में अधिक बालकों का जन्म
- \* वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, प्रति एक हजार पुरुषों पर महिलाओं की संख्या सर्वाधिक है —केरल में (1084)
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, भारत के जिस राज्य में महिला लिंग अनुपात सर्वाधिक है, वह है —केरल
- \* 2011 में तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, ओडिशा में से उच्चतम लिंगानुपात है —तमिलनाडु का (996)
- \* भारतीय संघशासित क्षेत्रों में से एक में लिंग अनुपात (प्रति 1000 पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या) 1000 से ऊपर है  
—पुडुचेरी में (1037)
- \* सही सुमेहित हैं-
- | (जनगणना वर्ष) | (भारत में लिंगानुपात) |
|---------------|-----------------------|
| 1951          | - 946                 |
| 1971          | - 930                 |
| 1991          | - 927                 |
| 2011          | - 943                 |
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में न्यूनतम यौन अनुपात पाया जाता है —दमन एवं दीव में (618)
- \* (i) 2011 में राजस्थान में लिंगानुपात राष्ट्रीय औसत से कम था।  
(ii) 2011 में राजस्थान के सभी जिलों में लिंगानुपात 1000 से कम था।  
(iii) 2011 में राजस्थान के सभी जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में (पाली जिले के अलावा) लिंगानुपात 1000 से कम था।  
(iv) 2011 में राजस्थान के सभी जिलों के शहरी क्षेत्रों में (धौलपुर जिले के अलावा) लिंगानुपात 1000 से कम था।  
2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान में लिंगानुपात (1000 पुरुषों पर महिलाओं की संख्या) के बारे में सही कथन हैं  
—(i), (ii) तथा (iii) सही हैं



- \* भारत की जनगणना 2011 के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा पंजाब में से शिशु लिंगानुपात सर्वाधिक है  
—छत्तीसगढ़ में
- \* भारत की जनगणना (2011) के अनुसार, जम्मू एवं कश्मीर, केरल, पंजाब तथा हरियाणा में से शिशु जनसंख्या का प्रतिशत भाग ग्रामीण क्षेत्रों में न्यूनतम है  
—केरल में
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के न्यूनतम जनसंख्या घनत्व वाले राज्यों का सही आरोही क्रम है  
—अरुणाचल प्रदेश (17), मिजोरम (52), सिक्किम (86) तथा मणिपुर (115)
- \* भारत के राज्यों में सबसे कम घना आबाद (Dense Populated) राज्य है  
—अरुणाचल प्रदेश
- \* भारत की साक्षरता में सर्वाधिक प्रतिशत वृद्धि देखी गई है  
—1991-2001 के बीच (लगभग 12.62% तथा 2001-2011 के बीच 8.20%)
- \* कथन (A) : केरल में जनसंख्या का घनत्व बहुत अधिक है।  
कारण (R) : केरल की साक्षरता दर बहुत अधिक है।  
—(A) और (R) दोनों सही हैं एवं (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- \* कथन (A) : उत्तर प्रदेश में भारत की जनसंख्या का सर्वाधिक जमाव पाया जाता है।  
कारण (R) : यह भारत का सबसे घना बसा राज्य भी है  
—(A) सही है, परंतु (R) गलत है।
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, साक्षरता के संदर्भ में निम्नलिखित राज्यों का सही आरोही क्रम है  
—बिहार (61.8%), राजस्थान (66.1%), उत्तर प्रदेश (67.7%), मध्य प्रदेश (69.3%)
- \* बिहार, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश तथा पश्चिम बंगाल में से 2011 जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, 7 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के पुरुष, महिलाओं से संख्या में अधिक हैं  
—सभी चारों राज्यों में
- \* अद्यतन जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, भारत में स्त्री-पुरुष अनुपात  
—घटता-बढ़ता रहता है
- \* A. भारत राष्ट्रीय परिवार नियोजन कार्यक्रम को अंगीकार करने वाला विश्व में दूसरा देश है।  
B. भारत की राष्ट्रीय जनसंख्या नीति 2000, वर्ष 2010 तक 111 करोड़ की जनसंख्या पर प्रजनन का प्रतिस्थापन स्तर प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील है।  
C. भारत में प्रजनन का प्रतिस्थापन स्तर प्राप्त करने वाला केरल प्रथम राज्य है।  
उपरोक्त कथनों में से सत्य कथन हैं  
—B और C
- \* भारत की राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 के अनुसार जनसंख्या स्थिरता प्राप्त करने का हमारा दीर्घावधि लक्ष्य था  
—वर्ष 2045
- \* राष्ट्रीय जनसंख्या नीति, 2000 के अंतर्गत जो एक लक्ष्य था कि वर्ष 2045 तक जनसंख्या (में) स्थिरता प्राप्त कर ली जाएगी, अब वह लक्षित वर्ष रखा गया है  
—वर्ष 2070
- \* सर्वाधिक यौन अनुपात (2011 जनगणना के आंकड़ों के अनुसार) वाले राज्यों/केंद्रशासित क्षेत्रों का अवरोही क्रम  
—केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश
- \* वे देश समूह जिनकी जनसंख्या उत्तर प्रदेश से अधिक है  
—चीन, भारत, अमेरिका, इंडोनेशिया तथा ब्राजील
- \* भारत में वरिष्ठ आयु निर्भरता अनुपात (2011) है  
—14.2%
- \* भारत की वर्तमान आबादी में 65 वर्ष से अधिक आयु वाले व्यक्तियों की लगभग प्रतिशतता है  
—लगभग 4.8 प्रतिशत
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, भारत में अनुसूचित जनजातियों की जनसंख्या का प्रतिशत है  
—8.6 प्रतिशत
- \* अनुसूचित जातियों का प्रतिशत कुल जनसंख्या में उच्चतम है  
—पंजाब में (31.9%)
- \* अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या सबसे अधिक है  
—उत्तर प्रदेश में
- \* वह राज्य जहां अनुसूचित श्रेणी में कोई जनजाति आबादी नहीं रखी गई है  
—पंजाब में
- \* भारतीय राज्यों में सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या है, क्रमशः  
—मध्य प्रदेश व छत्तीसगढ़ में
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में सर्वाधिक साक्षरता वाला जिला है  
—सरचिप (मिजोरम) (97.91%)
- \* भारत में प्रभावित साक्षरता दर की गणना की जाती है  
—7 वर्ष की उम्र से ऊपर की जनसंख्या से
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों पर आधारित भारत के चार सबसे कम साक्षरता वाले राज्यों का सही आरोही क्रम है  
—बिहार 61.8 < अरुणाचल प्रदेश 65.4 < राजस्थान 66.1 < झारखंड 66.4
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश की कुल जनसंख्या की 2001-11 के दौरान दशकीय वृद्धि दर थी  
—20.23 प्रतिशत
- \* जनगणना 2011 के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, भारत में पुरुष और महिला साक्षरता दर का अंतराल है  
—16.68 प्रतिशत का
- \* 2011 जनगणना के अनुसार, भारत की जनसंख्या का वह प्रतिशत जो उत्तर प्रदेश में रहता है  
—लगभग 17% (16.51%)

- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, देश में महिलाओं की साक्षरता दर है **—लगभग 64.6%**
- \* भारत में सर्वाधिक ग्रामीण साक्षरता पाई जाती है **—केरल में (93%), गोवा (86.6%)**
- \* जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, केरल, मणिपुर, तमिलनाडु तथा हिमाचल प्रदेश राज्यों में साक्षरता प्रतिशत है **—केरल (94.0) > हिमाचल प्रदेश (82.8) > तमिलनाडु (80.1) > मणिपुर (79.2)**
- \* वर्ष 2011 जनगणना के अनुसार, राज्यों में स्त्री साक्षरता दर सबसे कम है **—बिहार की (51.5%)**
- \* संघ शासित राज्यों में स्त्री साक्षरता 2011 की जनगणना के अनुसार, उच्चतम है **—लक्षद्वीप में (87.9%)**
- \* राज्य जिनमें 2011 जनगणना के अनुसार, महिला साक्षरता दर उच्चतम एवं न्यूनतम है, वे हैं क्रमशः **—केरल और बिहार**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, भारत की सकल प्रजननता दर (TFR) है **—2.4**
- \* शून्य जनसंख्या वृद्धि दर की प्राप्ति हेतु प्रतिस्थापन जनन स्तर प्रत्येक विवाहित जोड़े के लिए अनुमानित किया गया है **—2.1**
- \* यदि जन्म एवं मृत्यु दर समान हैं तथा अंतः या बाह्य प्रजनन नहीं होता है, तो जनसंख्या में कोई परिवर्तन नहीं होता है। इसे कहा जाता है **—जनसंख्या की स्थिरता**
- \* 2001-2011 के दौरान भारतीय राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में साक्षरता दर में सर्वाधिक वृद्धि दर्ज की है **—दादरा व नगर हवेली**
- \* वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, सर्वाधिक साक्षरता दर वाले शीर्ष पांच राज्य हैं **—केरल (94%) > मिजोरम (91.3%) > गोवा (88.7%) > त्रिपुरा (87.2%) > हिमाचल प्रदेश (82.8%)।**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, भारत में स्त्री साक्षरता की दृष्टि से शीर्ष 5 राज्य हैं **केरल - 92.1%, मिजोरम - 89.3%, गोवा - 84.7%, त्रिपुरा - 82.7% तथा नगालैंड - 76.1%**
- \* वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के जिस राज्य में स्त्री-पुरुष शिक्षा में निम्नतम अंतर है, वह है **—मेघालय**
- \* भारत में वर्तमान शिशु मृत्यु दर है, लगभग **—40 प्रति हजार**
- \* शिशु मृत्यु है **—हर 1000 जीवित जन्मों में से अपने पहले जन्मदिन से पहले मरने वाले बच्चों की संख्या का अनुपात**
- \* भारत में वर्तमान में अशोधित मृत्यु दर है **—7 प्रतिशत**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, शिशु मृत्यु दर सबसे कम थी **—गोवा एवं मणिपुर (प्रत्येक में 11)**
- \* भारत में सर्वप्रथम मृत्यु गणना की शुरुआत की है **—कर्नाटक ने**
- \* भारत के नगरीय क्षेत्रों में न्यूनतम शिशु मृत्यु दर पायी जाती है **—केरल में**
- \* भारत के 'बीमारू' राज्यों में सबसे घना आबाद राज्य है **—बिहार**
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, भारत 35 वर्ष की आयु से कम की जनसंख्या है **—65.6 प्रतिशत**
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, भारत की जनसंख्या में स्त्रियों का प्रतिशत है **—48.53 प्रतिशत**
- \* कुल प्रजनन दर (Fertility rate) भारत में उच्चतम है **—बिहार में (3.4)**
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की कुल जनसंख्या में 20 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों का प्रतिशत है **—59.29 प्रतिशत**
- \* जनसंख्या के पिरैमिड में आश्रित आबादी के रूप में जाना जाता है **—0-14 वर्ष आयु समूह (65 से अधिक आयु के भी आश्रित समूह है)**
- \* जनगणना 2011 के आंकड़ों के अनुसार, भारत में सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला है **—माहे (पुडुचेरी) (1184)**
- \* वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, उत्तराखंड राज्य की साक्षरता दर है **—78.8 प्रतिशत**
- \* जनगणना आकलन रिपोर्ट प्रदर्शित करती है कि भारत, विश्व का सबसे युवा देश है। वर्ष 2020 में भारतीयों की औसत उम्र होगी **—29 वर्ष**
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, भारत में 14 वर्ष से कम आयु वालों की संख्या सकल आबादी का प्रतिशत है **—लगभग 29%**
- \* 2011 की जनगणना के आधार पर मुस्लिम आबादी सर्वाधिक है **—उत्तर प्रदेश में**
- \* भारत के प्रगतिशील जनसंख्या संसाधन क्षेत्रों में सम्मिलित किए जाते हैं **—पश्चिम बंगाल डेल्टा, दक्कन ट्रेप (महाराष्ट्र और गुजरात), तमिलनाडु, पंजाब का मैदान और गंगा यमुना दोआब, दक्षिण-पूर्वी कर्नाटक पठार**
- \* जनांकिकीय लाभांश के पूर्ण लाभ को प्राप्त करने के लिए भारत को करना चाहिए **—कुशलता विकास का प्रोत्साहन**
- \* फिलिप एम. हौसर के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र से शहरी क्षेत्र में लोगों का देशांत गमन जाना जाता है **—जनसंख्या इम्प्लोजन**

# भारत : नगरीकरण

- \* एक नगर किसी ग्राम से भिन्न होता है क्रमशः —सामाजिक मूल्यों, पारिवारिक संरचना, रहन-सहन के तरीके, तथा आर्थिक क्रियाकलापों के संदर्भ में
- \* शहरी वृद्धि सूचक हैं —कुल शहरी जनसंख्या में बढ़ोत्तरी का, शहरी केंद्रों की संख्या में वृद्धि का, देश की कुल जनसंख्या में वृद्धि का तथा शहरी क्षेत्रों से आय में वृद्धि का
- \* टी.के. ओमेन ने नगरीय परिवारों का अंतर बताया है —आय के साधन तथा उभरते या बदलते हुए मूल्यों के प्रतिमान, सत्ता की संरचना तथा नगरीय सामाजिक वातावरण तथा सामाजिक पारिस्थितिकी का आधार
- \* जनसंख्या के जिस अंग को समावेशी विकास के कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं किया जाता है, वह है —अर्द्धशहरी क्षेत्रों में रहने वाले व्यक्ति
- \* भारत में मध्यम नगरीकरण की अवस्था से विशेषित है —1931-1961 का समय
- \* कथन (A) : भारत में नगरीकरण का स्तर चीन से काफी नीचा है। कारण (R) : भारतीय नगर कम नियोजित हैं। —(A) एवं (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- \* कथन (A) : भारत में सन् 2001 के पश्चात शहरीकरण में तीव्र वृद्धि हुई है। कारण (R) : भारत में मोबाइल संप्रेषण के क्षेत्र में क्रांति हो रही है। —(A) तथा (R) दोनों सही हैं, किंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
- \* भारत में शहरीकरण के संबंध में सही कथन नहीं है —भारत में सभी क्षेत्रों का शहरीकरण सर्वथा समान रूप से हुआ है।
- \* अधिवास को नगरीय केंद्र परिभाषित करने के लिए स्वीकार किया गया है —जनसंख्या आकार, जनसंख्या घनत्व तथा व्यावसायिक संरचना
- \* भारत में नगरीकरण से —जन्म और मृत्यु दर दोनों घटी हैं।
- \* 2011 की जनगणना के आधार पर सही सुमेलित हैं- (प्रकृति) (राज्य)
 

सर्वाधिक शहरीकृत राज्य	-	तमिलनाडु
अधिकतम शहरी आबादी वाला राज्य	-	महाराष्ट्र
अधिकतम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य	-	दिल्ली
सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य	-	अरुणाचल प्रदेश
- \* भारत में नगरीय केंद्रों की वर्गीकृत संख्या है —6
- \* नगरीय भारत का विस्तार एक प्लेटफॉर्म है —औद्योगिक विकास का, आधुनिक सेवा क्षेत्र के विकास का तथा परिष्कृत आय अवसरों के निर्माण का
- \* भारत के दो नगरीय केंद्र जो विश्व के सबसे अधिक जनसंख्या वाले 10 शहरों में से हैं —मुंबई तथा दिल्ली
- \* मुंबई, कोलकाता, चेन्नई तथा दिल्ली महानगरों में से लिंगानुपात अधिकतम है —चेन्नई (985)
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में जनगणना नगरों की कुल संख्या है —3892
- \* जनगणना 2011 के अनुसार, भारत में नगरीय जनसंख्या प्रतिशत था —31.16
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत में शहरों में रहने वाले लोगों की संख्या है —लगभग 37 करोड़
- \* भारत में जिले हैं —640
- \* भारत की कुल नगरीय जनसंख्या (2011) में दसलाखी नगरों का प्रतिशत योगदान है —42.6 प्रतिशत
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत के प्रथम वर्ग के नगरों का योगदान कुल नगरीय जनसंख्या में है —लगभग 70 प्रतिशत
- \* गत 30 वर्षों में दिल्ली में सर्वाधिक प्रवासी आए हैं —उत्तर प्रदेश से
- \* 1. भारत के उत्तरी शहरों में सामान्यतः असंतुलित लिंगानुपात मिलता है।  
2. पश्चिमी शहरों के केंद्रीकरण के विपरीत पूर्वी शहर बिखरे हुए हैं।  
3. दक्षिण में श्रमशक्ति में महिलाओं की ईसाइयों की लघु संख्या तथा उच्च शिक्षा दर के कारण बृहत्तर भागीदारी है।  
4. पश्चिमी शहरों में ग्रामीण क्षेत्रों से लघुतर प्रव्रजन होता है। उपर्युक्त कथनों में सत्य कथन है/हैं —1, 2 एवं 4
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, दस लाख जनसंख्या वाले नगरों की सर्वाधिक संख्या है —उत्तर प्रदेश एवं केरल में दोनों में (7-7)
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, दस लाखी प्लस के नगरीय समूह नहीं है —ओडिशा में
- \* भारत की एक-चौथाई से अधिक नगरीय जनसंख्या जिन दो राज्यों में निवास करती है, वे हैं —महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, सर्वाधिक नगरीय जनसंख्या वाले देश के तीन राज्य हैं —महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु
- \* भारत का सर्वाधिक नगरीकृत राज्य है —गोवा (62.2%) नगरीय आबादी

- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, नगरीय जनसंख्या के संदर्भ में राज्यों का आरोही क्रम है —**पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र**
- \* भारत के तीन सर्वाधिक नगरीकृत राज्यों का सही क्रम है —**तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात**
- \* भारत के सर्वाधिक नगरीकृत 5 राज्य हैं —**गोवा (62.2%), मिजोरम (52.1%), तमिलनाडु (48.4%), केरल (47.7%) एवं महाराष्ट्र (45.2%)**
- \* भारत में सबसे कम नगरीय जनसंख्या वाला राज्य है —**सिक्किम**
- \* वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार, ग्रामीण जनसंख्या का सबसे अधिक अनुपात है —**हिमाचल प्रदेश में (90%)**
- \* भारत के स्थल-अवरुद्ध राज्यों हरियाणा, जम्मू तथा कश्मीर, पंजाब तथा मध्य प्रदेश में से 2011 की जनगणना के अनुसार, नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत सर्वाधिक है —**पंजाब में**
- \* नगरीकरण की दृष्टि से भारत है —**एक मध्यम-निम्न नगरीकृत देश**
- \* कथन (A): भारत में नगरीय गरीबी की जड़ें ग्रामीण क्षेत्रों में निहित हैं। कारण (R): ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर नीचा है। —**(A) एवं (R) दोनों सही हैं एवं (R), (A) की सही व्याख्या है।**
- \* जनसंख्या के व्यावसायिक ढांचे को व्यक्त करता है —**विभिन्न व्यवसायों में कार्यकारी जनसंख्या का वितरण**
- \* 2011 के जनगणना के अनुसार, भारत में दसलाखी नगरों की संख्या है —**53**
- \* 2011 की जनगणना के आधार पर भारत में 53 दसलाखी जनसंख्या वाले नगर हैं, जिनमें से उत्तर प्रदेश में हैं —**7**
- \* भारत की जनगणना 2011 के अनुसार, देश के मिलियन (दसलाखीय) नगरों की सूची में अंतिम स्थान पर है —**कोटा**
- \* भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, सर्वाधिक जनसंख्या नगरीय युगों में दर्शित हुई —**मुंबई एवं दिल्ली**
- \* उत्तर प्रदेश के दसलाखी नगरों का उनकी जनसंख्या आकार के आरोही क्रम निम्न हैं —**इलाहाबाद > लखनऊ > आगरा > मेरठ**
- \* 2011 की जनगणना के अनुसार, जनसंख्या की दृष्टि से उ.प्र. के मुरादाबाद, इलाहाबाद, गाज़ियाबाद, लखनऊ जनपदों का सही अवरोही क्रम है —**इलाहाबाद, मुरादाबाद, गाज़ियाबाद, लखनऊ**
- \* नगरीय अवस्थापना में पेयजल, आवासन, स्वच्छता तथा परिवहन में से एक सम्मिलित नहीं है —**आवासन**
- \* भारत की जनगणना द्वारा लघु नगरों की श्रेणी में सम्मिलित किए जाते हैं —**वर्ग IV, V और VI**
- \* 2011 की जनगणना में फोटो, उंगली के निशान और आंख की पुतली के प्रतिचित्रण के लिए किसी व्यक्ति की न्यूनतम आयु है —**15 वर्ष**
- \* जनगणना 2011 के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, चंडीगढ़, दमन एवं दीव, दिल्ली तथा लक्षद्वीप नगरीकरण के स्तर से सही अवरोही क्रम है —**दिल्ली (97.5%) > चंडीगढ़ (97.3 %) > लक्षद्वीप (78.1%) > दमन एवं दीव (75.2%)**
- \* दादरा तथा नगर हवेली, दमन एवं दीव, लक्षद्वीप तथा पुडुचेरी में से 2011 की जनगणना के अनुसार, ग्रामों की संख्या न्यूनतम है —**दमन एवं दीव में**
- \* भारत की नगरीय जनसंख्या की दशकीय वृद्धि दर उच्चतम थी —**1971-81 दशक में**
- \* A. भारत में उत्तर प्रदेश को सबसे लंबे सड़क मार्ग के लिए नहीं जाना जाता है। B. माल के आयात के लिए भारतीय रिजर्व बैंक विनिमय की स्वीकृति देता है। C. नगरीकरण का अभिलक्षण है, ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में लोगों का प्रवासन। D. इंडस परियोजना भारत सरकार के श्रम विभाग तथा कनाडा की संयुक्त परियोजना थी। उपर्युक्त कथनों में सत्य कथन हैं —**केवल A, B एवं C**
- \* नगरीय गलियारा संबंधित है —**नगरीय क्रियाकलापों को विस्तार देने से**
- \* नगरीकरण का कारण है —**ग्रामीण-नगरीय असंतुलन, ग्रामीण क्षेत्रों में नौकरी के अवसरों की कमी, कृषि-भूमि की न बढ़ सकने वाली प्रकृति तथा नगरों की चुंबकीय विशेषताएं**
- \* 1. ग्रामीण से नगरी क्षेत्रों में प्रवास की ऊंची दर 2. शहरों में शैक्षणिक संस्थाओं की बढ़ती संख्या 3. औद्योगीकरण की ऊंची दर 4. ग्रामीण क्षेत्रों में ऊंचा जीवन स्तर उपर्युक्त कथनों में नगरीकरण के कारणों के संबंध में सत्य कथन हैं/हैं —**कथन 1, 2 तथा 3 सही हैं**

- \* कथन (A): भारत में नगरीकरण एवं औद्योगिकीकरण की वृद्धि के साथ अपराधों में वृद्धि हुई है।  
कारण (R) : औद्योगिक-नगरीय अर्थव्यवस्था परिवार एवं सांस्कृतिक अव्यवस्था का कारण है।

—(A) तथा (R) दोनों सही हैं तथा  
(R), (A) की सही व्याख्या है।

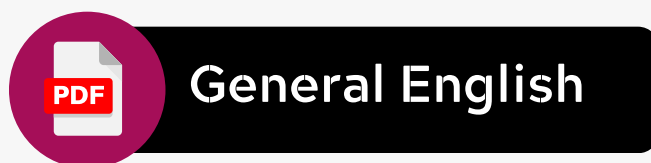
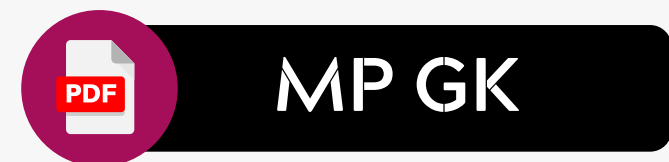
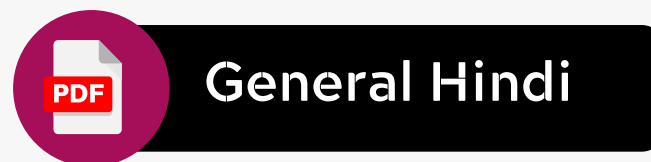
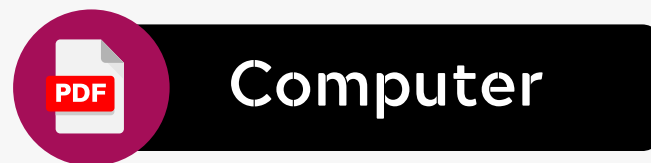
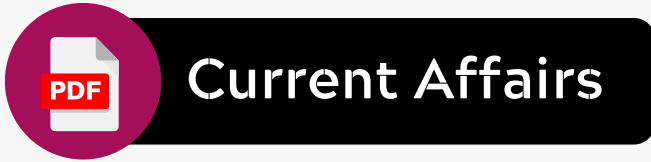
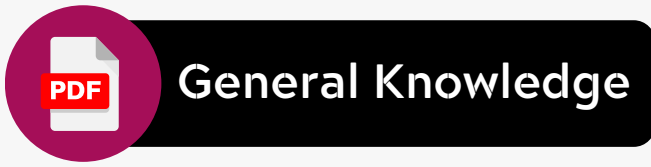
- \* बढ़ता हुआ नगरीकरण उत्पन्न करता है  
—मेट्रोपोलिटन नगरों की मलिन-बस्ती जनसंख्या में वृद्धि, बड़े नगरीय केंद्रों में जनसंख्या का बढ़ता संकेंद्रण तथा नगरीय क्षेत्रों में सेवाओं की मात्रा तथा गुणवत्ता में तेजी से गिरावट
- \* मलिन बस्तियों में रहने वालों का जनसंख्या प्रतिशत अधिकतम है  
—मुंबई में
- \* वर्ष 2011 की जनगणनानुसार, सर्वाधिक स्लम प्रतिवेदित नगरों की संख्या की दृष्टि से शीर्ष पांच राज्य/के.शा.प्र. का अवरोही क्रम है  
—तमिलनाडु (507), मध्य प्रदेश (303), उत्तर प्रदेश (293), कर्नाटक (206) एवं महाराष्ट्र (189)
- \* शहरी अधोसंरचना के विकास के लिए घोषित की गई नई योजनाएं हैं  
—स्वच्छ भारत मिशन, हेरिटेज सिटी डेवलपमेंट एंड ऑगमेंटेशन योजना तथा स्मार्ट सिटी योजना
- \* राष्ट्रीय नगरीय पुनर्नवीनीकरण मिशन जोड़ा गया था  
—जवाहरलाल नेहरू के नाम से
- \* जे.एन.एन.यू.आर.एम. योजना के साथ संबद्ध नहीं है  
—शहरी विद्युतीकरण
- \* (a) इसे 2005 में प्रारंभ किया गया।  
(b) यह एक 10 वर्षीय कार्यक्रम था।  
(c) यह भारतीय शहरों में जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए था।  
(d) यह समावेशी विकास को बढ़ाने के लिए था।  
उपर्युक्त कथनों में से जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी पुनर्नवीनीकरण मिशन के संबंध में सही नहीं है  
—यह एक 10 वर्षीय कार्यक्रम था
- \* जे.एन.एन.यू.आर.एम. का संबंध था  
—शहरी अधोसंरचना सुधार करने से
- \* स्मार्ट सिटीज मिशन में जल तथा मलजल (सीवरेज) का वित्तपोषण जिस राजस्व से होगा, वह है  
—संपत्ति कर

## विश्व : जनसंख्या एवं नगरीकरण

- \* 'लोक-नगरीय सातत्य' के विचार को उस आधार पर विकसित किया गया, जो अध्ययन किए गए  
—मेक्सिको में
- \* रेडफील्ड तथा सिंगर के विचार में प्राथमिक नगरीकरण की प्रक्रिया को विशेषीकृत (Characterized by) किया जाता है  
—वृहद् परंपरा के विकास से
- \* विश्व जनसंख्या दिवस उस दिन की याद में मनाया जाता है, जब विश्व की जनसंख्या अनुमानतः पांच अरब हो गई थी। वह दिन था  
—11 जुलाई, 1987
- \* विश्व जनसंख्या दिवस की तिथि है  
—11 जुलाई
- \* विश्व की 50% जनसंख्या संकेंद्रित है  
—20° N तथा 40° N अक्षांशों के बीच
- \* विश्व में लिंग अनुपात घटने का डर है  
—लिंग निर्धारण के परीक्षण बढ़ने से
- \* 'नया जनसंख्या बम' का तात्पर्य है  
—तीसरी दुनिया में शीघ्रता से बढ़ रही नगरों की जनसंख्या
- \* जनगणना 2011 के अनंतिम आंकड़ों के अनुसार, भारत की जनसंख्या विश्व की जनसंख्या का  
—17.5 प्रतिशत है
- \* संयुक्त राष्ट्र आवास वैश्विक मानव बस्ती रिपोर्ट (यूएन-हैबिटेट्स ग्लोबल रिपोर्ट ऑन ह्यूमन सेटलमेंट) 2009 के अनुसार, विगत तीन दशकों में शहरीकरण की सबसे तीव्र वृद्धि दर रही है  
—एशिया क्षेत्र में
- \* विश्व के नगरों की स्थिति पर यू.एन. हैबिटेट्स रिपोर्ट के अनुसार, उत्पादकता, अनुकूलतम जनसंख्या, जीवन की गुणवत्ता तथा समता में से एक नगरों की समृद्धि निर्धारित करने का आधार नहीं है  
—अनुकूलतम जनसंख्या
- \* अफ्रीका का सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है  
—नाइजीरिया
- \* दक्षिण एशिया के देशों प्रतिशत नगरीकरण का बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान तथा श्रीलंका अवरोही क्रम है  
—पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश तथा श्रीलंका
- \* विश्व के सर्वाधिक पांच जनसंख्या वाले देशों का क्रम है  
—चीन > भारत > अमेरिका > इंडोनेशिया > ब्राजील

- \* दक्षिण अमेरिका का सर्वाधिक नगरीकृत देश है —अर्जेंटीना
- \* सर्वाधिक नगरीकृत महाद्वीप है —ऑस्ट्रेलिया
- \* जनसंख्या वृद्धि का सर्वाधिक प्रतिशत जिस महाद्वीप के देशों में देखा गया है, वह है —अफ्रीका
- \* दक्षिण अमेरिका का सबसे घना बसा देश है —इक्वेडोर
- \* एक अनुमान के अनुसार, विश्व की 70 प्रतिशत आबादी जिस वर्ष तक नगरों में सिमट जाएगी, वह है —वर्ष 2050
- \* जनसंख्या के घटते हुए क्रम में चीन और भारत के बाद आते हैं —संयुक्त राज्य अमेरिका और इंडोनेशिया
- \* जन्म के समय जीवन प्रत्याशा (वर्षों में) सर्वाधिक है —जापान में
- \* जनसंख्या घनत्व सर्वाधिक है —एशिया महाद्वीप में
- \* 2011 में जनसंख्या का घनत्व सबसे कम था —उत्तरी अमेरिका
- \* कनाडा, फिनलैंड, नॉर्वे तथा रूस में से जनसंख्या का घनत्व सबसे कम है —कनाडा में
- \* चीन, भारत, इंडोनेशिया तथा संयुक्त राज्य अमेरिका देशों में नगरीय जनसंख्या सर्वाधिक है —चीन में
- \* अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भारत तथा पाकिस्तान देशों में प्रजनन दर उच्चतम है —अफगानिस्तान में
- \* दक्षिण एशिया में वृद्ध जनसंख्या का सर्वाधिक प्रतिशत वाला देश है —श्रीलंका
- \* धर्म के आधार पर विश्व की जनसंख्या अवरोही क्रम है —ईसाई, मुस्लिम, हिंदू, तथा बौद्ध
- \* नील घाटी तथा जावा द्वीप में उच्च जनसंख्या घनत्व होने का प्राथमिक कारण है —सघन कृषि
- \* संसार में सर्वाधिक नगरीकृत देश है —सिंगापुर/मकाउ आदि
- \* दक्षिण एशिया का सबसे घना बसा देश है —मालदीव
- \* विश्व में अधिकतम आयु संभावित है —जापान में
- \* दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, भारत, श्रीलंका तथा पाकिस्तान का साक्षरता की स्थिति में घटता क्रम है —श्रीलंका (91.2%), भारत (73%), पाकिस्तान (54.4%) तथा बांग्लादेश (56.8%)
- \* कथन (A) : संसार के दो प्रतिशत लोग अपनी मातृभूमि के बाहर निवास करते हैं।  
कारण (R) : ओशीनिया में प्रवासी लोगों की जनसंख्या का प्रतिशत अधिकतम है। —(A) तथा (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- \* पाकिस्तान की जनसंख्या (2011 की जनगणना के अनुसार) —लगभग 19.7 करोड़ है
- \* इंडोनेशिया, जापान, फिलीपींस तथा सिंगापुर देशों में से उच्च जनसंख्या वृद्धि दर है —सिंगापुर की
- \* संसार का सबसे बड़ा नगरीय समूह है —टोकियो-याकोहामा
- \* कथन (A) : चीन की जनसंख्या वृद्धि नाटकीय ढंग से धीमी पड़ गई है।  
कारण (R) : एक बच्चा प्रति परिवार नीति के कारण उसकी प्रजनन दर में कमी आई है। —(A) द्वारा (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
- \* एशिया का सबसे बड़ा नगर है —शंघाई
- \* एशिया का सर्वाधिक नगरीकृत देश है —कतर
- \* कथन (A) : भारत की नगरीय जनसंख्या ब्रिटेन की कुल जनसंख्या से अधिक है।  
कारण (R) : ब्रिटेन का नगरीकरण स्तर भारत के नगरीकरण स्तर से उच्चतर है। —(A) और (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
- \* कथन (A) : एशियाई नगर अत्यधिक नगरीकृत हैं।  
कारण (R) : उनकी वृद्धि आर्थिक विकास को लांच गई है। —(A) एवं (R) दोनों सही हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या है।
- \* आज कुल जनसंख्या में प्रवासी लोगों का प्रतिशत अधिकतम है —यूएसए में
- \* संसार में निम्नतम प्रजनन दर है —पुर्तगाल, बोस्निया तथा माल्डोवा की
- \* एशिया में मातृ मृत्यु दर (Mortality rate) उच्चतम है —नेपाल में
- \* विश्व की लगभग 80 प्रतिशत जनसंख्या संरक्षित नहीं है —सामाजिक सुरक्षा द्वारा
- \* विश्व की जैविक विविधता का सर्वोत्तम अनुमान मिलता है —जो लगभग साढ़े चार करोड़ जातियां जीवित हैं, उनमें से कोई 100 प्रतिदिन लुप्त हो जाती हैं और उनमें से अधिकांश तो अज्ञात ही होती हैं, क्योंकि अब तक अधिक से अधिक पंद्रह लाख की ही पहचान हुई है।

# Download All Subject Free PDF

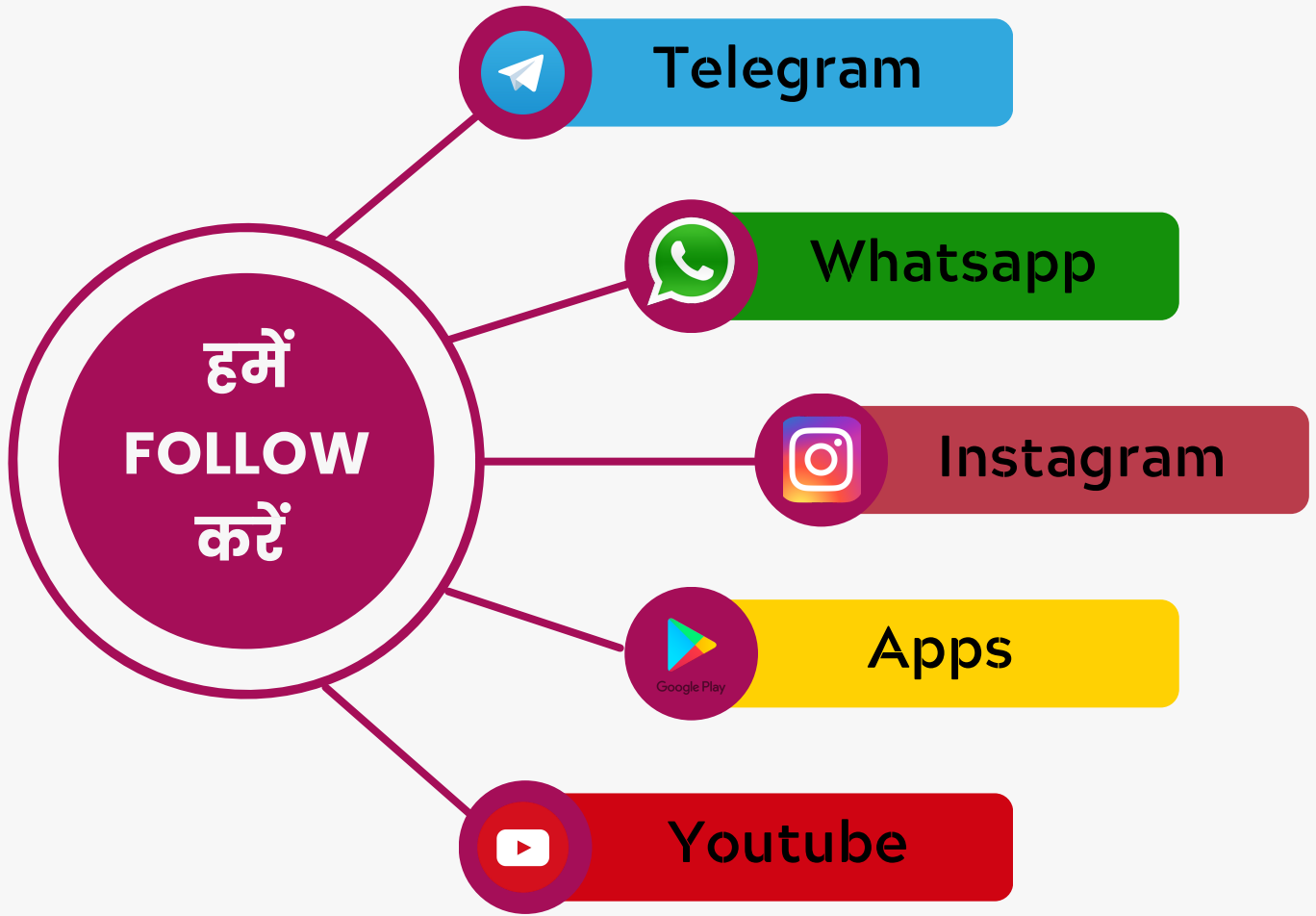


## Join Our Best Course

GK Trick By  
Nitin Gupta

Current Affairs

**Daily Current Affairs PDF, Best Test Series, Best GK PDF के लिए हमें Follow करें**



 GK Trick By Nitin Gupta  
The Ultimate Key to Success.

Welcome To

## **GK TRICK BY NITIN GUPTA APP**

**यहाँ पर आपको मिलेगा**

- ✓ Best PDF Notes For All Exams
- ✓ Best Test Series For All Exams
- ✓ Daily Current Affairs PDF
- ✓ सभी Course बहुत ही कम Price पर
- ✓ सभी Test Detail Discription के साथ व Analysis करने को सुविधा

